डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 100 | पेज: 8 | जयपुर, बुधवार, 19 मार्च 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

महाकुंभ भगदड़ की सीबीआई जांच की जरूरत नहीं..

● योगी सरकार को बड़ी राहत

प्रयागराज (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यूपी की योगी आदित्यनाथ सरकार को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने महाकुंभ भगदड़ की सीबीआई जांच की मांग को लेकर दाखिल

याचिका को खारिज कर दिया। यह याचिका योगेंद्र पाण्डेय और अन्य ने जनहित में दायर की थी, जिसमें महाकुंभ के दौरान हुए भगदड़ की घटनाओं की जांच सीबीआई से कराने की मांग की गई थी। इलाहाबाद हाईकोर्ट की डिविजन बेंच ने मामले की सुनवाई की।

सीबीआई पर आरोप- कोलकाता रेप-मर्डर केस की सही जांच नहीं की

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर केस पर सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। चीफ जस्टिस संजीव खन्ना की अगुवाई वाली बेंच ने स्वतः संज्ञान लेते हुए पीड़ित के पेरेंट्स को कलकत्ता हाईकोर्ट में याचिका

दायर करने की अनुमति दे दी।
परिवार की मांग है कि, इस मामले में सीबीआई ने सही से जांच नहीं की। याचिका में मुख्य आरोपी संजय रॉय के अलावा अन्य आरोपियों के शामिल होने का पता लगाने के लिए आगे की जांच की मांग की गई।
पीड़ित के पिता ने कहा, हमने हाईकोर्ट में याचिका दायर करके 54 सवाल पूछे हैं। अदालत को उन सवालों के जवाब देने हैं ताकि मेरी बेटी को न्याय मिले। मेरी बेटी के रेप और मर्डर में कई लोग शामिल हैं।

हरियाणा में महिलाओं को 2100 महीना मिलेंगे

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा विधानसभा में सरकार ने महिलाओं को हर महीने 2100 रुपए देने की घोषणा कर दी। इसके लिए सीएम नायब सैनी ने 5 हजार करोड़ का बजट रखा है। उन्होंने बजट पेश करते हुए इसके बारे में जानकारी दी।

महिला मंत्रियों ने बजाई ताली- जब सीएम ने महिलाओं के लिए यह घोषणा की तो सदन में खूब तालियां बजीं। इस दौरान सरकार की 2 महिला मंत्री श्रुति चौधरी और आरती राव ने भी तालियां बजाईं। सीएम की इस घोषणा के बाद सदन में थोड़ी देर के लिए हंसी-मजाक का भी माहौल रहा।
राज्य के इतिहास में पहली बार बजट 2 लाख करोड़ पार, खिलाड़ियों का बीमा होगा- हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बतौर वित्त मंत्री अपना पहला बजट पेश कर रहे हैं। उन्होंने प्रदेश के इतिहास में पहली बार 2 लाख 5 हजार 17 करोड़ का बजट पेश किया है।

नागपुर हिंसा, 11 इलाकों में कर्फ्यू, 50 गिरफ्तार, पुलिसकर्मियों समेत कई घायल

नागपुर (रॉयल पत्रिका)। नागपुर में औरंगजेब की प्रतीकात्मक कब्र जलाने के बाद सोमवार शाम हिंसा भड़क गई। हालात काबू में रखने के लिए प्रशासन ने मंगलवार को शहर के 11 इलाकों में कर्फ्यू लगा दिया है।
हिंसा में 33 पुलिसकर्मी और 5 आम नागरिक घायल हुए हैं, जिनमें से 3 DCP भी शामिल हैं। एक व्यक्ति की हालत गंभीर बताई जा रही है और उसे ICU में भर्ती किया गया है। उपद्रवियों ने 12 बाइक, कई कारें और एक JCB में आग लगा दी। पुलिस ने अब तक 50 लोगों को गिरफ्तार किया है।

संभाजीनगर में बढ़ाई गई सुरक्षा
नागपुर हिंसा के बाद प्रशासन ने संभाजीनगर में औरंगजेब की कब्र की सुरक्षा कड़ी कर दी है। कब्र की ओर जाने वाले रास्तों को बैरिकेडिंग कर दिया गया है और हर आने-जाने वाले की सख्ती से जांच की जा रही है।
शिवसेना (UBT) ने बीजेपी पर साधा निशाना
शिवसेना (UBT) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने इस घटना को लेकर भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा,
"अगर भाजपा चाहती है, तो औरंगजेब की कब्र हटा सकती है, क्योंकि केंद्र और राज्य दोनों में उसकी सरकार है। लेकिन सवाल यह है कि नागपुर में हिंसा भड़काने वाला कौन है? नागपुर में RSS का मुख्यालय है, ऐसे में मुख्यमंत्री को जवाब देना चाहिए कि आखिर यह दंगे क्यों हुए?"
उन्होंने आगे कहा कि महाराष्ट्र में डबल इंजन सरकार है और अगर वह कानून-व्यवस्था बनाए रखने में असफल रही है, तो सरकार को इस्तीफा दे देना चाहिए।
भाजपा महाराष्ट्र को 'मणिपुर' बनाना चाहती है – आदित्य ठाकरे
शिवसेना (UBT) नेता आदित्य ठाकरे ने भी भाजपा पर तीखा हमला करते हुए कहा कि,
"भाजपा महाराष्ट्र को मणिपुर बनाने की कोशिश कर रही है। जब भाजपा सत्ता में नहीं होती, तो हिंसा और दंगों का सहारा लेती है।"
कैसे भड़की नागपुर में हिंसा?
सोमवार को नागपुर में विश्व हिंदू परिषद (VHP) ने प्रदर्शन किया था। इस दौरान गोबर के कंडों से भरा हरा कपड़ा जलाया गया, जिसे औरंगजेब की प्रतीकात्मक कब्र बताया गया।
इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद शाम करीब 7:30 बजे नागपुर के महल इलाके में हिंसा भड़क गई। उपद्रवियों ने पथराव और आगजनी शुरू कर दी। कई गाड़ियों में तोड़फोड़ की गई, घरों पर पत्थर फेंके गए, और पुलिस पर भी हमला किया गया। DCP निकेतन कदम कुल्हाड़ी के हमले में घायल हो गए। हालात काबू करने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े।
सीएम फडणवीस ने दी जानकारी, मुंबई में भी सुरक्षा बढ़ी
मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विधानसभा में बताया कि नागपुर हिंसा को लेकर 5 FIR दर्ज की गई हैं। उन्होंने कुल्हाड़ी से घायल DCP निकेतन कदम से वीडियो कॉल पर बात की और हालचाल जाना।
इसके अलावा, मुंबई के मुस्लिम बहुल इलाकों में भी पुलिस सुरक्षा बढ़ा दी गई है।
कर्फ्यू कहां-कहां लगा?
शहर के गणेशपेठ, लकड़गंज, पचपावली, शांतिनगर, सक्करदरा, नंदनवन, इमामवाड़ा, यशोधरा नगर और कपिल नगर में कर्फ्यू लागू कर दिया गया है।

राजस्थान में अब खेल अधिकारी कहलाएंगे डीवाईएसपीओ

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद की बैठक मंगलवार को खेल विभाग के सचिव और परिषद के अध्यक्ष नीरज कुमार पवन की अध्यक्षता में आयोजित की है। बैठक में खेल अधिकारियों का पदनाम बदलकर डिस्ट्रिक्ट यूथ एंड स्पोर्ट्स प्रमोशन ऑफिसर (डीवाईएसपीओ) कर दिया गया। पहले यह अधिकारी मुख्यालय और जिलों में खेल अधिकारी के रूप में काम कर रहे थे।
नीरज कुमार पवन ने बताया कि खेलों बढ़ावा देने वाली गैर सरकारी संस्थाओं को राजस्थान खेल प्रोत्साहन अवार्ड 2025 से सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा, उत्तराखंड में 28 जनवरी से 14 फरवरी तक हुए राष्ट्रीय खेलों में पदक जीतने वाले राजस्थान के खिलाड़ियों को भी जल्द ही सम्मानित किया जाएगा।
इसके साथ ही बैठक में राजस्थान खेल अधिनियम - 2005 की सख्ती से पालना करने पर जोर दिया और राज्य खेल संघों की गतिविधियों पर चर्चा की गई।
बैठक में उप शासन सचिव अनिता मीणा, क्रीड़ा परिषद के सचिव राजेन्द्र सिंह सिसोदिया, वित्तीय सलाहकार महावीर मीणा, वरिष्ठ लेखाधिकारी नीलम राठौड़ समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में एक आतंकी ढेर

● सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ में एक जवान घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में नियंत्रण रेखा के साथ सटे खुरमोरा राजवार इलाके में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ जारी है। मुठभेड़ में एक आतंकी मारा गया और कुछ आतंकी घेराबंदी तोड़कर भागने में कामयाब रहे। भाग निकले आतंकियों को पकड़ने के लिए सुरक्षाबलों का अभियान जारी है। एक सैनिक के घायल होने की सूचना है। अधिकारियों ने यहां बताया कि सुरक्षाबलों ने इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद जंगलदारा के क्रूम्हूरा गांव में घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया। आतंकवादियों द्वारा सुरक्षाबलों पर गोलीबारी करने के बाद तलाशी अभियान मुठभेड़ में बदल गया।

● टैरिफ पर सीधे टॉप लेवल पर चल रही बात

पीएम मोदी और ट्रंप अच्छे दोस्त : तुलसी गबार्ड

नई दिल्ली/वाशिंगटन। नई दिल्ली पहुंचीं अमेरिका की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड ने कहा कि टैरिफ के मुद्दे पर भारत और अमेरिका के बीच टॉप लेवल पर सीधी बातचीत हो रही है। गबार्ड ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में मैंने भारत सरकार के अधिकारियों से बात की है। मुझे यह देखकर खुशी हुई कि भारतीय अधिकारी इसे नकारात्मक दृष्टिकोण से देखने के बजाय सकारात्मक ले रहे हैं।

अच्छे समाधान की तलाश- गबार्ड ने आगे कहा कि जैसे पीएम मोदी अपने देश की अर्थव्यवस्था और लोगों के लिए उपलब्ध अवसरों को सर्वोत्तम हित में देख रहे हैं। ठीक उसी प्रकार राष्ट्रपति ट्रंप भी अमेरिकी लोगों और आर्थिक हितों यही करने में जुटे हैं। पीएम मोदी और डोनाल्ड ट्रंप बेहतरीन समाधान की तलाश में हैं।
टॉप लेवल पर चल रहा सीधा संवाद- तुलसी गबार्ड ने कहा कि सबसे सकारात्मक बात यह है कि हमारे पास दो ऐसे नेता हैं, जिन्हें मुद्दों की सामान्य समझ है और अच्छे समाधान की तलाश में हैं। सीधा संवाद दोनों देशों के बीच शीर्ष स्तर पर चल रहा है। मगर विभिन्न सचिवों और कैबिनेट सदस्यों के बीच यह तय करने में अहम होगा कि आगे का रास्ता कैसा होगा? मैं व्यक्तिगत रूप से उत्साहित हूं क्योंकि भारत और अमेरिका में निजी क्षेत्र में गहरी दिलचस्पी है।

● राज्यसभा में वोटर लिस्ट के मुद्दे पर हंगामा, रात 10 बजे तक चलेगी लोकसभा

कांग्रेस-टीएमसी का राज्यसभा से वॉकआउट

नई दिल्ली (एजेंसी)। होली के अवकाश के बाद आज फिर से संसद के बजट सत्र की कार्यवाही चल रही है। विपक्ष लगातार वोटर लिस्ट और परिसीमन का मुद्दा उठा रहा है और सदन में इन पर चर्चा की मांग कर रहा है। वहीं सत्ता पक्ष नियमों के तहत चर्चा की बात कर रहा है।

लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही का समय बढ़ा- आज की कार्यसूची पूरी होने तक राज्यसभा का समय बढ़ाया गया है। वहीं लोकसभा के कामकाज का समय रात 10 बजे तक बढ़ाया गया।

कांग्रेस बोली- रेलवे वेंटिलेटर पर, रील बनाने से नहीं सुधरेगा- बजट सत्र के दूसरे फेज का सोमवार को चौथा दिन है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी), कांग्रेस और लेफ्ट पार्टियों के 10 सांसदों ने मांग की कि सदन की दिनभर की कार्यवाही रोकी जाए और डुप्लीकेट वोटर आईडी पर चर्चा हो। राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने इससे इनकार कर दिया। इसके विरोध में कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस ने राज्यसभा से वॉकआउट किया।

लोकसभा में महाराष्ट्र से कांग्रेस सांसद वर्षा गायकवाड़ ने लोकसभा में रेल मंत्री पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जब कोई सार्वजनिक उपक्रम वेंटिलेटर पर हो, तब इंस्टाग्राम रील बनाने से कुछ नहीं होता। यह सरकार के खराब प्रबंधन का असर है।

यात्रियों को किराये में 47 फीसदी की छूट देता है रेलवे: रेल मंत्री- रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राज्यसभा में रेल मंत्रालय के अनुदानों की मांगों पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि रेल से एक यात्री को एक किमी लेकर जाने की लागत है 1.38 रुपये। हम किराया लेते हैं 73 पैसे यानि करीब 47 प्रतिशत का डिस्काउंट।

योगी बोले- पहले के सीएम 12 बजे सोकर उठते थे

सहारनपुर (एजेंसी)। सहारनपुर पहुंचे योगी ने कहा कि पिछली सरकार ने वन डिस्ट्रिक्ट वन माफिया दिया। हमने वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट दिया। हस्तशिल्पी पहले भी थे लेकिन पिछली सरकारों ने उनके लिए कुछ नहीं किया। पब्लिक तरसती रहती थी और उनके गुर्गे प्रदेश को तबाह कर देते थे

सीएम ने अखिलेश यादव का नाम लिए बिना कहा- जब प्रदेश का मुखिया 12 बजे सोकर उठेगा तब तो हो गया। उन्हें तैयार होने में ही 2 बज जाएंगे। पूरा समय इंटरव्यू, पिकनिक और मित्र मंडली के साथ व्यतीत हो जाएगा। योगी आदित्यनाथ 11 बजे सरसावा एयरपोर्ट पहुंचे। फिर हेलिकॉप्टर से पुवांरका स्थित मां शाकंभरी देवी यूनिवर्सिटी के लिए रवाना हुए। यहां यूनिवर्सिटी का निरीक्षण किया और समीक्षा बैठक की। इसके बाद जनमंच प्रेक्षागृह पहुंचे। युवा उद्यमियों को लोन वितरित किया।

'औरंगजेब से ज्यादा क्रूर परशुराम', एमपी कांग्रेस नेत्री की पोस्ट पर भूचाल

अब हाथ जोड़कर मांग रही माफी

जबलपुर (एजेंसी)। सोशल मीडिया में विवादित पोस्ट वायरल करने पर पूर्व महिला कांग्रेस अध्यक्ष ने सार्वजनिक रूप से माफी मांगी है। कांग्रेस की पूर्व महिला नगर अध्यक्ष ने सोशल मीडिया में भगवान परशुराम की तुलना औरंगजेब से करते हुए पोस्ट वायरल की थी। जिसका हिंदूवादी संगठनों ने विरोध किया था। साथ ही पार्टी ने भी नोटिस थमा दिया है। जबलपुर शहर कांग्रेस अध्यक्ष ने रेखा के पोस्ट पर कारण बताओ नोटिस जारी किया है। हालांकि, पार्टी की फटकार के बाद रेखा जैन ने तुरंत यू-टर्न लेते हुए माफी मांग ली और सफाई दी कि फेसबुक पर पोस्ट देखते समय यह गलती से शेयर हो गया था। संज्ञान में आते ही उन्होंने पोस्ट डिलीट भी कर दिया।इधर, अध्यक्ष ने उनका बचाव करते हुए कहा है कि उन्होंने किसी भी तरह की टिप्पणी नहीं की है, बल्कि एक लेखक का लेख था, जिसे उन्होंने शेयर किया था।

पोस्ट में लिखा था- परशुराम जातिगत घृणा के प्रतीक- रविवार को फेसबुक पर कांग्रेस की पूर्व नगर अध्यक्ष रेखा विनोद जैन ने जो पोस्ट साझा किया, उसमें लिखा था- कथाकार मणिका मोहिनी ने एक महत्वपूर्ण बात याद दिलाई है। औरंगजेब ने अपने भाई का सिर काटकर अपने पिता को भेंट किया था, जबकि परशुराम ने अपनी माता का सिर काटकर खुद को भेंट किया था।

प्रोफेसर ने 30 से ज्यादा छात्राओं का यौन-शोषण किया

● मोबाइल में 65 अश्लील वीडियो मिले, एफआईआर दर्ज होने के बाद फरार

हाथरस (एजेंसी)। यूपी के हाथरस में एक डिग्री कॉलेज के प्रोफेसर के मोबाइल से 65 अश्लील वीडियो मिले। पुलिस जांच में पता चला कि ज्यादातर वीडियो कॉलेज की छात्राओं के हैं।
प्रोफेसर ने छात्राओं के कई वीडियो पोर्न साइट पर भी अपलोड कर दिए थे। कहा जा रहा है कि वह 20 साल में 30 से ज्यादा छात्राओं का यौन-शोषण कर चुका है।फिलहाल, आरोपी फरार है। कॉलेज मैनेजमेंट ने उसे सस्पेंड कर दिया है। एसपी ने उसकी गिरफ्तारी के लिए 3 टीमें लगाई हैं। मामला बागला डिग्री कॉलेज (एडेड) का है।
दरअसल, 6 मार्च को एक छात्रा ने महिला आयोग को लेटर लिखा, साथ ही फोटो-वीडियो भी भेजे। शिकायत सामने आने के बाद पुलिस ने इंटरनल जांच शुरू की। 13 मार्च को दरोगा सुनील कुमार ने थाने में खुद शिकायत दर्ज कराई।
इसके बाद मामला सुर्खियों में आ गया। आनन-फानन में डीएम ने जांच के लिए 4 सदस्यीय कमेटी बनाई। आरोपी प्रोफेसर डॉ. रजनीश की उम्र 54 साल है। वह भूगोल पढ़ाता है।

छात्रा का लेटर आया सामने

प्रोफेसर डॉ. रजनीश छात्राओं को झांसा देकर कमरे में बुलाता था। आपको बताना चाहती हूं कि प्रोफेसर रजनीश कुमार कई छात्राओं का यौन-शोषण कर रहा है। वह दरिंदा है। वह छात्राओं के साथ अश्लील हरकतें करता है। वीडियो बनाकर उनका शोषण करता है। मैं एक साल से पीएमओ से लेकर सीएम कार्यालय तक इसकी शिकायत कर रही हूं। लेकिन प्रोफेसर इतना ताकतवर है कि किसी भी शिकायत पर उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई। मोदी सरकार बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का समर्थन करती है, लेकिन फिर भी ऐसे दरिंदे बेखौफ होकर बेटियों के साथ दरिंदगी कर रहे हैं। इस दरिंदे से मैं इतनी परेशान हूं कि कभी-कभी आत्महत्या करने का विचार आता है।
कॉलेज मैनेजमेंट कमेटी के अध्यक्ष और मैनेजमेंट को प्रोफेसर की करतूतों के बारे में बताया। उन्हें सबूत भी सौंपे, लेकिन उन्होंने कोई कार्रवाई नहीं की। जब तक इस दुष्ट पर कोई कार्रवाई नहीं होती, मैं हार नहीं मानूंगी।
ऐसा लगता है कि कॉलेज के प्रधानाचार्य और मैनेजमेंट की शह पर प्रोफेसर कॉलेज की छात्राओं का शोषण कर रहा है। वह भोली-भाली छात्राओं को प्रतियोगिता परीक्षा पास कराने और नौकरी के नाम पर बहलाता-फुसलाता है। फिर उनके साथ गलत काम करता है और वीडियो भी बनाता है।
उसके फोटो-वीडियो मेरे हाथ लगे हैं, जिन्हें मैं प्रमाण के रूप में इस पत्र के साथ भेज रही हूं। अब तक मैंने अलग-अलग नाम शिकायतें की हैं, क्योंकि अगर दरिंदे को मेरे बारे में पता चल गया, तो वह मुझे मरवा देगा।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय

राजनेताओं की जिम्मेदारी !

महाराष्ट्र का नागपुर शहर सोमवार को जिस तरह की हिंसा के दृश्यों का गवाह बना, वह इस बात का खतरनाक संकेत है कि अतीत से जुड़े द्वेषपूर्ण विमर्श देश को किस तरह की त्रासद स्थितियों में झोंक सकते हैं। प्रदेश में मुगल शासक औरंगजेब को लेकर पिछले कई दिनों से दिए जा रहे बयान न केवल गैरजरूरी, बल्कि लोकतांत्रिक, धर्मनिरपेक्ष और शांतिपूर्ण विकास की उस राह में रोड़े खड़े करने वाले हैं, जिस पर आजादी के बाद से देश ने लंबा सफर तय किया है।

कानून-व्यवस्था : इसमें दो राय नहीं नागपुर में हुई घटनाएं पहली नजर में कानून-व्यवस्था से जुड़े तंत्र की नाकामी की ओर इशारा करती हैं। जिस तनावपूर्ण माहौल में दक्षिणपंथी संगठनों ने औरंगजेब की कब्र हटाने की मांग को लेकर प्रदर्शन आयोजित किए, उसने मामले को भड़काने में अहम भूमिका निभाई। ऐसे माहौल में अफवाहों का बाजार गर्म हो ही जाता है। उनसे निपटने की जैसी तैयारी पुलिस और प्रशासन की होनी चाहिए थी, वह जाहिर तौर पर नहीं थी।

राजनीति की गैरजिम्मेदारी : यह सही है कि शांति व्यवस्था कायम रखने की जिम्मेदारी पुलिस-प्रशासन की होती है, लेकिन राजनीति उससे पूरी तरह पल्ला नहीं झाड़ सकती। ऐसा नहीं हो सकता कि आप आग लगाने वाले बयान जारी करते रहें और आग लगने के बाद सारा दोष प्रशासन के मत्थे मढ़ दें। मौजूदा मामले में सत्ता पक्ष और विपक्ष के नेता समझदारी और संवेदनशीलता का परिचय नहीं दे सके। वहीं, अतीत के सवालों को जिस आक्रामक तरीके से उठाया जा रहा है, उससे ऐसा लगता है कि इतिहास की कब्र में दफन मुर्दे उखाड़ना आज की राजनीति के लिए मौजूदा चुनौतियों से निपटने से ज्यादा जरूरी हो गया है। दरअसल, ऐतिहासिक प्रतीकों पर सरकारों को अपने संवैधानिक दायित्व का निर्वाह करना होगा। इस बात की परवाह किए बगैर कि उससे उनकी सियासत पर क्या असर होता है। यह बात भी याद रखनी चाहिए कि हिंसा-अस्थिरता के माहौल में निवेशक पीछे हट जाते हैं, जिससे विकास गतिविधियों पर बुरा असर पड़ता है।

राजनीतिक दलों को वक्त रहते इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए कि उनके तौर-तरीके देश और समाज को किस तरफ ले जा रहे हैं। वोट हासिल करना उनके अस्तित्व की सार्थकता का सिर्फ एक पहलू है। उन्हें जनकल्याण की ज्यादा बड़ी कसौटियों पर भी खुद को और अपनी नीतियों को कसना है।

iPhone यूजर्स से ज्यादा किराया वसूलने का मामला: क्या कंपनियां उपभोक्ताओं के साथ भेदभाव कर रही हैं ?

तकनीक के बढ़ते प्रभाव ने हमारी रोजमर्रा की जिंदगी को जितना सरल बनाया है, उतना ही डायनमिक प्राइसिंग और डेटा विश्लेषण के जरिए भेदभाव को भी जन्म दिया है। हाल ही में iPhone और एंड्रॉयड यूजर्स से अलग-अलग किराया वसूलने का मामला सामने आया।

यह सिर्फ कैब सेवाओं तक ही सीमित नहीं, बल्कि ऑनलाइन शॉपिंग और डिजिटल सब्सक्रिप्शन में भी देखा गया है। ओला-उबर जैसी कंपनियों पर अब सरकार की नजरें टेढ़ी हो गई हैं, क्योंकि उपभोक्ताओं को यह जानने का पूरा अधिकार है कि उनके साथ ऐसा भेदभाव क्यों किया जा रहा है।

क्या सच में iPhone यूजर्स से ज्यादा किराया लिया जा रहा है?

हाल ही में LinkedIn यूजर निराली पारेख और X (ट्विटर) यूजर सुधीर ने यह दावा किया कि कैब कंपनियां iPhone यूजर्स से अधिक किराया वसूल रही हैं। उन्होंने सबूत के तौर पर स्क्रीनशॉट भी साझा किए। इन पोस्ट्स पर हजारों लोगों की प्रतिक्रियाएं आईं, जिनमें से कई लोगों ने ऐसा अनुभव होने की पुष्टि की।

इससे पहले Zepto और Flipkart जैसी कंपनियों पर भी एंड्रॉयड और iPhone यूजर्स के लिए अलग-अलग कीमतें दिखाने का आरोप लगा था। उदाहरण के तौर पर:

मोकोबारा ब्रांड का एक सूटकेस एंड्रॉयड पर ₹4,119 और iPhone पर ₹4,799 में लिस्टेड था।

Zepto पर अंगूर की कीमत एंड्रॉयड पर ₹65, जबकि iPhone पर ₹146 थी।

अब सवाल यह उठता है कि आखिर कंपनियां यह भेदभाव कर कैसे रही हैं और इसका क्या आधार है?

कैसे होती है डायनमिक प्राइसिंग?

तकनीकी विशेषज्ञों के मुताबिक, कंपनियां मशीन लर्निंग और डायनमिक प्राइसिंग एल्गोरिदम का इस्तेमाल करती हैं।

यह एल्गोरिदम विभिन्न फैक्टर्स के आधार पर कीमत तय करता है, जिनमें शामिल हैं:

यूजर का फोन मॉडल और ऑपरेटिंग सिस्टम – कंपनियां iPhone यूजर्स को ज्यादा खर्च करने में सक्षम ग्राहक मानती हैं।

डिमांड और सप्लाई – अगर किसी खास समय पर ज्यादा लोग कैब बुक कर रहे हैं, तो कीमतें बढ़ जाती हैं।

लोकेशन और ट्रैफिक डेटा – अलग-अलग इलाकों में किराए का अंतर हो सकता है।

यूजर का खर्च करने का पैटर्न – अगर कोई ग्राहक बार-बार कैब बुक करता है, तो सिस्टम उसे 'हाई-वैल्यू' यूजर मान सकता है।

तकनीकी विशेषज्ञ सी अंबिगापथी के अनुसार,

"यह कंपनियों के लिए बच्चों के खेल जैसा है। वे डायनमिक प्राइसिंग एल्गोरिदम के नाम पर आसानी से कीमतें बदल सकती हैं।"

हालांकि, यह एल्गोरिदम यदि उपभोक्ताओं के साथ जानबूझकर भेदभाव कर रहा है, तो यह एक गंभीर मुद्दा बन सकता है।

सरकार ने ओला-उबर से जवाब मांगा, आगे क्या होगा?

उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी ने 23 जनवरी को बताया कि CCPA (सेंट्रल कंज्यूमर प्रोटेक्शन अथॉरिटी) ने ओला और उबर को नोटिस जारी किया है। उन्हें अपनी प्राइसिंग पॉलिसी और iPhone-एंड्रॉयड में किराए के अंतर की वजह स्पष्ट करनी होगी।

अगर कंपनियां दोषी पाई जाती हैं, तो उन्हें तीन तरह की सजा मिल सकती है:

भारी जुर्माना लगाया जा सकता है।

एक समान किराया नीति लागू करने के आदेश दिए जा सकते हैं।

यदि बड़ा घोटाला पाया गया, तो उनकी सेवाओं पर अस्थायी रोक लग सकती है।

इसके अलावा, कस्टमर्स कंज्यूमर फोरम में जाकर हर्जाने की मांग भी कर सकते हैं।

क्या यह उपभोक्ताओं के साथ धोखा है?

यदि कंपनियां जानबूझकर iPhone यूजर्स को 'अमीर' मानकर ज्यादा पैसे वसूल रही हैं, तो यह उपभोक्ता अधिकारों का सीधा उल्लंघन है। हर ग्राहक को समान सेवा और समान कीमत मिलने का अधिकार है।

अब सवाल यह है कि:

-क्या यह तकनीकी गड़बड़ी है या जानबूझकर किया गया भेदभाव?

-क्या सरकार इस पर कोई ठोस कदम उठाएगी, या फिर यह मामला ठंडे बस्ते में चला जाएगा?

-यदि कंपनियां उपभोक्ताओं की जानकारी के बिना अलग-अलग कीमत वसूल रही हैं, तो क्या यह **'डिजिटल भेदभाव' नहीं है?**

अब सरकार की जांच के नतीजे और आगे की कार्रवाई पर सबकी नजरें टिकी रहेंगी।

विमर्श

राधा रमण

राजनीति में अपराधीकरण पर रोक लगे

वैसे तो देश की राजनीति में 1957 के चुनाव में ही बूथ कैप्चरिंग की पहली वारदात बिहार के मुंगेर जिला (अब बेगुसराय जिला) के मटिहानी विधानसभा चुनाव में हो गई थी। उस समय दबंगों ने जबरदस्ती बूथ पर कब्जा कर अपने पक्ष में लोगों के वोट डलवा लिए थे। हालांकि उस काले अध्याय की चर्चा आज तक होती है। बाद के दिनों में बूथ कैप्चरिंग की वारदातें लगातार बढ़ती गईं। राजनीति जिसकी लाठी, उसकी भैंस सरीखी हो गई। राजनीति में अपराधियों के पदार्पण की मूल वजह भी यही है। वरना आजादी के बाद की राजनीति इतनी खराब नहीं थी। सियासत के क्षेत्र में अच्छे लोग सक्रिय थे जो समाज का भला-बुरा सोचते थे। किसान नेता, पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह अक्सर कहा करते थे कि बेटी की शादी अगर गलत घर में हो जाए तो परिवार बर्बाद हो जाता है, लेकिन वोट अगर गलत व्यक्ति को मिल जाता है तो समाज खराब हो जाता है। क्या आज की राजनीति को आप अच्छी और आज के समाज को आप अच्छा समाज कहना चाहेंगे? पिछले करीब चार दशक से राजनीति के अपराधीकरण को लेकर सभी दलों के नेता हो-हल्ला मचाते रहे हैं। संसद और विभिन्न राज्यों की विधानसभाओं में भे यह मसला सिर चढ़कर बोलता रहा है। लेकिन सही बात तो यह है कि नेता खुद भी नहीं चाहते कि राजनीति साफ-सुथरी हो। राजनीति को समाज सेवा का दर्जा दिया गया है लेकिन आजादी के बाद से हमारे समाज सेवकों की सम्पत्ति में अकूत वृद्धि हुई है। अगर, मेरी बात पर भरोसा न हो तो सरकार किसी न्यायिक आयोग से सभी नेताओं की जो किसी सदन के सदस्य रहे हों, उनकी सम्पत्ति की जांच क्यों नहीं करा लेती। दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। एक बार विधायक या सांसद क्या बन गए, नेताओं की सम्पत्ति रॉकेट की रफ्तार से बढ़ जाती है। मंत्रियों का तो कहना ही क्या! हद तो यह कि समाज सेवा के नाम पर उन्हें टैक्स में छूट भी मिलती है। और तो और, सांसद-विधायक जब चाहते हैं अपनी तनख्वाह में मनमानी वृद्धि कर लेते हैं। आज तक इस मामले में किसी सदन में कभी विरोध की बात नहीं देखी-सुनी गई। गजब तो यह कि यदि कोई व्यक्ति लोकसभा, राज्यसभा, विधानसभा और विधान परिषद् चारों सदनों का सदस्य रहा हो तो किसी सदन की सदस्यता नहीं रहने पर वह चारों सदनों के एक साथ पेंशन का हकदार हो जाता है। जबकि निजी सेक्टर में काम करने वाले और जीवन खपाने वाले लोग बुढ़ापे में पाई-पाई के मोहताज हो जाते हैं। आज भी लालू प्रसाद और आनन्द मोहन जैसे न जाने कितने लोग सजायाफ्ता होने के बावजूद प्रतिमाह लाखों रुपये पेंशन के ले रहे हैं। मुझे कहने दीजिए कि इस मामले में राजनीतिक दलों में गजब की एकता है -'हमाम में सभी नंगे हैं' की उक्ति चरितार्थ होती है। हाल ही में सजायाफ्ता सांसदों-विधायकों समेत अन्य नेताओं के चुनाव लड़ने पर आजीवन प्रतिबंध लगाने संबंधी जनहित याचिका पर केन्द्र सरकार द्वारा दिया गया हलफनामा गौर करने लायक है। याचिका भारतीय जनता पार्टी के सक्रिय सदस्य वरिष्ठ अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की थी। इस पर सरकार का कहना है कि 'याचिका में जो अनुरोध किया गया है वह संविधान को फिर से लिखने या संसद को एक विशेष तरीके से क़ानून बनाने का आदेश देने के समान है, जो न्यायिक समीक्षा संबंधी उच्चतम न्यायालय की शक्तियों से पूरी तरह परे है। इस तरह की योग्यता तय करना केवल संसद के अधिकार क्षेत्र में आता है।'सरकार द्वारा शीर्ष अदालत में दाखिल हलफनामे में कहा गया है कि आजीवन प्रतिबंध लगाना उपयुक्त होगा या नहीं, यह पूरी तरह संसद के अधिकार क्षेत्र में आता है। दंड के क्रियान्वयन को एक उपयुक्त समय तक सीमित कर, रोकथाम सुनिश्चित की गई है और अनावश्यक कठोर कार्रवाई से बचा गया है। सरकार ने कहा कि यह क़ानून का स्थापित सिद्धांत है कि दंड या तो समय या मात्रा के अनुसार निर्धारित होते हैं। सरकार ने अपने हलफनामे में कहा कि 'अदालत ने निरंतर यह कहा है कि एक विकल्प या दूसरे पर विधायी विकल्प की प्रभावकारिता को लेकर अदालतों में सवाल नहीं उठाया जा सकता।' जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 8 (1) के तहत, अयोग्यता की अवधि दोषसिद्धि की तारिख से छह साल या कारावास के मामले में रिहाई की तारीख से छह साल तक है। जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 11 के तहत चुनाव आयोग के पास ताकत है कि वह किसी मामले में इस अवधि को कम या पूरी तरह हटा सकता है। धारा 8 कहती है कि किसी विधायक या सांसद को दो साल या उससे अधिक की सजा होती है तो वह सजा पूरी करने के बाद छह साल तक चुनाव नहीं लड़ सकता है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

ईश्वर अनायास ही करते हैं हमारा कल्याण

संकलित

दर्शन

मनुष्य जब कुछ चाहता है, तो उसे अभाव का अनुभव होता है; परंतु उस अभाव की पूर्ति किस वस्तु से होगी, वह इसे नहीं जानता। बस, उसे विश्वास होता है कि जिस वस्तु से मेरे अभाव की पूर्ति होगी, उसको भगवान जानते हैं और इसलिए वह उस अज्ञात वस्तु के लिए भगवान पर निर्भर करता है। जैसे छोटा शिशु बिस्तर पर पड़ा रोता है, उसे कोई कष्ट है- जाड़ा लग रहा है, मच्छर काट रहे हैं या और कोई पीड़ा है। वह यह नहीं जानता कि किस वस्तु की प्राप्ति होने पर मेरा संकट दूर होगा- वह केवल मां को जानता है और रोकर मां को बुलाता है। मां आकर स्वयं पता लगाती है कि बच्चा क्यों रो रहा है और पता लगाकर स्वयं उसके कष्ट निवारण का उपाय करती है। इसी प्रकार इस अवस्था में भक्त अपने लिए उपयोगी अज्ञात फल के लिए भगवान पर निर्भर करता है और उन्हीं की कृपा से कल्याणकारी फल को प्राप्त करके संतुष्ट होता है। इसमें फलरूप वस्तु का निर्णय भगवान करते हैं, इस दृष्टि से निर्भरता का यह स्तर ऊंचा होने पर भी सकाम भाव होने के कारण यह भी वस्तुत आंशिक ही है। इसके बाद उन भक्तों की बात है, जो केवल भगवान को ही प्राप्त करना चाहते हैं और उसके लिए भगवान पर ही निर्भर करते हैं। इनके लिए भी बिल्ली के बच्चे और छोटे शिशु के उदाहरण दे सकते हैं। ये केवल चिंतन परायण रहते हैं, उसका फल भगवान की प्राप्ति कब होगी, क्यों कर होगी? इस बात को भगवान पर ही छोड़ देते हैं, और वास्तव में यों सब कुछ भगवान पर छोड़ने वाले बड़े लाभ में ही रहते हैं।

अच्छी बातों से मिलता है लाभ

संकलित

प्रेरणा

महात्मा बुद्ध का प्रवचन सुनने एक युवक प्रतिदिन आता था। कई दिनों तक प्रवचन सुनने के बाद युवक को लगा कि वह लगातार प्रवचन सुनने आ रहा है लेकिन इसके बावजूद उसके जीवन में कोई परिवर्तन नहीं आ रहा है। जैसा वह पहले था, वैसा ही वह अब है। इसका क्या कारण है। बहुत सोचने के बाद वह इस नतीजे पर पहुंचा कि उसे इस संबंध में बुद्ध से चर्चा करनी चाहिए। यह सब सोचकर वह युवक अगले दिन बुद्ध के पास गया और अपनी शंका के बारे में बताते हुए कहा कि वह रोज उनके प्रवचन सुनने आता है लेकिन इसके बावजूद उसके जीवन में कोई परिवर्तन नहीं आया है। आखिर इसका क्या कारण है कि उसे उनके प्रवचनों को कोई लाभ क्यों नहीं मिल रहा है। तथागत उस युवक की बात बहुत शांत भाव से सुनते रहे। जब वह युवक अपनी बात कह कर चुप हुआ तो बुद्ध कुछ क्षण मौन रहे। फिर उन्होंने मुस्कराते हुए उस युवक से पूछा कि वह कहां रहता है? युवक ने कहा कि वह श्रावस्ती रहता है। उसका जवाब सुनकर तथागत ने फिर पूछा कि वह यहां आता कैसे है? युवक ने कहा कि वह कभी पैदल आता है तो कभी उसे किसी सवारी का साधन मिल जाता है, जिसके सहारे वह यहां तक पहुंच जाता है। बुद्ध ने फिर उस युवक से पूछा कि वह यहां से अपने घर जाता कैसे है? युवक ने बुद्ध से कहा कि जैसे वह यहां आता है, उसी प्रकार वह यहां से जाता है। बुद्ध ने मुस्कराते हुए उस युवक से पूछा कि क्या वह यहां बैठे-बैठे अपने घर नहीं जा सकता?

अंतर्मन

आज की पाती

नालियां जाम, मच्छर बढ़े

सेजबहार हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में सफाई व्यवस्था चरमा गई है। छोड़ी सी कालोनी और समस्याएं ढेर सारी हैं। समिति के जिम्मे साफ-सफाई और मेंटेनेंस का जिम्मा है। पहले हाउसिंग बोर्ड के जिम्मे होता था, तो महीने में हर गली की सफाई हो जाती है। अब शुल्क लेने के बाद भी साल में एक या दो बार गालियों की सफाई होती है। ऐसे में गालियां जाम हैं और पानी का जमाव होने से मच्छरों का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। जब तक कोई शिकायत न हो, लोग हाथ पर हाथ धरे बैठे रहते हैं।

- राजेंद्र कुमार, सेजबहार

ट्रेंड

दिल्ली का विकास

हमारा एक ही लक्ष्य है- दिल्ली की प्रगति, समृद्धि और विकास। इस सदन का उपयोग करते हुए हम पक्ष-विपक्ष को साथ लेकर चलेंगे। सभी का सहयोग लेते हुए सकारात्मक माहौल में चर्चा करेंगे और दिल्ली का विकास व प्रगति सुनिश्चित करेंगे।

-रेखा गुप्ता, सीएम, दिल्ली

अराजक तत्वों पर कार्रवाई

महाराष्ट्र में किसी की भी कब्र व मजार आदि को क्षति पहुंचाना ठीक नहीं, क्योंकि इससे आपसी भाईचारा, शांति और सौहार्द आदि बिगड़ रहा है। सरकार ऐसे मामलों में खासकर नागपुर के अराजक तत्वों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करे वरना हालात काफी बिगड़ सकते हैं, जो ठीक नहीं।

-मायावती, पूर्व सीएम, उप्र

ओबीसी आरक्षण बढ़ाया

कांग्रेस सरकार ने तेलंगाना में ओबीसी आरक्षण बढ़ाने का वादा पूरा कर दिया है। सामाजिक न्याय की दिशा में यह वाकई एक क्रांतिकारी कदम है। तेलंगाना ने रास्ता दिखा दिया है, यही पूरे देश की जरूरत है।

-राहुल गांधी, कांग्रेस सांसद

अडोलसीन्स सीरीज

नेटफलिक्स की अडोलसीन्स एक ऐसी सीरीज है जो वास्तव में महान हो सकती है। यह आपको पात्रों के दिमाग में गहराई से डुबो देती है और आपको खुद पर चिंतन करने का मौका देती है।

-शेखर कपूर, फिल्मकार

करंट अफेयर

यूरोप में 1997 के बाद से खसरे का सबसे बुरा प्रकोप

विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक नयी रिपोर्ट के अनुसार, 1997 के बाद से यूरोप में खसरे के मामलों की संख्या सबसे अधिक है। साल 2024 में 127,350 मामले थे – जो 2023 की तुलना में लगभग दोगुना है। यूरोप के लिए डब्ल्यूएचओ के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. हंस हेनरी पी. क्लुगे ने कहा, /"खसरा वापस आ गया है और यह एक चेतावनी है। उच्च टीकाकरण दरों के बिना, कोई स्वास्थ्य सुरक्षा नहीं है। पिछले साल खसरे से 38 मौतें हुई थीं। इसका संक्रमण कोविड की तरह ही फैलता है। इसके संक्रमण के कारण हल्के मामलों में शरीर पर दाने आते हैं और बुखार होता है, जबकि गंभीर मामलों में इन्सेफलाइटिस (मस्तिष्क की सूजन), निमोनिया और अंधापन होता है। अस्पताल में भर्ती होने और मृत्यु की आशंका मुख्य रूप से उन लोगों में होती है, जिन्होंने टीके नहीं लिये हैं, तथा विकसित देशों में खसरे के मामलों में मृत्यु दर लगभग 1,000 में से एक से लेकर 5,000 में से एक तक होती है। खसरे से संक्रमित प्रत्येक व्यक्ति औसतन 12 से 18 अन्य लोगों में वायरस फैला सकता है। यह कोविड से ज्यादा संक्रामक है। उदाहरण के लिए, कोविड के ओमिक्रॉन वैरिएंट से संक्रमित व्यक्ति वायरस को लगभग आठ अन्य लोगों में फैला सकता है।

ऑफ बीट

मातृ मृत्यु दर 33 अंक घटकर 2018-20 में 97 हो गई

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने राज्यसभा को बताया कि भारत ने 2020 तक मातृ मृत्यु अनुपात को घटाकर, प्रति लाख जीवित जन्म पर 100 करने का राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 का लक्ष्य हासिल कर लिया है और 2030 तक इसे 70 करने के एसडीजी लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में अग्रसर है। उच्च सदन को एक प्रश्न के उत्तर में नड्डा ने बताया कि भारत के महा पंजीयक (आरजीआई) द्वारा जारी नमूना पंजीकरण प्रणाली के अनुसार, देश का वर्तमान मातृ मृत्यु अनुपात प्रति लाख जीवित जन्म पर 97 है। उन्होंने कहा कि एमएमआर 2014-16 में 130 था जो 2018-20 में 97 हो गया। इस प्रकार एमएमआर में 33 अंकों की उल्लेखनीय गिरावट आई है। नड्डा ने कहा, भारत ने 2020 तक राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 के,प्रति लाख जीवित जन्मों पर 100 एमएमआर का लक्ष्य हासिल कर लिया है और 2030 तक एमएमआर प्रति लाख जीवित जन्मों पर 70 का एसडीजी लक्ष्य हासिल करने की दिशा में अग्रसर है। उन्होंने कहा कि भारत में एमएमआर में 83 प्रतिशत की गिरावट आई है, जबकि वैश्विक स्तर पर इसमें 42 प्रतिशत की कमी आई है। इसी तरह, भारत में पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु दर (यू5एमआर) में 75 प्रतिशत की कमी आई है।

रमज़ान में जयपुर की गली-गली गुलज़ार

- रामगंज और घाटगेट बाज़ार बने विभिन्न खाने के शौकीनों की जन्नत
- रमजानों में जयपुर के व्यापारियों की बढ़ी कमाई

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजधानी जयपुर इन दिनों रमज़ान के मुक़द्दस महीने की रौनक से सराबोर है। इस पाक महीने में शहर के पुराने इलाके—रामगंज, घाटगेट, बाबू का टीबा और चांदपोल—खाने की महक, मस्जिदों की रौनक और बाज़ारों की चहल-पहल से गुलज़ार हो उठे हैं। सुबह की सहरी से लेकर शाम की इफ्तारी तक, जयपुर की तंग गलियाँ और चौड़े बाज़ार एक अलग ही आलम में डूबे नज़र आते हैं। यहाँ का भाईचारा, ज़ायकेदार खाना और त्यौहार का माहौल न सिर्फ़ स्थानीय लोगों को बल्कि दूर-दूर से आने वाले सैलानियों को भी अपनी ओर खींच रहा है।

पूरे शहर को लुभा रहा पुराने शहर के खाने का जादू :

रमज़ान का महीना आते ही परकोटे के रामगंज बाज़ार और घाटगेट बाजार खाने के शौकीनों के लिए किसी जन्नत से कम नहीं लगते। यहाँ की हवा में बिरयानी, निहारी, हलीम, कबाब और शीरमाल की खुशबू फैल जाती है। गलियों में लगे स्टॉल्स और मशहूर हॉटलों पर इफ्तार के वक़्त लोगों की लंबी क़तारें देखने को मिलती हैं। होटल एम.एम. खान, जो 40 साल से जयपुर की शान बना हुआ है, जयपुर वालों का सबसे पुराना और मशहूर ठिकाना है। यहाँ का चिकन चंगेज़ी और मटन निहारी और हलीम लोगों की ज़ुबान पर चढ़ा हुआ है। वहीं अली चिकन सेंटर का चिकन टिक्का और बोटी कबाब भी रोज़ेदारों को खूब लुभाते हैं। इसके अलावा होटल गरीब नवाज़, मदीना होटल, काबुल चिकन सज्जी, होटल मोहम्मदी, मौलाना हलवाई के खाने विभिन्न जायकों की खुशबु बिखेर रहे हैं। स्थानीय निवासी मोहम्मद अतीक बताते है कि रमज़ान में यहाँ का माहौल ही बदल जाता है। लोग अपने घरवालों, दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ इफ्तार और सहरी का मज़ा लेने आते हैं यहाँ रातभर गलियाँ गुलज़ार रहती हैं। आबिद अब्बासी के मुताबिक इफ्तार की थाली में खजूर का होना लाज़िमी है। इसके साथ शरबत, फल और गरमा-गरम पकवान इफ्तारी को और लज़ीज़ बनाते हैं। रमज़ान में जयपुर की गलियों में ईरानी शीरमाल रोटी की महक भी फैल जाती है। दूध, मेवे और केसर से बनी ये रोटी इतनी लज़ीज़ होती है कि इसे बिना सालन के भी खाया जा सकता है। रामगंज और घाटगेट की दुकानों पर शीरमाल की भारी डिमांड रहती है। इसके अलावा, मिठाइयों में मैंगो रबड़ी और गुलाब जामुन भी लोगों को खूब पसंद आ रहे हैं। मौलाना हलवाई जैसी 90 साल पुरानी दुकानें इस मौके पर ख़ास मिठाइयाँ तैयार करती हैं।

बाबू का टीबा बना बिरयानी का गढ़

जयपुर में रमज़ान की सबसे ज़्यादा रौनक बाबू का टीबा में देखने को मिल रही है। ये इलाका अपनी बिरयानी और हलीम के लिए मशहूर है। इस एरिया में एक दर्जन से अधिक बिरयानी की दुकाने है। बाबू का टीबा अब बिरयानी के टीबे के नाम से मशहूर हो रहा है। एक अनुमान के मुताबिक बाबू के टीबे में एक दिन में 100 से ज्यादा बिरयानी के देग बेचे जाते हैं। बिरयानी खाने के लिए नौजवानों की भीड़ लगी रहती है। जो शहर के अलग-अलग क्षेत्रो से यहां बिरयानी खाने आते हैं। यहाँ की तंग गलियों में रातभर दुकानें खुली रहती हैं और लोग सहरी से लेकर इफ्तार तक यहाँ का स्वाद चखने आते हैं। अमजद की बिरयानी और अलीजा बिरयानी यहाँ की पहचान बन चुकी हैं। एक देग में सैकड़ों लोगों के लिए बिरयानी तैयार होती है और रात 2 बजे तक ग्राहकों की भीड़ लगी रहती है। स्थानीय व्यापारी एवं लब्बैक फेशन के आकिब खान कहते हैं बाबू का टीबा का हलीम और बिरयानी का स्वाद पूरे जयपुर में मशहूर है। रमज़ान में यहाँ का नज़ारा देखने लायक होता है।

सहरी और इफ्तार का ख़ास इंतज़ाम

सहरी का वक़्त सुबह तड़के 3-4 बजे तक होता है, जब लोग नमाज़ के बाद हल्का और पौष्टिक नाश्ता करते हैं। बाबू का टीबा और रामगंज में चाय, पराठे और बिरयानी की दुकानें इस दौरान खुली रहती हैं। वहीं, शाम को

इफ्तार का वक़्त आते ही बाज़ारों में रौनक छा जाती है। खजूर, पानी और शरबत के साथ रोज़ा खोलने के बाद लोग गरमा-गरम पकवानों का मज़ा लेते हैं। यहाँ के लोग कहते हैं कि इफ्तार सिर्फ़ भूख मिटाने का ज़रिया नहीं, बल्कि अपनों के साथ वक़्त बिताने का एक ख़ूबसूरत मौक़ा है। रमजान में सूखे मेवों की माँग भी इस दौरान आसमान छू रही है। बादाम, पिस्ता, काजू और खजूर की दुकानों पर भीड़ लगी रहती है। खजूर की कीमत 80 रुपये से लेकर 1500 रुपये प्रति किलो तक है, और सऊदी अरब, ईरान और यूएई से आए खजूर ख़ास तौर पर पसंद किए जा रहे हैं।

बाज़ारों में शॉपिंग का जोश और ईद की तैयारी

रमज़ान का महीना सिर्फ़ रोज़े और इबादत का ही नहीं, बल्कि ईद की तैयारियों का भी होता है। जयपुर के बाज़ारों में शॉपिंग की धूम मची है। बापू बाज़ार, जौहरी बाज़ार, रामगंज, और चांदपोल में चूड़ियाँ, जूतियाँ, कपड़े और गहनों की खरीदारी ज़ोरों पर है। महिलाएँ ईद के लिए जरी वाले कपड़े, लाख की चूड़ियाँ और रंग-बिरंगे परिधान खरीद रही हैं। दुकानदारों का कहना है कि इस महीने में उनकी बिक्री 30-40% तक बढ़ जाती है। रामगंज की सड़कों पर लगे स्टॉल्स पर ईद स्पेशल कपड़े और जूतियाँ लोगों को खूब पसंद आ रहे हैं। रमज़ान के महीने में जयपुर के होटल, ढाबे और स्ट्रीट वेंडर्स का कारोबार 50% तक बढ़ जाता है। छोटे दुकानदार रोज़ाना 10-15 हज़ार रुपये तक की कमाई कर रहे हैं। पुराने शहर के बाज़ारों में हर दिन 10-15 लाख रुपये का टर्नओवर हो रहा है।

गुलाबी नगरी की अनोखी पहचान

जयपुर की ये रमज़ान की रौनक न सिर्फ़ रोज़ेदारों के लिए, बल्कि पर्यटकों और खाने के शौकीनों के लिए भी ख़ास है। यहाँ का लज़ीज़ खाना, रंग-बिरंगे बाज़ार और आपसी मोहब्बत गुलाबी नगरी को दुनिया भर में मशहूर कर रहे हैं। चाहे आप यहाँ के बिरयानी के दीवाने हों या शीरमाल के शौकीन, जयपुर का रमज़ान हर किसी के लिए कुछ न कुछ ख़ास लेकर आता है। रमजान जयपुर में सिर्फ इबादत का महीना नहीं होता, बल्कि यह एक ऐसा समय होता है जब पूरा शहर एक अलग ही रौनक में डूब जाता है। मस्जिदों की रूहानी फिजा, बाजारों की हलचल, और जायकों का मजा – यह सब मिलकर रमजान को एक यादगार अनुभव बना देते हैं।

मौसमी बीमारियों एवं लू-तापघात को लेकर व्यापक स्तर पर तैयारियां शुरू

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने गर्मी के मौसम के दृष्टिगत लू-तापघात एवं मौसमी बीमारियों को लेकर व्यापक स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी है। सभी जिलों में पुख्ता प्रबंध सुनिश्चित किए जा रहे हैं। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने मंगलवार को स्वास्थ्य भवन में आयोजित बैठक में वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से जिलावार लू-तापघात एवं मौसमी बीमारियों सहित अन्य विषयों पर विस्तार से समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि गर्मी के मौसम को देखते हुए विभागीय अधिकारी मौसमी बीमारियों एवं लू-तापघात को लेकर सभी प्रकार की तैयारियां समय पर सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सभी जिलों में कंट्रोल रूम स्थापित किए जाएं। जरूरी उपकरणों, ऑक्सीजन प्लांट, जांच मशीनों इत्यादि की क्रियाशीलता को जांच कर आवश्कतानुसार मेंटीनेंस करवाया जाए। उन्होंने प्रत्येक चिकित्सा संस्थान में जांच-उपचार के माकूल इंतजाम के साथ ही आवश्यक दवाओं की समुचित उपलब्धता पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी जिले में दवाओं की आपूर्ति में कोई कमी नहीं रहे।

चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल स्टाफ की कमी नहीं रहे—

राठौड़ ने सभी चिकित्सा संस्थानों में चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ एवं पैरामेडिकल स्टाफ की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यदि किसी चिकित्सा संस्थान में चिकित्सक की कमी है तो संविदा आधार पर या सेवा निवृत्त कार्मिकों की सेवाएं नियमानुसार ली जाए। साथ ही पैरामेडिकल स्टाफ की आवश्यकता होने पर आवश्यकता अनुसार संबंधित जिला कलक्टर से अनुमोदन प्राप्त कर स्थानीय स्तर पर नियमानुसार व्यवस्था करें। यदि कोई उपकरण खराब हो तो तत्काल ई-उपकरण के माध्यम से शिकायत दर्ज करवाते हुए समाधान सुनिश्चित कराएं।

चिकित्सा संस्थानों में ओआरएस कॉर्नर स्थापित करें—

प्रमुख शासन सचिव ने सभी चिकित्सा संस्थानों में ओआरएस कॉर्नर स्थापित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अस्पतालों में छाया-पानी की समुचित व्यवस्था हो। अस्पतालों में वाटर कूलर, पंखें, कूलर, एसी आदि की आवश्यकतानुसार खरीद की जाए तथा खराब संसाधनों की आवश्यकता अनुसार मेंटीनेंस करवाई जाए। उन्होंने कहा कि विभाग की ओर से नियुक्त किए गए संविदा एएनएम का ओरियेंटेशन करते हुए आवश्यकता अनुसार उन्हें नियोजित किया जाए। उन्होंने कहा कि जल्द ही फार्मासिस्ट की नियुक्ति भी कर दी जाएगी।

आवंटित बजट का हो शत—प्रतिशत उपयोग—

मिशन निदेशक एनएचएम भारती दीक्षित ने सभी जिलों में एनएचएम के तहत संपादित की जा रही गतिविधियों की विस्तार से समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सभी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को जिले में उपलब्ध बजट की समीक्षा कर शत्-प्रतिशत उपयोग करने के निर्देश दिए।

स्थानीय निकायों के साथ समन्वय स्थापित करें—

निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश शर्मा ने कहा कि मौसमी बीमारियों पर नियंत्रण के लिए स्थानीय निकायों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए आवश्यकता अनुसार फॉगिंग, एंटी लार्वा, सोर्स रिडक्शन एवं अन्य रोकथाम गतिविधियां आयोजित की जाएं। साथ ही आमजन को जागरूक करने के लिए व्यापक स्तर प्रचार-प्रसार किया जाए। बैठक में टीबी मुक्त भारत कार्यक्रम तथा सिलिकोसिस कार्यक्रम की भी समीक्षा की गई।

इस अवसर पर निदेशक आईईसी टी.शुभमंगला, निदेशक आरसीएच डॉ. सुनीत सिंह राणावत सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पहचान पोर्टल "20 व 21" मार्च को बंद रहेगा

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव विनेश सिंघवी ने बताया कि आमजन की सुविधा के लिए राज्य में जन्म-मृत्यु एवं विवाह पंजीयन का कार्य ऑनलाईन वेबपोर्टल 'पहचान' के माध्यम से सरलता व सुगमता से सम्पादित किया जा रहा है एवं कम्प्यूट्रीकृत और ई-साईन युक्त जन्म, मृत्यु एवं विवाह प्रमाण पत्र जारी किये जा रहे है।

उन्होंने बताया कि वर्तमान में 'पहचान' पोर्टल पर जन्म, मृत्यु एवं विवाह पंजीयन से संबंधित लगभग 3.50 करोड़ डाटा संग्रहीत हो चुका है और भविष्य में यह डाटा ओर अधिक बढ़ेगा। इस स्थिति के मध्यनजर पहचान पोर्टल को भामाशाह स्टेट डाटा सेंटर (BSDC) पर माइग्रेशन किया जा रहा है ताकि पंजीयन का कार्य सुचारू रूप से सम्पादित होता रहे। उक्त कार्य की क्रियान्विति हेतु दिनांक 20.03.2025 एवं 21.03.2025 (दो दिवस) को पहचान पोर्टल से जन्म, मृत्यु एवं विवाह पंजीयन से संबंधित समस्त कार्य बंद रहेंगे एवं प्रमाण पत्र जारी नहीं किये जा सकेंगे।

एस्केड योजना के अंतर्गत आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। पशुपालन विभाग द्वारा पशु चिकित्सा अधिकारियों को जहर से पशुओं की मौत और जहर के फॉरेंसिक पहलुओं के साथ—साथ डीएनए फिंगर प्रिंटिंग और पशुपालन मामलों के बारे में जानकारी देने के उद्देश्य से आयोजित दो दिवसीय पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम मंगलवार को संपन्न हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रदेश के 100 पशु चिकित्सकों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के आयोजन में राज्य फॉरेंसिक विज्ञान संस्थान तथा वन विभाग की भी सहभागिता रही। भारत सरकार की असिस्टेंस टू स्टेट्स फॉर कंट्रोल ऑफ एनिमल डिजीज (एस्केड) योजना के अंतर्गत आयोजित दो दिवसीय इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के चार बैचों में कुल 400 पशु चिकित्सा अधिकारियों को प्रशिक्षित किया जाएगा।

समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पशु चिकित्सकों को संबोधित करते हुए विभाग के निदेशक डॉ. आनंद सेजरा ने कहा कि विभाग के अधिकारियों के क्षमतावर्द्धन के लिए इस तरह के पुनश्चर्या प्रशिक्षण के कार्यक्रम बहुत महत्वपूर्ण होते हैं। इस तरह के आयोजनों से हमें नई जानकारियां तो मिलती ही हैं साथ ही कई ऐसी बातें जो हम जानते हैं पर उपयोग में न आने के कारण हम उन्हें भूल जाते हैं वे बातें भी हमें रिकॉल हो जाती हैं। कई बार किसी दुर्घटना में पशु की मौत हो जाने पर कानूनी मामला बन जाता है ऐसे में पशु चिकित्सा के साथ साथ हमें इसके कानूनी पहलुओं की जानकारी होना भी आवश्यक है।

उल्लेखनीय है कि एस्केड योजना का मुख्य उद्देश्य प्रमुख रोगों की रोकथाम व नियंत्रण हेतु टीकाकरण, टीका उत्पादन तथा रोग निदान की सुविधाएं पशुपालकों को उपलब्ध कराकर उन्हें आर्थिक हानि से बचाना है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में पशुओं के दुर्घटना के दौरान सैंपल लेने, पोस्टमार्टम में ली जाने वाली सावधानियां, कोर्ट में प्रमाण पेश करते समय ध्यान रखने योग्य महत्वपूर्ण बिंदुओं जैसे विषयों पर राज्य फॉरेंसिक विज्ञान संस्थान तथा वन विभाग के साथ पशुपालन विभाग के विशेषज्ञ विभिन्न सत्रों में अपने अपने विचार रखेंगे और प्रशिक्षणार्थियों के सवालों के जवाब देंगे।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना: राज्य स्तरीय शिकायत निराकरण समिति की बैठक

जयपुर, (रॉयल पत्रिका) । प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत फसल कटाई प्रयोगों पर एग्रीकल्चर इन्श्योरेन्स कम्पनी द्वारा लगाये गये आपत्तियों के निस्तारण हेतु बीमा कम्पनी के प्रतिनिधियों एवं राज्य स्तरीय शिकायत निराकरण समिति के सदस्यों के साथ मंगलवार को पंत कृषि भवन के सभा कक्ष में शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी राजन विशाल की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय शिकायत निराकरण समिति की बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में शासन सचिव ने नागौर और डीडवाना-कुचामन जिलों के खरीफ 2023 की फसल कटाई प्रयोगों की आपत्तियों के निस्तारण हेतु इन जिलों के अधिकारियों एवं बीमा कम्पनी प्रतिनिधियों के साथ चर्चा कर योजना प्रावधान के अनुरूप कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिये।

राजन विशाल ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे फसल कटाई प्रयोगों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की गाईडलाइन के अनुसार पूर्ण ईमानदारी से समय पर संपादित करें।

उल्लेखनीय है कि खरीफ 2023 का 1 हजार 603 करोड़ रूपये एवं रबी 2023-24 के 1 हजार 52 करोड़ रूपये के क्लेम पात्र फसल बीमा पॉलिसी धारक कृषकों को वितरित किये जा चुके हैं। शेष फसल बीमा क्लेम की राशि अतिशीघ्र किसानों को वितरित कर दी जायेगी। वर्तमान सरकार द्वारा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत कृषकों को अब तक लगभग 3 हजार 349 करोड़ रूपये की राशि वितरित की जा चुकी है।

बैठक में आयुक्त कृषि सुश्री चिन्मयी गोपाल, आयुक्त उद्यानिकी सुरेश कुमार ओला, अतिरिक्त निदेशक कृषि (विस्तार) सीकर रामनिवास पालीवाल, संयुक्त निदेशक कृषि (फसल बीमा) डॉ. जगदेव सिंह, संयुक्त निदेशक कृषि (नागौर) हरीश मेहरा, संयुक्त निदेशक कृषि (डीडवाना-कुचामन) शंकर लाल बेड़ा, सब डिविजनल अधिकारी ओमप्रकाश, आर्थिक एवं सांख्यिकी उप निदेशक रामकुमार राव सहित विभागीय अधिकारी और इन्श्योरेन्स कम्पनी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

राज्य के गौ तथा भैंस वंशीय पशुओं के लिए एफएमडी टीकाकरण अभियान की शुरुआत

-2 माह के अभियान में 2 करोड़ 32 लाख पशुओं को लगाए जाएंगे टीके

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। पशुपालन विभाग द्वारा राष्ट्रीय पशुरोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत मंगलवार को राज्य के गौ तथा भैंस वंशीय पशुओं के लिए एफएमडी टीकाकरण अभियान की शुरूआत की गई। यह सघन अभियान 18 मार्च से 17 मई तक चलेगा।

शासन सचिव पशुपालन, डॉ. समित शर्मा ने राज्य में इस अभियान को सफल बनाने के लिए जिलों के संयुक्त निदेशकों को माइक्रो लेवल पर टीकाकरण की विस्तृत योजना बनाकर इसकी क्रियान्विति करने के निर्देश दिए हैं। इसके लिए ब्लॉक लेवल पर भी नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। डॉ शर्मा ने जिला संयुक्त निदेशक और अधीनस्थ ब्लॉक नोडल अधिकारियों को दैनिक टीकाकरण कार्यक्रम बनाकर इसका विभिन्न माध्यमों से प्रचार प्रसार करने का निर्देश दिया है जिससे अधिक से अधिक पशुपालक इस सघन अभियान से जुड़ सकें और ज्यादा ये ज्यादा संख्या में पशुओं का टीकाकरण हो सके।

डॉ. शर्मा ने निर्देश दिया कि प्रत्येक जिले में ब्लॉक और संस्थाओं को उनके कार्यक्षेत्र में पशुओं की संख्या के आधार पर वैक्सीन की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। इस कार्य में यथासंभव स्थानीय स्वैच्छिक संस्थाओं और प्रगतिशील पशुपालकों की भी मदद ली जा सकती है। उन्होंने जिलों में स्थित वन्य अभ्यारण्यों, संरक्षित वन क्षेत्रों की 5-10 किमी परिधि के गांवों में एफएमडी रोग रोग संभावित क्षेत्रों में वन विभाग के अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर प्राथमिकता के आधार पर शत—प्रतिशत टीकाकरण किये जाने के निर्देश दिए।

अभियान के तहत पशुओं की टैगिंग, रजिस्ट्रेशन, गौ एवं भैंस वंशीय पशुओं में टीकाकरण तथा टीकाकरण का डेटा आदि का इंद्राज भारत पशुधन ऐप पर अनिवार्य रूप से किए जाने का निर्देश देते हुए उन्होंने बताया कि एफएमडी टीकाकरण के लिए पशुओं के ईयर टैग लगाया जाना अनिवार्य होगा। उन्होंने कहा कि पशुओं में हर्ड इम्यूनिटी के लिए आवश्यक है कि एक निश्चित सम्पूर्ण क्षेत्र में निश्चित अवधि में टीकाकरण का कार्य पूरा हो जाए। डॉ. शर्मा ने सभी जिलों के पशु चिकित्सा अधिकारियों से अपील की है कि इस टीकाकरण अभियान में पशुओं में शत प्रतिशत टीकाकरण का कार्य कर आवंटित लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करें ताकि राजस्थान को एफएमडी मुक्त राज्य बनाने की दिशा में आगे बढ़ा जा सके।

इस विषय में विभाग के निदेशक डॉ. आनंद सेजरा ने बताया कि गाय और भैंस वंशीय पशुओं में खुरपका और मुंहपका रोगों से बचाव के लिए यह निःशुल्क टीकाकरण किया जाता है। दो महीने के इस अभियान में में दो करोड़ 32 लाख पशुओं को टीके लगाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि निराश्रित गौवंश का टीकाकरण ग्राम पंचायत के सहयोग से किया जाना सुनिश्चित किया जाएगा।

समर्थन मूल्य पर सरसों-चना खरीद की सभी तैयारियां आरम्भ - सहकारिता मंत्री

जयपुर, 18 मार्च। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के हित में सदैव तत्पर है एवं आगामी रबी सीजन 2025-26 में समर्थन मूल्य पर सरसों तथा चना की खरीद के लिए सभी तैयारियां आरंभ की जा चुकी हैं।

दक ने बताया कि इस वर्ष राज्य में सरसों का लगभग 62 मैट्रिक टन एवं चने का लगभग 23 लाख मैट्रिक टन उत्पादन संभावित है। भारत सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप राज्य में सरसों की 13.89 लाख मैट्रिक टन एवं चने की 6.30 लाख मैट्रिक टन खरीद किया जाना प्रस्तावित है। उन्होंने बताया कि समर्थन मूल्य पर सरसों एवं चना के विक्रय हेतु किसान 1 अप्रेल से ई-मित्र के माध्यम से पंजीयन करवा सकेंगे। जबकि, खरीद का कार्य 10 अप्रेल से आरंभ होगा। पंजीयन के लिए किसानों को गिरदावरी एवं पासबुक आवश्यक रूप से पंजीयन फॉर्म के साथ अपलोड करनी होगी। समर्थन मूल्य पर खरीद बायोमीट्रिक अभिप्रमाणन के आधार पर की जाएगी।

सहकारिता मंत्री ने बताया कि इस वर्ष राज्य में नोडल एजेंसी नैफेड के साथ-साथ एनसीसीएफ द्वारा भी दलहन-तिलहन की खरीद का कार्य राजफैड के माध्यम से कराया जाना है। इसके लिए सरसों एवं चने हेतु एनसीसीएफ को 217-217 एवं नैफेड को 288-288 क्रय केन्द्र स्वीकृत किये गए हैं। इस प्रकार, राज्य में सरसों एवं चने के कुल 505-505 क्रय केन्द्र स्वीकृत किए गए हैं, जिनकी जिलेवार सूची जारी कर दी गई है।

दक ने बताया कि एनसीसीएफ द्वारा राजफैड क्षेत्रीय कार्यालय अजमेर, जोधपुर, बीकानेर एवं कोटा के 19 जिलों में तथा नैफेड द्वारा राजफैड क्षेत्रीय कार्यालय जयपुर, उदयपुर, श्रीगंगानगर एवं भरतपुर क्षेत्र के 21 जिलों में खरीद कार्य करवाया जाएगा। उन्होंने बताया कि भारत सरकार द्वारा आगामी सीजन हेतु सरसों का समर्थन मूल्य 5950 रुपये प्रति क्विंटल एवं चने का समर्थन मूल्य 5650 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित

किया गया है।

सहकारिता मंत्री ने कहा कि किसान पूर्व की भांति एफएक्यू गुणवत्ता मापदण्डों के अनुरूप अपनी फसल क्षेत्र की क्रय-विक्रय अथवा ग्राम सेवा सहकारी समिति केन्द्र पर विक्रय कर सकेंगे। किसान भाइयों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं हो इसके लिए राजफैड में कॉल सेन्टर 18001806001 स्थापित किया गया है। उन्होंने किसान भाइयों से अनुरोध किया कि वे अपनी फसल को साफ-सुथरा कर तथा छानकर क्रय केन्द्रों पर लाएं ताकि गुणवत्ता मापदण्डों के अनुरूप जिंस विक्रय कर सकें।

राज्यपाल ने ली जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने मंगलवार को चूरू में विकास कार्यक्रमों और जनहित की योजनाओं की समीक्षा की।

बागडे ने कहा कि भारत वैश्विक ताकत बनकर उभर रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश की अर्थव्यवस्था सुदृढ़ हो रही है और देश सर्वोच्च शक्ति के रूप में स्थापित हो रहा है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान वीरों की धरती है। यहां के शूरवीरों ने अपने सर्वोच्च बलिदान से मातृभूमि की रक्षा की है। हम सभी वर्ष 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने के संकल्प में सहयोग दें। हमारी पीढ़ी को बौद्धिक रूप से मजबूत करें। हम बौद्धिक रूप से सुदृढ़ होंगे तो देश खुशहाल होगा।

राज्यपाल बागडे ने जिला परिषद सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों से संवाद कर समुचित दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान राज्यपाल बागडे ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का बेहतरीन क्रियान्वयन करें और शिक्षा नीति के बेहतरीन क्रियान्वयन के लिए शिक्षकों को प्रशिक्षण दें तथा शैक्षिक सुदृढ़ीकरण के लिए संकल्पित रहें।

उन्होंने कहा कि हरियालो राजस्थान अभियान के दौरान बड़ी संख्या में पौधे लगाए तथा घने जंगल के रूप में विकसित करें। पारिस्थितिकी व पर्यावरण के संरक्षण की दिशा में अधिकाधिक वृक्षारोपण करें तथा प्रयास करें कि छायादार पौधे लगाएं। इसी के साथ राज्यवृक्ष खेजड़ी का संरक्षण, संवर्द्धन करें।

बागडे ने कहा कि जिले में औद्योगिक विकास को गति मिले और अधिकाधिक लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाएं। यहां की क्षेत्रीय विशेषताओं को बढ़ावा दें ताकि रोजगार के बेहतरीन अवसर सृजित हों।

इस दौरान उन्होंने विभागीय कार्यक्रमों व योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि पीएम सूर्यघर योजना में किसानों व आमजन को प्रेरित करें। पीएम कुसुम योजना में किसानों को प्रेरित करते हुए खेतों में अधिकतम सौर उर्जा संयत्र स्थापित किए जाएं ताकि काश्त में काश्तकारों को संबल मिल सके। किसानों को उनकी फसल को खरीद केन्द्रों पर विक्रय करने के लिए प्रेरित करें तथा कृषि, विपणन, उद्यानिकी व बैंकों आदि की विभागीय योजनाओं के बारे में जानकारी देते हुए जागरूक करें। जेजेएम में सभी गांवों में पेयजल कनेक्टिविटी सुनिश्चित करें तथा पेंडिंग कनेक्शन पूरे करें।

बागडे ने कहा कि राजीविका महिलाओं को विभिन्न ऋण योजनाओं में लाभान्वित करें और प्रयास करें कि योजना में ऋण योजना में लाभ का बेहतरीन यूटीलाइजेशन हो। महानरेगा योजना अंतर्गत सुदूर गांवों- ढाणियों में सड़कों की कनेक्टिविटी सुनिश्चित करें। इसी के साथ महानरेगा में श्मशान व जोहड़ विकास कार्यों पर फोकस करें। वाटरशेड कार्यों में वर्षा जल संरक्षण करते हुए भूजल स्तर बढ़ाने के लिए प्रयास करें।

जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने जिले में विभागीय योजनाओं की प्रगति से अवगत करवाते हुए दिशा-निर्देशों की पालना करवाने व बेहतरीन क्रियान्विति के लिए आश्वस्त किया।

झुंझुनूं एकेडमी सीबीएसई का वार्षिक परीक्षा - परिणाम घोषित

झुंझुनूं (रॉयल पत्रिका)। इंटरनेशनल विज्डम सिटी स्थित झुंझुनूं एकेडमी सीबीएसई स्कूल में सोमवार को वार्षिक परीक्षा परिणाम विधिवत रूप से घोषित किया गया। इसका शुभारम्भ जीवेम् चेयरमैन डॉ. दिलीप मोदी, मैनेजिंग डायरेक्टर श्रीमती नीरजा मोदी, स्कूल निदेशक आकाश मोदी, गरिमा मोदी, स्कूल प्राचार्य डॉ. रविशंकर शर्मा, उप प्राचार्या सरोज सिंह, हेडमिस्ट्रेस उमा शर्मा, एडमिशन डायरेक्टर श्याम सुंदर शर्मा तथा प्रशासक कमलेश कुलहरि ने माँ सरस्वती के चित्र सम्मुख दीप-प्रज्वलित कर किया।

जानकारी देते हुए स्कूल प्राचार्य डॉ. शर्मा ने बताया कि कक्षा नर्सरी से 9 तथा 11 तक के विद्यार्थियों का वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित किया गया है जिसमें अभिभावकों ने अपने बच्चों के साथ विद्यालय में पधारकर उनके परीक्षा परिणाम एवं शैक्षिक प्रगति की जानकारी प्राप्त की एवं सभी विषयाध्यापकों के साथ विद्यार्थियों के शैक्षिक उन्नयन की विस्तार से चर्चा की गई। पधारे हुए सभी अभिभावकों का स्वागत करते हुए शर्मा ने बताया कि विद्यार्थी, अभिभावक एवं अध्यापकों के त्रिकोणीय संबंध तथा सामन्जस्य पूर्ण चर्चा से ही विद्यार्थियों की शैक्षिक प्रगति सम्भव है।

सभी अभिभावकों ने उत्साहपूर्ण वातावरण में अपने बच्चों का परीक्षा परिणाम देखा।

इस अवसर पर विद्यार्थी परिषद् द्वारा सम्पूर्ण विज्ड़म सिटी को शानदार ढ़ंग से सजाया गया। इन्द्रधनुष की थीम पर विद्यार्थियों के द्वारा शानदार रंगोली बनाई गई साथ ही विज्ञान एवं तकनीकी विषयों पर मॉडल भी स्कूली बच्चों के द्वारा तैयार किए गए जो सभी के लिए एक आकर्षण का केन्द्र रहा। विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए साइंस सहित अनेक विषयों के विभिन्न प्रकार के मॉडल्स एवं प्रोजेक्ट्स की प्रदर्शनी भी लगाई गई। स्कूल के सभी थीम बेस्ड डिस्प्ले बोर्ड्स को भी विद्यार्थियों ने शानदार ढंग से सजाया।

गुरुवार से नए शैक्षिक सत्र 2025-26 का शुभारम्भ होगा। नए शैक्षिक सत्र को लेकर सभी अध्यापकों एवं विद्यार्थियों में उत्साह दिखाई दिया।

टेक्नालॉजी के दौर में ऑनलाइन गेमिंग की गिरफ्त में आकर रियल लाइफ की जगह वर्चुअल दुनिया में खो रही है युवा पीढ़ी

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। वर्तमान समय का ये दौर टेक्नालॉजी का है युवा पीढ़ी के लिए मोबाईल ऑक्सीजन जितना जरूरी हो गया हैं। इस दौर में बच्चे हो या बुर्जग सब मोबाईल का आवश्यकता से अधिक उपयोग कर रहे हैं। वहीं देश की युवा पीढ़ी, खासकर किशोर और युवा वयस्क। टेक्नालॉजी के इस दौर में मोबाइल और इंटरनेट की आसान उपलब्धता के कारण ऑनलाइन गेम्स की ओर तेजी से आकर्षित हो रहे हैं। ये गेम्स शुरू में मनोरंजन के लिए खेले जाते हैं, लेकिन धीरे-धीरे इनकी लत लगने से कई गंभीर समस्याएं सामने आ रही हैं। युवा अपना समय, पैसा और मानसिक शांति इन गेम्स में खो रहे हैं। धीरे-धीरे इन गेम्स की लत इतनी गहरी हो जाती है कि पढ़ाई, करियर और पारिवारिक रिश्तों पर बुरा असर पड़ता है।

ऑनलाइन गेमिंग की लत क्यों लगती है:- ऑनलाइन गेमिंग में पैसा कमाने का लालच युवाओं को जोखिम भरे रास्तों पर ले जा रहा है, युवा सट्टेबाजी या अनैतिक गतिविधियों में लिप्त हो रहे हैं। गेम्स को इस तरह डिज़ाइन किया जाता है कि वे खेलने वाले के दिमाग में डोपामाइन (खुशी का केमिकल) रिलीज़ करते हैं। हार जीत, नया लेवल या रिवॉर्ड खिलाड़ी को बार-बार खेलने के लिए प्रेरित करता है साथ ही युवाओं को जल्दी अमीर बनने की चाहत एवं पैसे का लालच की लत भी इसको बढ़ावा देता है एवं युवाओं को अपनी ओर खींच लेता है। लोगों को पढ़ाई, नौकरी या घर के तनाव से बचने के लिए गेमिंग एक आसान रास्ता लगता है।

युवा पीढ़ी पर प्रभाव:- युवा हो या बजुर्ग अधिक समय तक मोबाईल की स्क्रीन के सामने बैठने से आँखों की रोशनी कम होना, सिरदर्द, नींद की कमी और मोटापा जैसी समस्याएं तो बढ़ ही रही है। वहीं गेम में हारने पर मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है गुस्सा, चिड़चिड़ापन, डिप्रेशन और आत्मविश्वास की कमी होने लगती है कई बार लोग इतने डिप्रेशन में आ जाते है की आत्महत्या तक कर लेते है। इनकी लत से दोस्तों और परिवार से दूरी हो जाती है रियल लाइफ रिश्तों की जगह वर्चुअल दुनिया में खो जाते है। युवाओं का पढ़ाई में ध्यान नहीं लगता है जिससे भविष्य के अवसरों का नुकसान युवा पीढ़ी का उठाना पड़ रहा है। ऑनलाइन गेमिंग अपने आप में गलत नहीं है एक सीमा में रहकर खेला जाए तो तनाव दूर करने और कौशल बढ़ाने का साधन भी हो सकता है। लेकिन जब इसकी आदत या लत लग जाती है तो यह युवा पीढ़ी के भविष्य को खतरे में डाल सकता है।

इससे कैसे निपटा जाए:- अभिभावक, माता-पिता और शिक्षकों को टेक्नॉलोजी के इस युग में अपने बच्चों एवं युवा पीढ़ी को गेमिंग के फायदे-नुकसान के बारे में समझाना चाहिए एवं बच्चों के मोबाईल उपयोग की समय की सीमा तय करनी चाहिए। गेमिंग को हॉबी की तरह सीमित समय के लिए रखा जा सकता है। साथ युवाओं को खेल, पढ़ाई और परिवार के लिए समय निकालने के लिए प्रेरित करना चाहिए। माता-पिता का दायित्व है कि वे अपने बच्चों के गेमिंग पैटर्न एवं मोबाईल पर नज़र रखें एवं पैरेंटल कंट्रोल टूल्स का इस्तेमाल करें ताकि अनचाहे खर्चे और कंटेंट से बचा जा सके। युवाओं एवं बच्चों को वैकल्पिक गतिविधियों खेलकूद, संगीत, कला या किताबें जैसी चीज़ों में रुचि बढ़ाएं जाने के लिए प्रेरित करें ताकि गेमिंग ही एकमात्र मनोरजन न रह। अगर लत गंभीर हो जाए, तो प्रोफेशनल से काउंसलिंग कर मदद लें। मनोवैज्ञानिक गेमिंग एडिक्शन से बाहर निकालने में मदद कर सकते हैं।

एक सर्वे के मुताबिक देश के 10 में से 6 युवा दिन में 3 घंटे से ज्यादा गेमिंग के लिए मोबाईल या कम्प्यूटर में अपना समय खर्च करते हैं, जो उनकी सेहत और पढ़ाई पर असर डालता है। ऑनलाइन गेमिंग की अति और गलत इस्तेमाल नई पीढ़ी को बर्बाद कर सकता है। यह एक सिक्के के दो पहलुओं जैसा है सही तरीके से इस्तेमाल हो तो मज़ा और सीख देता है, लेकिन बेकाबू हो जाए तो नुकसान। कई देशों में गेमिंग डिस ऑर्डर को मानसिक बीमारी के रूप में मान्यता दी जा चुकी है सरकार द्वारा भी ऑनलाइन गेमिंग को रेगुलेट करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। सरकार को स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाने की आवश्यकता हैं ताकि बच्चे शुरू से ही इसके सही इस्तेमाल को समझ सकें। वर्तमान समय में जरूरत है जागरूकता की, संतुलन की, और माता-पिता व समाज की ओर से सही मार्गदर्शन की, ताकि युवा इस चक्कर में फंसकर बर्बाद होने से बच सकें।

लाडो प्रोत्साहन योजना में बढ़ोतरी

-आंगनबाड़ी में पोषण सामग्री में भी किया सुधार

बारां, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने लाडो प्रोत्साहन योजना में महत्वपूर्ण बदलाव करने की घोषणा की है। अब सेविंग बॉण्ड की राशि एक लाख के बजाय डेढ़ लाख रुपए दी जाएगी। इसके अलावा, आंगनबाड़ी केन्द्रों में अतिकुपोषित बच्चों को प्रदान किए जाने वाले दूध की मात्रा को भी 15 ग्राम से बढ़ाकर 25 ग्राम प्रति पैकेट किया गया है।

मुख्यमंत्री ने यह घोषणाएं बजट 2025-2026 के वित्त एवं विनियोग विधेयक चर्चा के दौरान की। उनका कहना है कि इन कदमों का उद्देश्य मातृ और बाल स्वास्थ्य को सुदृढ़ करना है। खासतौर पर अति गंभीर कुपोषित बच्चों की संख्या को कम करने के लिए यह कदम आवश्यक है।

10 महिलाओं को किया जाएगा सम्मानित

लखपति दीदी, ड्रोन दीदी, सोलर दीदी, बैंक सखी, कृषि सखी, और पशु सखियों को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए टेबलेट के माध्यम से सम्मानित किया जाएगा। इसके तहत हर ब्लॉक में उत्कृष्ट काम करने वाली 10 महिलाओं को सम्मानित करने का प्रस्ताव है, जिससे उनकी कार्यकुशलता में वृद्धि हो सके।

1.5 प्रतिशत की ब्याज दर पर मिलेगा ऋण

महिलाओं को आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में बढ़ावा देने के लिए, लखपति दीदी के लिए 1.5 प्रतिशत की ब्याज दर पर ऋण की व्यवस्था की गई है। ये सभी घोषणाएं महिलाएं और बच्चों के विकास को प्राथमिकता देने के लिए की गई हैं, जिससे राज्य में समग्र विकास को साकार किया जा सके।

कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने सरस डेयरी के कलेक्ट्रेट परिसर बूथ पर थिक शेक व सॉफ्टी आइसक्रीम मशीन का किया उद्घाटन

पाली, (रॉयल पत्रिका)। पशुपालन व कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने आज मंगलवार को शहर के सरस डेयरी पार्लर कलेक्ट्रेट परिसर बूथ पर थीक शेक व सोफ्टी आइसक्रीम मशीन का उद्घाटन किया। साथ ही इस अवसर पाली डेयरी संघ द्वारा सॉफ्टी व थीक शेक के लोगो का विमोचन किया।

इस अवसर पर मंत्री कुमावत ने कहा कि पाली जिला डेयरी संघ ने पाली शहरवासियों के लिए आईस्क्रीम व थीक शेक की शुरूआत की है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नगर पालिका, उपखण्ड एवं पंचायत समिति स्तर पर सरस डेयरी बूथ स्थापित करने का प्रयास कर रहे है। कुमावत ने कहा कि पाली डेयरी के उत्पाद शुद्धता और गुणवत्ता पूर्ण होने की वजह से बाजार में अन्य डेरियों से ज्यादा पाली डेयरी के घी की मांग है। राजस्थान दूध उत्पादन में देश में दूसरे नंबर पर है। उन्होंन कहा कि डेयरी संघ का उत्पादन आमजन को गुणवत्ता युक्त घी, दूध व अन्य उत्पादन के लिए पर्याप्त संसाधन व सुविधाएं उपलब्ध है।

इस अवसर पर डेयरी संघ जिलाध्यक्ष प्रतापसिंह बिठिया ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि डेयरी प्रबंधन में शुद्धता व उत्पादक की गुणवत्ता के लिए निरंतर प्रयासरत है। इस दौरान उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित समस्त जनप्रतिनिधि व गणमान्य नागरिकों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस दौरान विधायक भीमराज भाटी, पूर्व विधायक ज्ञानचंद पारख, पूर्व सभापति महेन्द्र बोहरा, जिला कलक्टर एलएन मंत्री, पुलिस अधीक्षक चुनाराम जाट, एडीएम सीलिंग अविश्न पंवार, डेयरी एमडी मदनलाल, तहसीलदार जितेन्द्र बबेरवाल, बूथ संचालक रणजीतसिंह ,सुनील भंडारी , तिलोकराम चौधरी , सहित गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

जिले में खुरपका-मुंहपका टीकाकरण अभियान प्रारंभ

बारां, (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत जिले में गौ एवं भैंस वंशीय पशुओं के लिए खुरपका-मुंहपका (एफएमडी) टीकाकरण अभियान आज से प्रारंभ हो गया है। यह अभियान 17 मई 2025 तक चलेगा।

पशुपालन विभाग के उपनिदेशक डॉ. सतीश चंद ने बताया कि जिले में कुल 2,66,043 भैंस वंशीय और 2,98,120 गौ वंशीय पशु हैं, जिनका चरणबद्ध तरीके से टीकाकरण किया जाएगा। इस अभियान के तहत 4 माह से अधिक उम्र के सभी पशुओं को टीका लगाया जाएगा। वहीं, 4 से 5 माह की उम्र के पशुओं का एक माह बाद पुनः टीकाकरण प्रस्तावित है।

टीकाकरण के साथ टैगिंग भी अनिवार्य

अभियान के दौरान, यदि किसी पशु के कान में पहचान टैग नहीं लगा है, तो उसे टीकाकरण के समय टैग लगवाना अनिवार्य होगा। विभाग द्वारा पूर्व में ही टीकों का वितरण सुनिश्चित कर लिया गया है, ताकि अभियान सुचारू रूप से चलाया जा सके।

पशुपालकों की सक्रिय भागीदारी

किशनगंज तहसील के बासथूनी गांव में प्रगतिशील पशुपालक मुरलीधर, हर्षवर्धन, मुकेश, अनुराग और जनप्रतिनिधि पुरुषोत्तम नागर ने अभियान में रुचि दिखाते हुए पशुधन निरीक्षक मनीष कुमार मीणा के माध्यम से अपने पशुओं का टीकाकरण करवाया।

पशुपालन विभाग ने जिले के समस्त पशुपालकों से आह्वान किया है कि वे इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं और अपने पशुओं को खुरपका-मुंहपका जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखें।

कैबिनेट मंत्री कुमावत ने ली गौशाला संचालको की विशेष बैठक

पाली, (रॉयल पत्रिका)। कैबिनेट व पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने आज मंगलवार को जिला परिषद सभागार में जिले के गौशाला संचालकों व पशुपालको के साथ विशेष बैठक ली। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि राज्य सरकार गोपालकों ,पशुपालकों के हितो के लिये प्रतिबद्व है और उनके कल्याण के लिये हर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि गाय को भारतीय संस्कृति में माता का दर्जा दिया गया है और पूजनीय माना गया है हमें इनकी सेवा करनी चाहिये और इनका ध्यान रखना चाहिये।

उन्होंने कहा कि गाय के गोबर से अनेक लाभकारी पदार्थ बनाये जाते है जो अत्यंत लाभकारी होते है। मंत्री कुमावत ने इस अवसर पर सरकार द्वारा विभिन्न पशुओं के लिये मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के बारे में, गौशालाओं को अनुदान में बढोतरी, गौवंश व नन्दी पशुओं के संवर्धन के लिये उठाये गये कदम के बारे में, पशुओं के लिये मोबाईल वेटनरी यूनिट व नि शुल्क चिकित्सा वैन में डाक्टर व कम्पाउंडर की व्यवस्था, जिले में पशु चिकित्सों की नियुक्ति बछडियां की संख्या बढाने के केन्द्र व राज्य सरकार की योजना में सब्सिडी, नये भवनों के लिए स्वीकृतियो के, अन्य साधन सुविधाये व पाली जिले में पंचायत स्तर पर सुविधाओं के विस्तार जिले में ज्यादा से ज्यादा नन्दीशाला खोलने उनके ध्यान रखने के लिये कदम उठाने, गौपालको को और सुविधाये देने के बारे में विस्तार से बताया।

इसके साथ ही गौशाला व पशुपालको संचालको द्वारा रखी गयी समस्याओं और सुझावों को सुना और हरसंभव समस्याओं के समाधान सुनिश्चित करने के लिये कहा । उन्होंने इस अवसर पर विभिन्न समस्याओ और सुझावों को सुना और कहा कि पशुपालकों के सभी हितो को ध्यान रखा जायेगा। उन्होंने कहा कि निराश्रित गौवंश को मिलेगा सहारा गौशाला संचालकों की बैठक में अधिकारियों को निर्देश प्रदान किये कि जिन गौशालाओं में कम गौवंश हैं, उन गौशालाओं में बाहर सड़कों पर घूम रहे निराश्रित गौवंशों को पहुंचाकर गौशालाओं को राजकीय अनुदान दिलाने की व्यवस्था करे। इस बैठक में गौशाला संचालकों से रूबरू होकर व्यक्तिगत समस्याएं सुनी और निराकरण हेतु आवश्यक निर्देश प्रदान किये। इस अवसर पर गौशाला संचालकों ने बजट घोषणाओं के लिये सरकार का आभार जताया।

इस अवसर पर जिला कलक्टर एलएन मंत्री ने जिले में चल रही गौशालाओं और विभिन्न कार्या के बारे मे जानकारी दी। इस अवसर पर पूर्व सभापति महेन्द्र बोहरा ने भी अपनी बात को रखा।बैठक में पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक ओ पी बुनकर और उपनिदेशक डॉ मनोज पंवार ने जिले में गौशालाओं अनुदान व अन्य कार्या के बारे में जानकारी दी।

बैठक में अध्यक्ष राजस्थान गौ सेवा संघ गिरधारी सिंह ने गौशाला संचालको की विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया । इससे पहले आये हुये अतिथियों का स्वागत किया गया और दीप जलाकर शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर अश्विनी सिंह पंवार, पूर्व उपसभापति मूलसिंह भाटी पशुपालन विभाग के संबधित अधिकारी शाखा पाली संतोष महाराज - देवाशीष गौशाला सेवा संस्थान मोती सिंह राजपुरोहित, भीम सिंह, सुनील भंडारी, बडी संख्या में गौशला संचालक व पशुपालक मौजूद रहे।

अनीमिया से बचाने के लिए पिलाई आयरन की खुराक

-शक्ति दिवस का आयोजन कर गर्भवतियों, बच्चों को किया लाभान्वित

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। एनीमिया मुक्त राजस्थान कार्यक्रम के तहत बच्चों, किशोर-किशोरियों, प्रजनन उम्र की महिलाओं, गर्भवती महिलाओं तथा धात्री माताओं में अनीमिया की दर कम करने के लिए प्रत्येक मंगलवार को शक्ति दिवस के रूप आयोजित किया जा रहा है इसी क्रम में मंगलवार को जिले के सभी चिकित्सा संस्थानों, आंगनवाड़ी केंद्रों पर शक्ति दिवस का आयोजन किया गया। जिले के सभी जिला चिकित्सालयों, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों, हैल्थ वेलनेस सेंटर पर नियमित ओपीडी के अलावा मरीजों के हिमोग्लोबीन की जांच और उपचार किया गया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल कुमार जैमिनी ने बताया कि सभी महिलाओं, गर्भवतियों, धात्री माताओं, किशोरियों को शक्ति दिवस के बारे में जानकारी देते हुए बताया गया कि शक्ति दिवस का मुख्य उद्देश्य समुदाय व लाभार्थियों में अनीमिया नियंत्रण के लिए स्क्रीनिंग, हिमोग्लोबीन की जांच, उपचार तथा एनीमिया के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। आयरन स्वास्थ्य के लिए किस प्रकार आवश्यक है और इसकी कमी होने से किस प्रकार की समस्याएं हो सकती हैं। कार्यक्रम में महिलाओं, गर्भवतियों, धात्री माताओं, किशोरियों का हीमोग्लोबिन जांच कर आयरन की दवाएं दी गई।

जिला व ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों द्वारा सत्रों का निरीक्षण किया, दवाओं की उपलब्धता की जांच, सभी आयुवर्गों की उपस्थिति की जांच की। चिकित्सा संस्थानों पर एएनएम द्वारा समस्त लक्षित लाभार्थियों की एनीमिया की स्क्रीनिंग की गई, महिलाओं एवम् बच्चों को थकान, भूख ना लगना, नाखूनों का सफेद होना, जीभ पर सफेद परत का होना जैसे कुछ सामान्य लक्षणों के आधार पर तथा एनीमिक पाए गए लोगों को दवा वितरित की गई। साथ ही एनीमिक पाई गई महिलाओं, बच्चों का उपचार कराने के लिए लगातार फॉलोअप किया जाएगा। साथ ही सभी को भोजन की अच्छी आदतों को अपनाने, पोषक तत्वों युक्त भोजन करने, हरी सब्जियों, फलों, आयरन युक्त खाघ पदार्थों का सेवन करने की संबंधी जानकारी दी गई।

जिला कलेक्टर ने टिब्बी में आयोजित अटल जन सेवा शिविर में सुने परिवाद

हनुमानगढ़(रॉयल पत्रिका)। आमजन की परिवेदनाओं के निस्तारण को लेकर राज्य सरकार गंभीर है। इसी सिलसिले में सोमवार को जिले के सभी उपखंडों पर अटल जन सेवा शिविर आयोजित कर आमजन की परिवेदनाओं का निस्तारण किया गया। जिले के टिब्बी ब्लॉक में पंचायत समिति परिसर के वीसी कक्ष में जिला कलेक्टर काना राम की अध्यक्षता में अटल जन सेवा शिविर का आयोजन किया गया। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त हुए परिवादों को त्वरित निस्तारण हेतु संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

जिला कलेक्टर ने पीएचईडी के अधिकारों को आगामी नहरबंदी को ध्यान में रखते हुए पर्याप्त जल भंडारण की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। नगर पालिका टिब्बी के अधिशासी अधिकारी को नगर क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने हेतु आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। चिकित्सा विभाग को निक्षय मित्रों की संख्या बढ़ाने तथा टीबी मरीजों का अधिकतम चिह्नितकरण एवं समुचित उपचार सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया।

इसके अतिरिक्त जन सेवा शिविर से पहले, जिला कलेक्टर ने एसडीएम कार्यालय का निरीक्षण भी किया। इस अवसर पर एसडीएम सत्यनारायण सुथार, तहसीलदार हरीश टाक, पंचायत समिति प्रधान निकुराम सहित समस्त ब्लॉक स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

गर्भवतियों की हुई निशुल्क प्रसवपूर्व जांच व सोनोग्राफी

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। जिले में मंगलवार को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान का आयोजन किया गया। अभियान के तहत गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व जांच व निजी सोनोग्राफ़ी केंद्रों पर निशुल्क सोनोग्राफ़ी की गई।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल कुमार जैमिनी ने बताया कि मां वाउचर योजना के तहत प्रत्येक गर्भवती को निशुल्क सोनोग्राफी जांच उपलब्ध करवाई जा रही है। गर्भवती महिला अपनी सुविधा के अनुसार किसी भी पंजीकृत सोनोग्राफी केन्द्र पर जांच करवा सकती है। प्रधानमंत्री मातृत्व अभियान दिवस पर माह की 9, 18 व 27 तारीख को सोनोग्राफी जांच करवाने के लिए क्यूआर कोड युक्त कूपन गर्भवतियों के रजिस्ट्रर्ड मोबाइल नंबर पर जारी किया जा रहा है। इस कूपन के माध्यम से गर्भवती महिला विभाग से अधिकृत किसी भी निजी सोनोग्राफी केंद्र पर अपनी सोनोग्राफी जांच निरूशुल्क करवा सकती है।

9,18 और 27 को आयोजित हो रहा पीएमएसएमए:- गर्भवतियों की प्रसव पूर्व जांच कर वजन, उंचाई, पेट की जांच, खून की जांच, हीमोग्लोबिन, रक्तचाप, शुगर, एचआईवी, सिफलिस, हदय स्पंदन, यूरिन, सोनोग्राफी आदि जांच कर आवश्यक दवाएं उपलब्ध करवाई गई। चिकित्सकों द्वारा विभिन्न चिकित्सा संस्थानों पर गर्भवतियों की जांच के साथ ही गर्भावस्था के दौरान किसी भी गर्भवती में जटिलता पाए जाने पर उच्च संस्थानों पर भी रेफर किया गया। साथ ही चिकित्सकों ने गर्भावस्था में आने वाली जटिलताओं के बारे में जागरूक किया। साथ ही सभी को भोजन की अच्छी आदतों को अपनाने, पोषक तत्वों युक्त भोजन करने, हरी सब्जियों, फलों, आयरन युक्त खाघ पदार्थों का सेवन करने की संबंधी जानकारी दी गई।

केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजना पर संगोष्ठी और संविधान चित्र प्रदर्शनी का आयोजन

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। केंद्रीय संचार ब्यूरो क्षेत्रीय कार्यालय सवाई माधोपुर की ओर से मंगलवार को राजकीय प्राथमिक विद्यालय जगमोदा में केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजना पर संगोष्ठी और संविधान की प्रस्तावना पर चित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान ब्यूरो के नेमीचंद मीणा ने विभागीय गतिविधियों के साथ-साथ केंद्र सरकार की ओर से विभिन्न विभागों के माध्यम से चलाई जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं और कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान तथा आजादी के दौरान प्राण न्योछावर करने वाले शाहिद और वीर विभूतियां के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य रमेश चंद्र वर्मा वेदपाल शाहिद अहमद ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं के बीच में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रश्नोत्तरी में विजेता रहे प्रतिभागियों को ब्यूरो की ओर से पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में स्वच्छता की शपथ भी ली गई। इस दौरान विद्यार्थी और आमजन उपस्थित रहे।

भामाशाह मोहनलाल कुड़ी ने विद्यालय में 10 हजार के विद्युत उपकरण भेंट किए

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। राजकीय उच्च प्राथमिक संस्कृत विद्यालय देवबक्श की ढाणी में क्षेत्रीय भामाशाह एडवोकेट मोहनलाल कुड़ी साहब ने 10000 लागत के विद्त उपकरण भेंट किए। प्रधानाध्यापक डॉ. राघवेंद्र त्रिवेदी ने धन्यवाद देते हुए बताया कि इससे पूर्व भी एडवोकेट साहब विद्यालय को जल व्यवस्था हेतु 47200 दे चुके हैं।

आईपीओ प्राइस से भी नीचे आए मोबिक्विक के शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। पेमेंट सॉल्यूशंस उपलब्ध कराने वाली कंपनी मोबिक्विक के शेयर धड़ाम हो गए हैं। मोबिक्विक के शेयर सोमवार को बीएसई में 13 पर्सेंट से ज्यादा लुढ़ककर 231.05 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों ने 52 हफ्ते का अपना नया लो लेवल बनाया है। मोबिक्विक के शेयर सोमवार को अपने आईपीओ प्राइस से भी नीचे जा पहुंचे हैं। सोमवार 17 मार्च 2025 को कंपनी के शेयरों का 3 महीने का लॉक-इन पीरियड खत्म हुआ है। मोबिक्विक की पैरेंट कंपनी वन मोबिक्विक सिस्टम्स लिमिटेड है।

मोबिक्विक के 46 लाख शेयर या कंपनी की आउटस्टैंडिंग इक्विटी का 6 पर्सेंट सोमवार को ट्रेडिंग के योग्य होगा। नुवामा अल्टरनेटिव एंड क्वॉन्टिटेटिव रिसर्च के डेटा के मुताबिक, मोबिक्विक के शेयरों का 3 महीने का लॉक-इन पीरियड सोमवार को खत्म हो रहा है। दिसंबर 2024 को खत्म हुई तिमाही में मोबिक्विक का रेवेन्यू सालाना आधार पर 17.7 पर्सेंट बढ़कर 269.5 करोड़ रुपये पहुंच गया।

53 प्रतिशत लोगों को नियमित सोने के रूटीन न होने के कारण

नींद से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ता है: सर्वे

मुंबई, एजेंसी। वर्ल्ड स्लीप डे से पहले, यूगो और अमेजन एलेक्सा ने भारतीय लोगों के सोने के रूटीन को समझने के लिए लगभग 10 शहरों में एक सर्वे किया। इस सर्वे के अनुसार, 53 प्रतिशत लोग नियमित सोने के रूटीन न अपनाने पर नींद से जुड़ी कई समस्याओं का सामना करते हैं। ज़्यादातर वयस्क लोग सक्रिय रूप से समय पर सोने के रूटीन का पालन करते हैं। लगभग 54 प्रतिशत लोगों ने नियमित सोने के रूटीन को अपनाने पर नींद में स्पष्ट सुधार देखा है। 52 प्रतिशत सर्वे में शामिल लोग नियमित सोने का समय और सोने से पहले की आदतों का पालन करते हैं। 86 प्रतिशत सर्वे में शामिल लोग रोज़ाना रात 8 बजे के बाद अपने सोने का रूटीन शुरू करते हैं, जिसमें से 53 प्रतिशत लोग रात 10:30 बजे के बाद इसे शुरू करना पसंद करते हैं। सोने से पहले की सबसे आम गतिविधियों में वीडियो कंटेंट देखना (63 प्रतिशत), परिवार और दोस्तों से जुड़ना (59 प्रतिशत), पॉडकास्ट, संगीत या ऑडियोबुक सुनना (58 प्रतिशत) और सोशल मीडिया ऐप्स स्क्रॉल करना (57 प्रतिशत) शामिल हैं।

इम्युनिटी बढ़ाने के लिए अपनी डाइट में शामिल में करें बादाम, लहसुन, खट्टे फल: शीला

मुंबई, एजेंसी। मौसम बदलने पर बीमारियों से बचने के लिए संतुलित और पौष्टिक आहार लेना बेहद जरूरी होता है। सही खानपान न केवल हमारी इम्युनिटी को मजबूत करता है, बल्कि हमें मौसमी संक्रमणों से भी बचाता है। बादाम, मौसमी फल और हरी सब्जियों को अपनी रोजमर्रा की डाइट में शामिल करने से शरीर को आवश्यक पोषक तत्व मिलते हैं, जो संक्रमणों से लड़ने की ताकत देते हैं। बादाम सिर्फ स्वादिष्ट ही नहीं, बल्कि पौष्टिकता का खजाना हैं। इनमें विटामिन ई, जिंक, फोलेट और आयरन सहित 15 आवश्यक पोषक तत्व होते हैं, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद करते हैं। रोज़ाना एक मुट्ठी बादाम खाना या इन्हें नाश्ते में शामिल करना सेहत के लिए फायदेमंद होता है। बादाम स्वाभाविक रूप से कुरकुरे, स्वादिष्ट और बहुपयोगी होते हैं, जिन्हें दिनभर कभी भी खाया जा सकता है।

निवेश-बचत: नए-पुराने निवेशकों के लिए हाइब्रिड फंड अच्छा विकल्प

कम जोखिम व सुरक्षा के लिए शॉर्ट ड्यूरेशन बेहतर

नईदिल्ली, एजेंसी। एक आक्रामक हाइब्रिड फंड 65 से 80 फीसदी तक इक्विटी में और बाकी डेट में निवेश करता है। यानी 100 रुपये में से 65 से 80 रुपये शेयर में लगाया जाता है। इस रणनीति से इक्विटी फंड की तुलना में रिटर्न थोड़ा कम हो सकता है, लेकिन इसमें फंड से जुड़ा जोखिम भी कम है। बाजार में उठा-पटक के दौरान यह विशेषता महत्वपूर्ण हो जाती है, क्योंकि पोर्टफोलियो के मूल्य में गिरावट कम होगी। बाजार की तेजी में फंड का इक्विटी हिस्सा असाधारण रिटर्न देता है और गिरावट के समय डेट सुरक्षा का काम करता है। इससे पोर्टफोलियो के नीचे जाने के समय निवेश की रकम की सुरक्षा होती है। जब ब्याज दरों में कटौती होती है, तो पोर्टफोलियो में डेट का हिस्सा असाधारण रिटर्न भी देता है।

इक्विटी-डेट दोनों से मिलता है फायदा- पोर्टफोलियो में आक्रामक हाइब्रिड फंड जोड़ने से इक्विटी और डेट दोनों एसेट क्लास में लाभ मिलता है। इसलिए, निवेशकों को पोर्टफोलियो में कम से कम एक आक्रामक हाइब्रिड फंड शामिल करना ही चाहिए। इस कैटेगरी में सबसे अच्छी ऑफरिंग में से एक आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल इक्विटी और डेट फंड है।

नवंबर, 1999 में शुरू इस फंड का 25 साल का ट्रैक रिकॉर्ड है। इसका एसेट अंडर मैनेजमेंट 39,886 करोड़ रुपये है। इस फंड के एयूएम का 74.6 फीसदी हिस्सा इक्विटी में बाकी डेट में निवेश होता है। डेट का 21.33 फीसदी फिक्स्ड इनकम में, 2.5 फीसदी रियल एस्टेट डेट में निवेश किया गया है। शुरु से फंड ने सालाना 15 फीसदी चक्रवृद्धि दर से रिटर्न दिया है। अगर कोई निवेशक इस फंड में मासिक 10,000 रुपये का निवेश किया तो इसकी शुरुआत से लेकर 25 सालों में आज उसका 30 लाख रुपये का निवेश तीन करोड़ रुपये हो गया होगा, यानी निवेश में 10 गुना की वृद्धि हुई है।

10 वर्षों में आक्रामक हाइब्रिड फंड से निवेशकों को मिला बेहतर रिटर्न

10 साल की अवधि में इस इक्विटी एंड डेट फंड ने 13.84 फीसदी की दर से चक्रवृद्धि रिटर्न दिया है। कैटेगरी के 23 फंडों में 10 वर्षों में यह पहले स्थान पर है। सात साल, तीन साल और पांच साल में लगातार दूसरे या तीसरे स्थान पर है। फंड ने इंडेक्स के 9 फीसदी की गिरावट की तुलना में 4.1 फीसदी की गिरावट दर्ज की है। यानी बाजार में गिरावट के दौरान फंड ने गिरावट से सुरक्षा प्रदान करने में कामयाबी हासिल की है।

कम जोखिम व सुरक्षा के लिए शॉर्ट ड्यूरेशन बेहतर

6 महीने से शेयर बाजार में भारी अस्थिरता के बीच शॉर्ट ड्यूरेशन वाली म्यूचुअल फंड स्कीमों ने निवेशकों को बैंक एफडी से ज्यादा यानी 7.51 फीसदी तक रिटर्न दिया है। तीन साल में इस स्कीम ने सात प्रतिशत तक का रिटर्न दिया है। शॉर्ट ड्यूरेशन फंड में निवेशक कम समय के लिए निवेश कर सकते हैं। यह एक ऐसी स्कीम होती है जो मूलरूप से डेट में निवेश करती है। इसलिए इसमें सुरक्षा अच्छी होती है और रिटर्न भी औसतन ठीक-ठाक मिलता है। एक्सिस शॉर्ट ड्यूरेशन एक ओपन एंडेड शॉर्ट टर्म डेट स्कीम है जो मुख्य रूप से एक से तीन साल के लिए निवेश करती है। यह फंड उच्च क्वालिटी और कम जोखिम वाली रणनीति का पालन करता है जिससे स्थिर रिटर्न पैदा होता है।

अच्छी तरह से विविधीकृत होता है आपका निवेश

इस तरह की स्कीमों का पोर्टफोलियो अच्छी तरह से विविधीकृत होता है। इसमें निवेश एक साल के लिए कर सकते हैं। यह मुख्य रूप से एएए और ए1 प्लस वाले एवं इसके समकक्ष वाली परिसंपत्तियों में निवेश करती हैं। एए रेटिंग से कम एसेट्स में यह फंड कोई निवेश नहीं करता है। एक्सिस शॉर्ट ड्यूरेशन का कॉरपोरेट बॉन्ड में निवेश 61 प्रतिशत है जबकि सरकारी बॉन्ड में 25 प्रतिशत से ज्यादा होता है। अच्छी बात यह है कि इस फंड में एंट्री या एग्जिट लोड नहीं होता है। एकमुश्त 5,000 रुपये व मासिक एसआईपी एक हजार रुपये से निवेश कर सकते हैं। किसी ने 2013 की शुरुआत में इस स्कीम में 10,000 रुपये का निवेश किया होगा तो वह रकम अब 31 जनवरी, 2025 तक 25,824 रुपये हो गई होगी।

बिना फंडिंग के बना दी देश की सबसे बड़ी शू कंपनी, दिल्ली के हरि कृष्ण अग्रवाल ने कैसे किया यह कमाल

नईदिल्ली, एजेंसी। कैंपस एक्टिववियर भारत की सबसे बड़ी शू कंपनी है। इसे दिल्ली के उद्यमी हरि कृष्ण अग्रवाल ने शुरू किया था। इसने नाइकी, एडिडास और प्यूमा जैसे जाने-माने विदेशी ब्रांड्स को कहीं पीछे छोड़ दिया है। कंपनी के 20,000 से भी ज्यादा रिटेल आउटलेट और 35 से ज्यादा एक्सक्लूसिव स्टोर हैं। कंपनी के देशभर में 5 कारखाने हैं और यह कई देशों को जूते एक्सपोर्ट करती है। यह सालाना 1.5 करोड़ पेयर शू बेचती है। सचिन तेंदुलकर और वरुण धवन जैसी हस्तियां कंपनी का विज्ञापन कर चुकी हैं।

हरि कृष्ण अग्रवाल पहली पीढ़ी के उद्यमी हैं। यानी उन्हें विरासत में कोई बिजनस नहीं मिला था बल्कि उन्होंने अपने दम पर इतना बड़ा कारोबार खड़ा किया। गरीबी के कारण उन्हें बचपन से ही काम करना पड़ा और वे बिजनस की बारीकियां सीखते गए। 18 साल की उम्र से ही उन्होंने छोटे-मोटे धंधों में हाथ आजमाना शुरू कर दिया था। साल 1983 में 'एक्शन' ब्रांड के तहत स्पोर्ट्स शूज बेचने का अपना बिजनस शुरू किया। इसके लिए उनके पास कोई फंडिंग नहीं थी। उन्होंने उन्होंने दोस्तों और परिवार के पैसे लेकर बिजनस स्टार्ट किया।

विदेशी कंपनियों पर भारी- साल 1991 में देश का बाजार विदेशी कंपनियों के लिए खुलने के बाद एडिडास, नाइकी और प्यूमा जैसे कई जाने-माने ब्रांड्स भारत आए। इन कंपनियों के जूते काफी महंगे थे और आम भारतीयों की पहुंच से बाहर थे। अग्रवाल ने इसी बात को समझा और साल 2005 में कैंपस शूज की शुरुआत की। उन्होंने खासतौर पर स्पोर्ट्स शू को टारगेट किया। उनकी कंपनी के जूते क्वालिटी के मामले में एडिडास और नाइकी को टक्कर देते थे जबकि इनकी कीमत काफी कम थी। पहले ही साल कंपनी ने करोड़ों रुपये का मुनाफा कमाया। कंपनी ने प्रीमियम कैटगरी में भी एंट्री की। 1000 रुपये से कम कीमत वाले बाजार में उसकी करीब 48 फीसदी हिस्सेदारी है।

50 रुपये से भी नीचे आए ओला इलेक्ट्रिक के शेयर, 65 प्रतिशत से ज्यादा गए हैं लुढ़क

नईदिल्ली, एजेंसी। ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के शेयरों में सोमवार को तेज गिरावट आई है। कंपनी के शेयर सोमवार को बीएसई में 5 पर्सेंट से ज्यादा लुढ़ककर 47.80 रुपये पर पहुंच गए हैं। ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के शेयर 52 हफ्ते के नए लो पर जा पहुंचे हैं। कंपनी के शेयरों में यह तेज गिरावट एक अपडेट के बाद आई है। ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया है कि रॉसमर्टा डिजिटल सर्विसेज ने उसके पूर्ण मालिकाना हक वाली इकाई ओला इलेक्ट्रिक टेक्नोलॉजीज के खिलाफ इनसॉल्वेंसी पिटीशन (दिवालिया याचिका) फाइल की है।

पेमेंट डिफॉल्ट से जुड़ा है मामला- रॉसमर्टा डिजिटल सर्विसेज ने इनसॉल्वेंसी पिटीशन नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल की बेंगलुरु बेंच में सबमिट की है। रॉसमर्टा डिजिटल सर्विसेज , ओला की ऑपरेशनल क्रेडिटर है। रॉसमर्टा डिजिटल सर्विसेज ने उपलब्ध कराई गई सर्विसेज के लिए कथित रूप से पेमेंट डिफॉल्ट्स की बात कही है और ओला इलेक्ट्रिक टेक्नोलॉजीज के खिलाफ कॉरपोरेट इनसॉल्वेंसी रेजॉल्यूशन प्रोसेस शुरू करने की मांग की है। वहीं, ओला इलेक्ट्रिक ने कहा है कि कंपनी ने इस मामले को लेकर उचित कानूनी सलाह ली है।

65 प्रतिशत से ज्यादा लुढ़क गए हैं ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के शेयर

ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के शेयरों में इधर कुछ महीनों में तेज गिरावट आई है। ओला इलेक्ट्रिक के शेयर अपने 52 हफ्ते के हाई लेवल से 65 पर्सेंट से ज्यादा टूट गए हैं। ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के शेयर 20 अगस्त 2024 को 157.53 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 17 मार्च 2025 को 47.80 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयर अपने आईपीओ प्राइस से भी नीचे जा पहुंचे हैं। आईपीओ में कंपनी के शेयर का दाम 76 रुपये था। ओला इलेक्ट्रिक का आईपीओ दांव लगाने के लिए 2 अगस्त 2024 को खुला था और यह 6 अगस्त तक ओपन रहा। ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी का आईपीओ टोटल 4.45 गुना सब्सक्राइब हुआ था। कंपनी के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स का कोटा 4.05 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

कर्ज फ्री होगी टाटा मोटर्स!

930 पर जा सकता है शेयर, एक्सपर्ट बोले- खरीदो, होगा मुनाफा

नईदिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा मोटर्स के शेयर लगातार चर्चा में हैं। इस साल अब तक कंपनी के शेयर में 15 प्रतिशत तक की गिरावट आई है। टाटा मोटर्स के शेयर बीते गुरुवार को 2 प्रतिशत तक गिरकर 655.40 रुपये पर बंद हुए थे। इस बीच, टाटा मोटर्स को सीएलएसए से हाई कन्विक्शन आउटपरफॉर्म रेटिंग मिली है और इसका टारगेट प्राइस 930 रुपये प्रति शेयर है। ब्रोकरेज ने भरोसा जताया कि जेएलआर अपने वित्त वर्ष 2025 के लक्ष्यों को पूरा करेगी। ब्रोकरेज फर्म नोमुरा ने टाटा मोटर्स को 861 रुपये प्रति शेयर के टारगेट प्राइस के साथ खरीदें रेटिंग दी है। मैक्वेरी ने स्टॉक पर आउटपरफॉर्म रेटिंग दी है और 826 रुपये प्रति शेयर का टारगेट प्राइस तय किया है। गुरुवार को टाटा मोटर्स का मार्केट कैप 2.41 लाख करोड़ रुपये था।

कंपनी की योजना- टाटा मोटर्स के सीएफओ ने हाल ही में एनालिस्ट्स को आश्वस्त किया कि जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) अपने क्यू4 एफवाय25 इबीआइटीडीए मार्जिन मार्गदर्शन 10 प्रतिशत को पूरा करेगा। उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष के अंत तक यह नेट कर्ज-फ्री भी हो जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि टाटा मोटर्स जेएलआर के जरिए चीन में बेहतर प्रदर्शन कर रही है और अमेरिकी बाजारों में भी अच्छा प्रदर्शन जारी है। यूरोपीय संघ में मांग अनुमान से अधिक अनुकूल रही है, और यूके बाजार में सुधार जारी है। जबकि पैसेंजर व्हीकल सेगमेंट में अभी भी सुधार की आवश्यकता है, भारत में जेएलआर और कमर्शियल व्हीकल सेगमेंट का प्रीमियमीकरण अच्छी तरह से आगे बढ़ रहा है। कंपनी छोटे सीवी सेगमेंट में अपने बाजार हिस्से को बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित करने की योजना बना रही है, साथ ही घरेलू सीवी सेगमेंट में मार्जिन में सुधार को भी लक्षित कर रही है।

कंपनी के शेयरों के हाल- शेयर वर्तमान में अपने 52-सप्ताह के निचले स्तर 606 रुपये प्रति शेयर से लगभग 8 प्रतिशत अधिक पर कारोबार कर रहे हैं। टाटा मोटर्स लिमिटेड के शेयरों ने पिछले पांच सालों में 56 प्रतिशत का रिटर्न और 699 प्रतिशत का शानदार रिटर्न दिया है। छह महीने में यह शेयर 35 प्रतिशत और सालभर में 32 प्रतिशत तक टूट गया है। बता दें कि कंपनी का टाटा मोटर्स के रेवेन्यू में 2.7 प्रतिशत की मामूली बढ़ोतरी देखी गई, यह क्यू3क्यू4 एफवाय24 में 110,577 करोड़ रुपये से बढ़कर क्यू3 एफवाय25 में 113,575 करोड़ रुपये हो गया। इसी अवधि में उनका शुद्ध लाभ 23 प्रतिशत घटकर 7,145 करोड़ रुपये से 5,578 रुपये रह गया।

टाटा मोटर्स के शेयरों में करीब 2 प्रतिशत की उछाल

टाटा मोटर्स की बोर्ड मीटिंग से पहले सोमवार को कंपनी के शेयरों में तेजी देखने को मिली है। टाटा मोटर्स की बोर्ड मीटिंग में 2000 करोड़ रुपये तक का फंड जुटाने को लेकर फैसला होना है। यह पैसा कंपनी नॉन कंवर्टिबल डिबेंचर के जरिए जुटाने का प्रयार करेगी। आज 665.50 रुपये के लेवल पर ओपन हुए थे। दिन में कंपनी के शेयर करीब 2 प्रतिशत की तेजी के साथ 666.15 रुपये के लेवल पर पहुंच गया था। कंपनी के शेयरों के प्रदर्शन को लेकर एक्सपर्ट्स बुलिश हैं। आइए जानते हैं टारगेट प्राइस क्या है

ब्रोकरेज ने कहा खरीद लो

एचएसबीसी ब्रोकरेज हाउस ने टाटा मोटर्स लिमिटेड के शेयरों को खरीदने के सलाह दी है। इस टाटा ग्रुप के स्टॉक को ब्रोकरेज हाउस ने 'बाय' टैग दिया है। पहले 'होल्ड' टैग दिया गया था। एचएसबीसी ने टारगेट प्राइस में भी इजाफा किया है। पहले टाटा मोटर्स के लिए टारगेट प्राइस 840 रुपये था। जिसे बढ़ाकर 930 रुपये प्रति शेयर कर दिया गया है। जोकि मौजूदा प्राइस से करीब 30 प्रतिशत अधिक है।

टाटा प्ले बिंज आपके लिए लेकर आया है शानदार होली बिंजलिस्ट

मुंबई, एजेंसी। होली पर हर घर में हँसी-खुशी का माहौल होता है। सड़कें रंगों से भर जाती हैं और गुजिया की मिठास एक मीठी झप्पी की तरह लगती है। त्योहार के उत्साह और दोस्ताना शरारतों के बीच रंगबिरंगी फिल्मों के साथ होली मनाने से बेहतर और क्या हो सकता है? टाटा प्ले बिंज आपके लिए लेकर आया है, शानदार होली बिंजलिस्ट, जिसमें इस खुशनुमा मौसम के मिजाज की तरह ही भरपूर रोमांस, कॉमेडी और ड्रामा मिलेगा। तो अब रंग खेलने के बाद जब स्नैक्स का समय हो, तब अपने प्रियजनों के साथ फिल्मों का आनंद लीजिए! ये जवानी है दीवानी प्यार, दोस्ती और खुद की खोज के साथ देखिए आधुनिक रोमांस भी लेकर आती है। इसके निर्देशक अयान मुखर्जी हैं। इसमें रणबीर कपूर, दीपिका पादुकोण, आदित्य रॉय कपूर और कल्कि कोचलिन मुख्य भूमिकाओं में हैं। इसमें युवा सपनों और रिश्तों का सार दिखाया गया है। इस फिल्म में बलम पिचकारी जैसे लोकप्रिय गाने होली के माहौल के लिए उपयुक्त हैं। अपने रंगबिरंगे दृश्यों, हृदयस्पर्शी दोस्ती और फील-गुड वाइब्स के साथ, यह फिल्म होली की खुशी बढ़ाने के लिए एकदम सही है!

परादीप परिवहन लिमिटेड का आईपीओ खुला

फ्रेश इश्यू - 45,78,000 इक्विटी शेयर, प्रत्येक 10 रुपए

मुंबई, एजेंसी। परादीप परिवहन लिमिटेड (परादीप परिवहन, दी कंपनी) एक थर्ड-पार्टी लॉजिस्टिक्स प्रदाता है, जो एंड-टू-एंड सेवाएँ प्रदान करता है, जिसमें कार्गो हैंडलिंग, पोर्ट संचालन, मल्टीमॉडल परिवहन, वेयरहाउसिंग, कस्टम क्लीयरेंस और प्रोजेक्ट कार्गो हैंडलिंग शामिल हैं। कंपनी ने अपने इनीशियल पब्लिक ऑफरिंग को सोमवार, 17 मार्च 2025 को खोलने का प्रस्ताव दिया है, जिससे 44.86 करोड़ (अपर प्राइस बैंड पर) जुटाने की योजना है। कंपनी के शेयर बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध किए जाएंगे।

इसका इश्यू साइज 45,78,000 इक्विटी शेयर है, जिनका अंकित मूल्य 10/- प्रति शेयर है और प्राइस बैंड 93/- से 98/- प्रति शेयर निर्धारित किया गया है। आईपीओ से प्राप्त आय का उपयोग कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं और सामान्य कॉर्पोरेट खर्चों के लिए किया जाएगा। एंकर पोर्शन 13 मार्च 2025 को खुलेगा और इश्यू 19 मार्च 2025 को बंद होगा। इस इश्यू के लिए बुक रनिंग लीड मैनेजर शेयर इंडिया कैपिटल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड है, और रजिस्ट्रार बिगशेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड है।

परादीप परिवहन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक, श्री खालिद खान ने कहा, जैसे ही कंपनी हमारे आईपीओ के साथ इस परिवर्तनकारी चरण में प्रवेश कर रही है, हम लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में स्थापित अपनी मजबूत नींव पर अत्यधिक गर्व महसूस कर रहे हैं। यह आईपीओ हमारी वृद्धि, परिचालन उत्कृष्टता और मूल्य सृजन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस माध्यम से जुटाई गई धनराशि न केवल हमारी कार्यशील पूंजी को मजबूत करेगी, बल्कि हमें अपनी क्षमताओं का विस्तार करने, नवाचार में निवेश करने और अपनी सेवा पेशकशों को बेहतर बनाने में भी सक्षम बनाएगी।

कार्गो हैंडलिंग, पोर्ट संचालन और इंटीग्रेटेड सप्लाई चेन में वर्षों के अनुभव के साथ, हमने विश्वसनीयता और दक्षता के लिए एक मजबूत प्रतिष्ठा बनाई है। भविष्य में, हम सुरक्षा, गुणवत्ता और ग्राहक संतुष्टि के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध रहेंगे।

शेयर इंडिया कैपिटल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक, सचिन गुप्ता ने कहा, हम इस आईपीओ (आईपीओ) के लिए कंपनी के मर्चेंट बैंकर के रूप में जुड़कर प्रसन्न हैं। बढ़ती व्यापारिक गतिविधियों, इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास और इंटीग्रेटेड सप्लाई चेन के उदय से प्रेरित भारत लॉजिस्टिक्स उद्योग मे महत्वपूर्ण वृद्धि का अनुभव कर रहा है। सरकार द्वारा परिवहन नेटवर्क में सुधार और लॉजिस्टिक्स में डिजिटलाइजेशन पर ध्यान केंद्रित करने के साथ, यह क्षेत्र निरंतर विस्तार के लिए तैयार है।

कंपनी ने कार्गो हैंडलिंग, पोर्ट संचालन और एंड-टू-एंड इंटीग्रेटेड सप्लाई चेन प्रबंधन में मजबूत स्थापित की है। संचालन उत्कृष्टता, दक्षता और ग्राहक संतुष्टि के प्रति इसकी प्रतिबद्धता ने इसे उद्योग में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित किया है। यह आईपीओ एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, जो कार्यशील पूंजी को मजबूत करने, क्षमताओं का विस्तार करने और नवाचार में निवेश करने के लिए आवश्यक पूंजी प्रदान करता है–जिससे यह क्षेत्र में बढ़ते अवसरों का लाभ उठा सके।

हमें विश्वास है, कि कंपनी की स्ट्रैटेजिक दृष्टि और मजबूत निष्पादन क्षमताएं इसे उद्योग की वृद्धि का लाभ उठाने में सक्षम बनाएंगी। सफल लिस्टिंग की आशा करते हुए, हम लॉजिस्टिक्स के भविष्य को उज्वल करने की और कंपनी की निरंतर सफलता की कामना करते हैं।

नेस्ले इंडिया ने लॉन्च किया किटकैट प्रोफेशनल स्प्रेड - डेज़र्ट्स को मिलेगा नया स्वाद और क्रंच!

मुंबई, एजेंसी। नेस्ले प्रोफेशनल ने कोकोआ-बेस्ड स्प्रेड्स कैटेगरी में कदम रखते हुए किटकैट आर प्रोफेशनल स्प्रेड लॉन्च किया है। यह स्प्रेड खासतौर पर होटल, रेस्टोरेंट और कैटरिंग सेक्टर के लिए तैयार किया गया है, ताकि किटकैट के अनोखे स्वाद और क्रंची टेक्सचर को प्रोफेशनल किचन में शामिल किया जा सके।

आज के बदलते उपभोक्ता माहौल में, शेफ लगातार नए प्रयोग कर रहे हैं ताकि वे अनोखे और लाजवाब डेज़र्ट बना सकें। अपने रिच चॉकलेटी स्वामद और कुरकुरे टेक्सरचर के साथ, किटकैट0 प्रोफेशनल स्प्रेड एक बेहतरीन और रेडी-टु-यूज़ समाधान है, जिसे गर्म या ठंडे व्यंजनों में आसानी से मिलाया जा सकता है। हाथों से बनाई गई पेस्ट्री से लेकर आधुनिक डेज़र्ट तक, इस स्प्रेड का इस्तेमाल टॉपिंग, फिलिंग या डेकोरेशन के रूप में किया जा सकता है, जिससे केक, कुकीज़, पेस्ट्री और बीवरेजेज़ जैसे ढेरों व्यंजनों में किटकैट0 वेफर का मज़ा जुड़ जाता है।

किटकैट0 प्रोफेशनल स्प्रेड के लॉन्च पर प्रतिक्रिया व्यऔक्तब करते हुये, सौरभ मखीज़ा, डायरेक्ट र-नेस्लेफ प्रोफेशनल, नेस्लेर इंडिया ने कहा, ''किटकैट0 भारत के सबसे पसंदीदा ब्रांडों में से एक है। अब किटकैट आर प्रोफेशनल स्प्रेड के साथ, शेफ इसके खास स्वाद और क्रंची टेक्सचर को आसानी से अपने व्यंजनों में इस्तेमाल कर सकते हैं। यह नया प्रोडक्ट शेफ को और ज्यादा क्रिएटिव बनने और खाने-पीने के शौकीनों को एक नये स्वाद का अनुभव लेने का मौका देता है।

इस प्रोडक्ट को पहली बार, भारत के अंतरराष्ट्रीय फूड और हॉस्पिटैलिटी फेयर- आहार में पेश किया गया, जिसका आयोजन 4 से 8 मार्च 2025 तक नई दिल्ली में किया गया था। इस लॉन्च के तहत, नेस्ले ने एक इंटरएक्टिव बूथ लगाया था, जहां लाइव टेस्टर सेशन और डेमो के जरिए किटकैट0 प्रोफेशनल स्प्रेड के अलग-अलग तरीके से इस्ते्माल को दिखाया गया। शेफ और इंडस्ट्री प्रोफेशनल्स ने खुद अनुभव किया कि यह स्प्रेड विभिन्नक डेज़र्ट में स्वाद और टेक्सचर को कैसे बेहतर बनाता है।

किटकैट प्रोफेशनल स्प्रेड 1 किलो के सुविधाजनक पैक में उपलब्ध होगा, जिसे खासतौर पर होटल, रेस्टोरेंट और कैटरिंग मार्केट की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

'सिकंदर' का नया गाना रिलीज

मुंबई। सलमान खान की फिल्म 'सिकंदर' का गाना 'नाचे सिकंदर' रिलीज हो गया है। गाने ने आते ही फैंस के बीच हंगामा मचाना शुरू कर दिया है। हाल ही में इसका टीजर जारी किया गया था, जिसकी वजह से प्रशंसक पहले से ही काफी ज्यादा उत्साहित थे। इस गाने में सलमान अपने खास अंदाज और जोरदार डांस मूव्स के साथ स्क्रीन पर छा गए हैं। रश्मिका मंदाना ने अपनी खूबसूरती और बेहतरीन डांस से उनका भरपूर साथ दिया है। गाने के हुक स्टेप्स मशहूर 'डबके' डांस से प्रेरित हैं।शानदार सेट्स और तुर्की के मशहूर डांसर्स की मौजूदगी ने इसे गाने में चार चांद लगा दिए हैं। कोरियोग्राफर अहमद खान ने इसमें तुर्की स्टाइल जैसा फील डाला है, जिसकी वजह से गाना और भी ज्यादा खास बन गया है। गाने का म्यूजिक जैम8 ने तैयार किया है। समीर ने इसके बोल लिखे हैं।

लाइफ Style

समीरा

जिम और डाइट से हासिल की फिटनेस

एजेंसी ⏭ मुंबई

समीरा रेड्डी सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं और अपनी निजी जिंदगी से जुड़े अपडेट यहां शेयर करती नजर आती हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी फिटनेस यात्रा के बारे में फैंस को बताया। साथ ही यह खुलासा भी किया कि उनका वजन बहुत ज्यादा कम नहीं हुआ है, बल्कि उनके इंचेज कम हुए हैं।

समीरा रेड्डी ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपना एक वीडियो शेयर किया। इसमें अपनी फिटनेस को लेकर खुशी जताती नजर आईं। समीरा रेड्डी पर्पल ट्राउजर और व्हाइट टॉप में नजर आ रही हैं, जिसके साथ व्हाइट ब्लेजर कैरी किया है। समीरा रेड्डी ने बताया कि उन्होंने जिम, कार्डियो और डाइट के जरिए यह फिटनेस हासिल की है। वे अब काफी फिट और मजबूत महसूस कर रही हैं। समीरा रेड्डी ने अपने पोस्ट में बताया कि आखिरकार कपड़े फिट आने लगे हैं। हालांकि, इस फिटनेस यात्रा में उनके वजन में बहुत ज्यादा अंतर नहीं आया है। उनका वजन 90 किलो से 88 किलो हो गया है। यानी सिर्फ दो किलो का अंतर आया है। लेकिन, उनके इंच घटे हैं। समीरा रेड्डी ने पोस्ट शेयर कर लिखा है, 'किलो नहीं, इंच कम हुए हैं। 'जिम, डाइट और कार्डियो से वजन में ज्यादा बदलाव नहीं आया है, लेकिन इंच में जरूर बदलाव आया है, जो कि मैं चाहती हूं। हालांकि, मैं 90 किलो से 88 किलो पर आ गई हूं। मेरी मसल्स बढ़ी हैं। मैं अब ज्यादा मजबूत महसूस करती हूं। स्टेमिना बढ़ गया है और कपड़े भी अब फिट आ रहे हैं'। समीरा ने आगे लिखा, 'छोटी-छोटी जीत का जश्न मनाना इस फिटनेस यात्रा में उत्साह और जोश बनाए रखने का सबसे बढ़िया तरीका है'।

हॉलीवुड मसाला

गला घोंटने की बात स्वीकारी

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड अभिनेता जोनाथन मेजर्स को अपनी पूर्व प्रेमिका ग्रेस जब्बारी को परेशान करने के मामले में दोषी पाया गया था। अब इस मामले में इन दोनों के बीच के झगड़े का एक ऑडियो रिकॉर्डिंग सामने आया है, जिसमें अभिनेता उन्हें उत्पीड़न करने और गला घोंटने की बात स्वीकार कर रहे हैं। यह ऑडियो सितंबर 2022 का बताया जा रहा है। इसमें जब्बारी ने अभिनेता जोनाथन से बात करते हुए अपने ऊपर किए हमले को लेकर सवाल किया है।

अगले साल का ऑस्कर भी होस्ट करेंगे कॉनन

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड फिल्म एकेडमी की तरफ से बताया गया कि अगले साल यानी 2026 में होने वाले ऑस्कर अवॉर्ड के होस्ट फिर से कॉनन ओ'ब्रायन ही होंगे। यह अवॉर्ड अगले साल 15 मार्च को होगा। 98वें ऑस्कर अवॉर्ड का होस्ट बनकर कॉनन ओ'ब्रायन भी काफी खुश हैं। कॉनन ओ'ब्रायन कहते हैं, 'अगले साल ऑस्कर को होस्ट करने का एक अकेला कारण यह है कि मैं एड्रियन ब्रॉडी को उनकी स्पीच खत्म करते हुए सुनना चाहता हूं।' इस अवॉर्ड के ब्रॉडकास्टर एबीसी के अनुसार भी मार्च महीने की शुरुआत में 97वें ऑस्कर अवॉर्ड को लगभग 19.7 मिलियन दर्शकों ने देखा। यह 2025 का सबसे ज्यादा देखा जाने वाला प्राइम टाइम एंटरटेनमेंट शो भी था। इस बार के ऑस्कर अवॉर्ड में कॉनन की होस्टिंग की, कॉमेडी की काफी तारीफ हुई।

तापसी ने कहा -मेरे लिए कुछ भी नहीं बदला

मुंबई। कुछ दिनों पहले अभिनेत्री कीर्ति कुल्हारी ने यह दावा किया था कि फिल्म 'पिंक' के प्रमोशन के दौरान उन्हें नजरअंदाज किया गया था। कीर्ति कुल्हारी के इस दावे पर अब फिल्म 'पिंक'की मुख्य अभिनेत्री तापसी पन्नू ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। कीर्ति के साथ अपने रिश्तों पर तापसी ने कहा, 'उसने हमारे रिश्ते या स्थिति को एक निश्चित तरीके से देखा, इसलिए शायद उसने मुझसे दूरी महसूस की। मैंने हमेशा उसके साथ पेशेवर रवैया अपनाया और अब भी रखती हूं। मैंने उसके साथ मिशन मंगल में भी काम किया है और मुझे नहीं लगता कि पेशेवर तौर पर मेरे लिए कुछ बदला है, क्योंकि जहां से मैंने देखा, मुझे कोई असमानता नहीं दिखी। इसलिए, मेरे लिए, यह वही लड़की थी जिसके साथ मैंने पिंक में काम किया था।

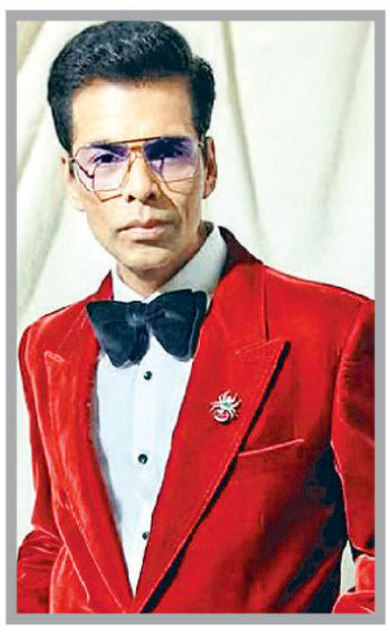

करण ने किया खुशी व इब्राहिम का बचाव

मुंबई। सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान ने इस महीने फिल्म 'नादानियां' से डेब्यू किया है। यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज हुई है, जिसमें इब्राहिम के साथ खुशी कपूर नजर आई हैं। फिल्म को दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया नहीं मिली है, उल्टा आलोचनाएं हो रही हैं। इब्राहिम और खुशी को भी ट्रोल किया जा रहा है। खुशी और इब्राहिम की ट्रोलिंग पर अब तक कई सेलेब्स उनका बचाव कर चुके हैं। अब हाल ही में करण जौहर ने दोनों सितारों का बचाव किया है। यहां उनसे 'नादानियां' को मिल रहे नेगेटिव रिव्यूज पर सवाल किया गया। करण जौहर ने 'नादानियां' की आलोचना पर कहा, 'मैं बस ये ही कहूंगा, एक पुरानी फिल्म का अल्फाज है कि कुछ तो लोग कहेंगे, लोगों का काम है कहना...छोड़ो बेकार की बातें, बीत न जाए रैना'।

टीवी मसाला

'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में आने वाले हैं कई ट्विस्ट

नई दिल्ली। टीवी सीरियल 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' की कहानी में फिर एक बार 5 महीने का लीप आने की खबर है। जानकारी के मुताबिक मेकर्स शो में कुछ बड़े ट्विस्ट लाने जा रहे हैं ताकि यह टीआरपी ग्राफ पर फिर नई छलांग लगा सके। अरमान और अभिरा आईवीएफ के जरिए अपने परिवार की नई शुरुआत करना चाहते थे लेकिन बार-बार कंसीव करने की उनकी कोशिश नाकाम रहेगी। दोनों आईवीएफ ट्रीटमेंट ट्राय करेंगे लेकिन यह भी फेल हो जाएगा। डॉक्टर दोनों को सरोगेसी की सलाह देगी लेकिन अरमान इस पर राजी नहीं होगी। अभिरा बार-बार उसे समझाने की कोशिश करेगी लेकिन अरमान नहीं चाहता कि अभिरा के अलावा कोई और उसके बच्चे की मां बने। अभिरा अपने पति अरमान को राजी करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। वह अरमान को बताएगी कि वह अब मां बनना चाहती है और इसके लिए कुछ भी करने को तैयार है। आखिरकार अरमान को अपनी पत्नी के आगे झुकना होगा। दोनों सरोगेट मदर की तलाश शुरू करेंगे और आखिरकार उन्हें एक लड़की इसके लिए मिल जाएगी। यह लड़की कोई और नहीं, बल्कि रोहित की पत्नी रूही होगी। दोनों इसी लड़की के साथ अपने ट्रीटमेंट को आगे बढ़ाने का फैसला लेंगे। रोहित भी इसके लिए राजी हो जाएगा और अरमान-अभिरा के दर्द और उनकी जरूरत को समझेगा कि दोनों अभी किस तकलीफ से गुजर रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक कहानी में 5 महीने का लीप आएगा और कहानी आगे बढ़ जाएगी।

सामने आएगा वसुंधरा का काला सच फूटेगा अनुपमा के गुस्से का ज्वालामुखी

नई दिल्ली। टीवी सीरियल अनुपमा का नया प्रोमो वीडियो जारी कर दिया गया है। अनुपमा की बेटी राही का एडमिशन इंटरव्यू लेटर जला देने के बाद मोटी बा ऐसी अनजान बनी बैठी है, जैसे उन्हें कुछ पता ही नहीं हो। होली पार्टी के दौरान प्रेम को मैसेज के जरिए इंस्टीट्यूट से यह पता चलेगा कि उन्हें लेटर भेजा गया था और इसे किसी ने उनके यहां से रिसीव भी किया था। इंस्टीट्यूट बताएगा कि उनका एडमिशन कैंसिल कर दिया गया है क्योंकि वो दोनों इंटरव्यू के लिए नहीं पहुंचे थे। मोटी बा यह सब देख रही होगी लेकिन चुपचाप बैठी रहेगी। लेकिन वहीं पर मौजूद अनुपमा वसुंधरा कोठारी के हावभाव पढ़ लेगी। मोटी बा की कही पुरानी बातों को उसके वर्तमान हावभावों से जोड़कर देखते हुए अनुपमा समझ जाएगी कि हो ना हो, वसुंधरा कोठारी इस मामले में कुछ ना कुछ तो जरूर जानती हैं। क्योंकि अनुपमा खुद भी अपनी सास की ऐसी हरकतें देख चुकी है, इसलिए भी उसे मोटी बा पर शक होगा।

रेखा के काफी नखरे थे, अमिताभ के साथ नहीं थे अच्छे संबंध...

नई दिल्ली। रेखा हिंदी सिनेमा की सबसे बेहतरीन और खूबसूरत एक्ट्रेसेस में से एक हैं। वह अपने समय की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली एक्ट्रेसेस में से थीं और यही वजह है कि हर डायरेक्टर उन्हें अपनी फिल्म में लेना चाहता था। अब रेखा को लेकर इंडियन सिनेमा का पॉपुलर विलेन रंजीत ने कुछ बातें बताई हैं। उन्होंने बताया कि कैसे एक बार उन्होंने रेखा को अपनी फिल्म के लिए साइन किया था, लेकिन फिर उन्होंने एक्ट्रेस से साइनिंग अमाउंट वापस मांगा। ऐसा क्यों हुआ आगे बताते हैं।

रेखा को किया साइन : रंजीत ने एक इंटरव्यू में बताया कि एक समय ऐसा था जब वह परेशान हो गए थे उन रोल को लेकर जो उन्हें ऑफर किए जा रहे थे। उन्होंने कहा, 'मैंने एक दशक तक फिल्में साइन नहीं कीं। मैं परेशान हो गया था, इसलिए मैंने अपनी फिल्में बनाने का सोचा। मैं एक्टर्स को पैसे देते थे उनके काम के बाद, लेकिन कुछ मुझसे नहीं लेते थे जो हमारे बीच बॉन्ड होता था उस वजह से। वैसे ही मैंने एक बार रेखा को बोला कि आप मेरी दोस्त हो, लेकिन मैं आपको एक फिल्म में लेना चाहता हूं। आप मुझे एक अमाउंट बता दो और मैं आपको पैसे दे दूंगा और उन्होंने बताया। इसके बाद मुझे एहसास हुआ कि किसी और ने जिन्होंने उन्हें अपनी किसी फिल्म में साइन किया होगा वह उन्हें 5 लाख दे रहे हैं और ये अमाउंट उससे कम था जो उन्होंने मुझे बताया था' रंजीत ने आगे कहा, 'मुझे पता है कि उनके घर के बाहर प्रोड्यूसर्स की लाइन होती है जो उनसे मिलने चाहते हैं। मैंने जब उन्हें स्टोरी बताई, मेरी पूरी टीम बाहर इंतजार कर रही थी क्योंकि रेखा ने सबको नहीं आने दिया था। मैंने रेखा को बोला भी, लेकिन उन्होंने कहा कि उन्हें बाहर ही इंतजार करने दो। सिर्फ फरजाना (रेखा की मैनेजर) ही सबके मैसेज रेखा तक पहुंचाती थी। वह किसी से नहीं मिलती थीं।'

पहली फिल्म से रातोंरात स्टार बने नवीन निश्चल

पहली पत्नी ने दिया तलाक-दूसरी की वजह से गए जेल

नई दिल्ली। नवीन निश्चल ने हिंदी सिनेमा में अपनी एक खास पहचान बनाई। उनका जन्म 18 मार्च 1946 को लाहौर में हुआ था। उन्होंने अपने कॅरियर की शुरुआत 1970 में फिल्म 'सावन भादो' से की थी। नवीन निश्चल का जीवन उतार-चढ़ाव से भरा रहा। उन्होंने सिनेमा में शानदार योगदान दिया, तो दूसरी ओर उनकी निजी जिंदगी चर्चा का विषय बनी रही। उनका फिल्मी सफर और पर्सनल लाइफ आज भी लोगों के लिए बीच जिज्ञासा का विषय है।

नवीन का कॅरियर

नवीन निश्चल ने फिल्म और टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया से अभिनय की शिक्षा ली और वह एफटीआई के फर्स्ट गोल्ड मैडलिस्ट रहे। उनकी पहली फिल्म 'सावन भादो' थी। इस फिल्म में नवीन की को-स्टार रेखा थीं। यह फिल्म हिट रही। इस सफलता ने उन्हें रातोंरात स्टार बना दिया। इसके बाद नवीन ने विक्टोरिया नंबर 203 , बुड्ढा मिल गया, धुंध, हंसते जख्म और परवाना जैसी कई यादगार फिल्मों में काम किया। उनके अभिनय को दर्शकों ने खूब पसंद किया। नवीन की आखिरी फिल्म खोसला का घोसला थी, जिसमें उन्होंने सहायक किरदार निभाया था।

टीवी में किया अभिनय

नवीन के करियर में कई उतार-चढ़ाव आए। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सेट पर नवीन के नखरे और सह-कलाकारों और निर्माताओं के साथ तनाव की वजह से उनकी लोकप्रियता कम हुई। बाद में उन्होंने टीवी की ओर रुख किया और देख भाई देख जैसे शो में काम किया।

दो शादी और तलाक

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, नवीन ने अपनी पहली शादी अभिनेता देव आनंद की भतीजी नीलू कपूर से की थी। इस शादी से उनकी दो बेटियां, नताशा और नोमिता हुईं। हालांकि, उनके को-स्टार पद्मिनी कपिला के साथ कथित अफेयर की खबरों के बाद नीलू ने उन्हें तलाक दे दिया। इसके बाद 1996 में नवीन ने गीतांजलि से दूसरी शादी की। यह रिश्ता भी विवादों में रहा। 2006 में गीतांजलि ने आत्महत्या कर ली और अपने सुसाइड नोट में नवीन पर मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना का आरोप लगाया। इस मामले में नवीन को जेल भी जाना पड़ा, लेकिन बाद में उन्हें जमानत मिल गई।

सिर्फ बॉलीवुड तक ही सीमित नहीं, हॉलीवुड में भी थे एक जाना-पहचाना चेहरा

बाल कलाकार के रूप में कॅरियर शुरू कर फिल्मों में चमके थे शशि कपूर

नई दिल्ली। शशि कपूर अपने जमाने में बॉलीवुड के सुपरस्टार थे। अपनी अदाकारी से वह फिल्मों में जान डाल देते थे। उन्होंने देश-विदेश में अपनी अदाकारी का लोहा मनवाया था और इंडस्ट्री में अलग पहचान बनाई। जब शशि कपूर ने इस दुनिया को अलविदा कहा, तब हिंदी सिनेमा को बहुत बड़ा झटका लगा था। आज भी उनकी फिल्में और डायलॉग लोगों के दिलों में जिंदा हैं। मंगलवार को अभिनेता की 87वीं जयंती थी।

परिवार : शशि कपूर हिंदी सिनेमा के सबसे पहले और सबसे बड़े परिवार 'कपूर खानदान' की दूसरी पीढ़ी का हिस्सा थे। शशि कपूर के निधन के साथ ही पृथ्वीराज कपूर के परिवार की दूसरी पीढ़ी का अंत हो गया, क्योंकि शशि पृथ्वीराज कपूर के सबसे छोटे बेटे थे। उन्होंने मशहूर अभिनेत्री जेनिफर केंडल से शादी की। इस शादी से उन्हें तीन बच्चे कुणाल कपूर, करण कपूर और संजना कपूर पैदा हुए। कुणाल कपूर ने शीना सिप्पी से शादी की। शीना मशहूर फिल्म निर्माता-निर्देशक रमेश सिप्पी की बेटी हैं। उन्होंने अपने बेटे का नाम सिनेमा में कपूर खानदान की नींव रखने वाले पृथ्वीराज कपूर के नाम पर रखा, जहान पृथ्वीराज कपूर है। उनकी बेटी का नाम सायरा है। शशि कपूर के दूसरे बेटे करण कपूर ने लोरना से शादी की और जाक कपूर और आलिया कपूर नाम के उनके दो बच्चे हैं। शशि कपूर की तीसरी संतान संजना कपूर ने दो शादियां कीं। पहली शादी उन्होंने निर्माता-अभिनेता आदित्य भट्टाचार्य से की। दूसरी शादी उनकी वाल्मीक थापर से हुई, इस शादी से उन्हें एक बेटा हमीर थापर है।

बॉलीवुड से हॉलीवुड तक का सफर

शशि कपूर ने दीवार, कभी-कभी, नमक हलाल, सत्यम शिवम सुंदरम, शर्मीली और शान जैसी कुछ ब्लॉकबस्टर फिल्मों से दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। शशि कपूर उन चंद बॉलीवुड अभिनेताओं में से एक थे, जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय सिनेमा में सफलतापूर्वक कदम रखा। उन्होंने 12 अंग्रेजी भाषा की फिल्मों में काम किया। उन्होंने मर्चेंट-आइवरी प्रोडक्शंस के साथ बड़े पैमाने पर सहयोग किया, जिसमें द हाउसहोल्डर, शेक्सपियर वाला, बॉम्बे टॉकी, हीट एंड डस्ट जैसी प्रशंसित फिल्मों में अभिनय किया। शशि कपूर की लोकप्रियता सिर्फ बॉलीवुड तक ही सीमित नहीं थी, वे हॉलीवुड में भी एक जाना-पहचाना चेहरा थे।

कॅरियर

शशि कपूर अपने कॅरियर की शुरुआत एक बाल कलाकार के रूप में की थी। उन्होंने अपने पिता पृथ्वीराज कपूर द्वारा निर्देशित और निर्मित नाटकों में अभिनय किया और बाद में 1940 के दशक के अंत में शशिराज के नाम से बाल कलाकार के रूप में शुरुआत की। बाल कलाकार के रूप में उनकी सबसे प्रसिद्ध भूमिकाएं आग (1948) और आवारा (1951) में थीं, जहां उन्होंने अपने बड़े भाई राज कपूर द्वारा निभाए गए किरदारों की युवा भूमिकाएं निभाई थी।

प्रोडक्शन हाउस : *शशि कपूर ने 1970 के दशक के अंत में फिल्म वालास नाम से अपना खुद का प्रोडक्शन हाउस स्थापित किया। इस बैनर के जरिए उन्होंने कई बेहतरीन फिल्में बनाईं, जो कमर्शियल बॉलीवुड मसाला फिल्मों के बजाय सार्थक और ऑफबीट सिनेमा पर केंद्रित थीं। फिल्म वालास के तहत निर्मित कुछ बेहतरीन फिल्मों में जुनून, कलयुग, विजेता, 36 चौरंगी लेन और उत्सव शामिल हैं।*

उपलब्धियां : *2011 में शशि कपूर को कला-सिनेमा में उनके योगदान के लिए भारत सरकार द्वारा पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। 2015 में उन्हें 2014 दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जिससे वे पृथ्वीराज कपूर और राज कपूर के बाद भारतीय सिनेमा में सर्वोच्च पुरस्कार प्राप्त करने वाले अपने परिवार के तीसरे सदस्य बन गए।*

खबर संक्षेप

शेफाली की अंडर 23 वनडे ट्रॉफी में हैट्रिक

गुवाहाटी। भारत की आक्रामक बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने महिलाओं की अंडर 23 वनडे ट्रॉफी में हरियाणा के लिये खेलते हुए कर्नाटक के खिलाफ प्री क्वार्टर फाइनल में हैट्रिक लगाई। भारतीय टीम से बाहर शेफाली ने सलोनी पी और सौम्या वर्मा को 44वें ओवर की आखिरी दो गेंदों पर आउट किया और 46वें ओवर की पहली गेंद पर नमिता डिसूजा का विकेट लिया। उन्होंने 20 रन देकर तीन विकेट चटकाये। उनके इस प्रदर्शन से हरियाणा ने मैच जीतकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया।

हॉकी के इतिहास पर और किताबें लिखी जाए : टिर्की

नई दिल्ली। भारत के महान डिफेंडर और हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा कि पिछले सौ साल में भारतीय हॉकी के

गौरवशाली इतिहास पर लिखा जाना चाहिये ताकि मौजूदा पीढी को इसके बारे में पता चले। भारत के लिये 400 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके टिर्की ने 1975 विश्व कप जीत की स्वर्ण जयंती पर आई किताब 'मार्च टू ग्लोरी' के विमोचन के मौके पर कहा ,''भारतीय हॉकी का यह सौवां साल है और इसके गौरवशाली इतिहास की कहानियां नयी पीढी के सामने आनी चाहिये।

महिला वनडे विश्व कप के लिए बनाएगी समिति

नई दिल्ली। बीसीसीआई की शीर्ष परिषद की कोलकाता में 22 मार्च को होने वाली आपात बैठक में महिला वनडे विश्व कप के लिये आयोजन समिति का गठन किया जायेगा और इस साल होने वाले टूर्नामेंट के लिये वेन्यू का भी चयन किया जायेगा। बैठक गत चैम्पियन कोलकाता नाइट राइडर्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के बीच ईडन गार्डंस पर होने वाले आईपीएल के पहले मैच के दौरान होगी। बीसीसीआई ने पिछली बार 2013 में महिला वनडे विश्व कप की मेजबानी की थी।

कपिल दौरे पर परिवार साथ रखने के पक्ष में

नई दिल्ली। दिग्गज क्रिकेटर कपिल देव विदेश दौरे पर क्रिकेटरों के अपने परिवार साथ में रखने के पक्ष में है लेकिन उन्होंने इसके साथ

ही कहा कि इस मामले में संतुलित रवैया अपनाया जाना चाहिए। भारत की ऑस्ट्रेलिया दौरे में पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला में 1–3 से हार के बाद भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने निर्देश जारी किया कि 45 से अधिक दिन के दौरे में क्रिकेटर अधिकतम 14 दिन तक ही अपना परिवार साथ में रख सकते हैं।

हरियाणा, ओडिशा व मप्र ने अपने मुकाबले जीते

रांची। हरियाणा, ओडिशा और मध्यप्रदेश ने महिला राष्ट्रीय हॉकी चैम्पियनशिप में मंगलवार को अपने अपने मुकाबले जीते। हरियाणा ने मणिपुर को 7-1 से

हराया जबकि ओडिशा ने बंगाल को 1-0 से मात दी। मध्यप्रदेश ने महाराष्ट्र को 2 - 0 से हराया। हरियाणा के लिये सावी और कीर्ति ने दो जबकि खासा शशि , सुप्रिया और कीर्ति ने एक एक गोल किया। मणिपुर के लिये एकमात्र गोल दीना देवी ने दागा। अगले मैच में ओडिशा के लिये दीपिका बारवा ने गोल किया। तीसरे मैच में मध्यप्रदेश के लिये भूमिक्षा साहू और कप्तान सोनिया कुमरे ने गोल किये।

रोहित को अभी वनडे विश्व कप जीतना है, बचपन के कोच लाड ने कहा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

छह महीने में दो आईसीसी खिताब जीतकर संन्यास की अटकलों को खारिज करने वाले भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की तारीफ करते हुए उनके बचपन के कोच दिनेश लाड ने कहा कि अभी उसे वनडे विश्व कप जीतना बाकी है। लाड ने कहा , 'निश्चित तौर पर अभी उसके भीतर काफी क्रिकेट बाकी है।

- रोहित के भीतर अभी काफी क्रिकेट बाकी है
- शर्मा के संन्यास की अटकलों को किया खारिज

आपने चैम्पियंस ट्रॉफी फाइनल की उसकी पारी देखी होगी जिसमें उसने पक्के क्रिकेट शॉट खेले और एक भी खराब शॉट नहीं था।' उन्होंने कहा ,'उसने 2023 वनडे विश्व कप से पहले अपने खेल में बदलाव किया और उसका फोकस अच्छी शुरूआत देने पर ही रहा , बड़े शतकों पर नहीं ताकि टीम को फायदा हो।'

रोहित के फार्म व फिटनेस पर उठे थे सवाल

चैम्पियंस ट्रॉफी में तीसरी बार खिताब जीतने से पहले अटकलें लगाई जा रही थी कि क्या रोहित का यह आखिरी टूर्नामेंट होगा। घरेलू टेस्ट श्रृंखला में हार, आस्ट्रेलिया दौरे पर मिली हार के बाद रोहित के फॉर्म और फिटनेस पर सवाल उठे और उनके वजन को लेकर भी काफी बातें हुई।

कीवी के खिलाफ विजयी पारी खेली थी

पिछले साल भारत को टी20 विश्व कप दिलाने वाले रोहित ने हालांकि न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में 76 रन की पारी खेलकर टीम को जीत दिलाई। फाइनल के बाद प्रेस कांफ्रेंस में उन्होंने साफ तौर पर कहा कि वह अभी संन्यास लेने नहीं जा रहे।

वनडे विश्व कप 2027 का सपना अभी बाकी है

लाड ने कहा ,'' जब उसने टी20 विश्व कप जीतने के बाद उस प्रारूप से विदा ली तो मुझे पता था कि उसे दो टूर्नामेंट अभी और जीतनी थी। एक विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल और दूसरा वनडे विश्व कप। दुर्भाग्य से इस बार हम डब्ल्यूटीसी फाइनल में नहीं पहुंच सके लेकिन अभी वनडे विश्व कप 2027 में होना है और उसका यह सपना पूरा हो सकता है।''

टिप्पणी के बावजूद रोहित अविचलित रहे

2023 में दस मैच जीतने के बावजूद आखिरी बाधा पार नहीं कर पाये और एक बार फिर खिताब से चूक गया। मुझे लगता है कि वह 2027 विश्व कप खेल सकता है। बरसों पहले स्वामी विवेकानंद इंटरनेशनल स्कूल में क्रिकेट के कारण रोहित को लेकर आये लाड इस बात से काफी प्रभावित हैं कि सोशल मीडिया ट्रोलिंग, आलोचना और वजन को लेकर टिप्पणी के बावजूद रोहित अविचलित रहे।

2009 से 2011 तक फॉर्म उतना अच्छा नहीं रहा

कोच ने कहा ,'' 2009 से 2011 तक उसका फॉर्म उतना अच्छा नहीं था जिससे उसे 2011 विश्व कप टीम में जगह नहीं मिली। उसके बाद उसने वनडे में तीन दोहरे शतक लगाये। टेस्ट में पदार्पण में शतक लगाया। टी20 में रिकॉर्ड बनाया।'' उन्होंने कहा, वनडे विश्व कप 2019 में उसके पांच शतक जमाने के बावजूद भारत सेमीफाइनल में हार गया। वह हारने के बाद काफी दुखी था।

भारत की लंबी दूरी की धाविका है अर्चना जाधव

भारतीय धाविका जाधव डोप टेस्ट में फेल, लगा चार साल का प्रतिबंध

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत की लंबी दूरी की धाविका अर्चना जाधव पर जनवरी में डोप परीक्षण में विफल रहने के कारण मंगलवार को चार साल का प्रतिबंध लगा दिया गया। अर्चना ने बार-बार याद दिलाने पर भी डोप परीक्षण में असफल रहने के खिलाफ अपील नहीं की जिससे विश्व एथलेटिक्स ने यह मान लिया कि वह अपना अपराध स्वीकार करती है और इसलिए उस पर प्रतिबंध लगा दिया। विश्व एथलेटिक्स की एथलीट इंटीग्रिटी यूनिट (एआईयू) के अनुसार, जाधव का जो नमूना पिछले साल दिसंबर में पुणे हाफ-मैराथन के दौरान लिया गया था, उसमें प्रतिबंधित पदार्थ ऑक्सेंड्रोलोन था। यह सिंथेटिक एनाबॉलिक स्टेरॉयड शरीर में प्रोटीन उत्पादन और मांसपेशियों के निर्माण में मदद करता है।

सभी परिणाम अयोग्य माने जाएंगे

प्रतिबंध सात जनवरी से लागू हुआ। जाधव इस अवधि के लिए अस्थायी तौर पर निलंबित थी। 15 दिसंबर 2024 से उनके सभी परिणाम अयोग्य माने जाएंगे और उन्हें इस अवधि के लिए सभी पुरस्कार, पदक, अंक, पुरस्कार और उपस्थिति राशि जमा करने होंगे।

जाधव ने ईमेल पर खेद जताया था

जाधव ने 25 फरवरी को एआईयू को एक ईमेल में उल्लंघन के आरोप का जवाब देते हुए कहा था, "मुझे बेहद खेद है सर...मैं आपके फैसले का स्वागत करती हूं।" एआईयू ने कहा कि इस संवाद को लेकर उसकी समझ यह थी कि जाधव को सुनवाई की आवश्यकता नहीं थी और वह निकाय से निर्णय से संतुष्ट थी।

तीन मार्च तक का समय दिया गया था

एआईयू ने कहा कि फिर भी जाधव को सूचित किया गया कि उनके पास यह स्वीकार करने के लिए तीन मार्च तक का समय है कि उन्होंने डोपिंग रोधी नियम का उल्लंघन किया है। इसके बाद भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने 28 फरवरी को उन्हें इसकी याद दिलाई।

आखिरी बार अक्टूबर 2024 दिल्ली मैराथन में भाग लिया

हालांकि, एआईयू को जाधव से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। उन्होंने आखिरी बार अक्टूबर 2024 में दिल्ली हाफ मैराथन में भाग लिया था, जिसमें भारतीय महिला खिलाड़ियों में लिली दास, कविता यादव और प्रीति लांबा के पीछे चौथे स्थान पर रहीं थी।

श्रेष्ठ प्रदर्शन

10,000 मीटर में व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 35:44.26 और हाफ मैराथन में 1:20:21 है। 3,000 मीटर में उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 10:28.82 है।

पाक को मिल रही हार पर हार, न्यूजीलैंड ने 5 विकेट से जीता दूसरा टी-20 मैच

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद भी पाकिस्तान टीम की हार का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान टीम एक भी मैच नहीं जीत पाई थी। उसे न्यूजीलैंड और भारत के खिलाफ मैच में करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा था और सेमीफाइनल की रेस से बाहर हो गई थी। बांग्लादेश के खिलाफ पाकिस्तान का तीसरा और आखिरी ग्रुप स्टेज मुकाबला बारिश में धुल गया था। चैंपियंस ट्रॉफी के बाद अब पाकिस्तान टीम न्यूजीलैंड दौरे पर टी20 सीरीज खेल रही है और यहां भी टीम को लगातार हार मिल रही है। टॉस जीतकर न्यूजीलैंड ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। न्यूजीलैंड के गेंदबाजों के आगे पाकिस्तानी बल्लेबाज संघर्ष करते नजर आए। कप्तान सलमान अली आगा को छोड़कर कोई भी क्रीज पर टिक नहीं सका। सलमान ने 46 रनों की पारी खेली। शादाब खान ने 26 और शाहीन अफरीदी ने 22 रनों का योगदान दिया। पूरी टीम 15 ओवरों में 9 विकेट खोकर 135 रन ही बना सकी।

- पाकिस्तान ने दिया 136 रनों का लक्ष्य

15-15 ओवर का हुआ मुकाबला

5 मैचों की टी20 सीरीज में हार से अपने अभियान का आगाज करने वाली पाकिस्तानी टीम अपना दूसरा मैच भी हार गई है। पहले मैच में पाकिस्तान को 9 विकेट से हार का मुंह देखना पड़ा। अब न्यूजीलैंड ने बारिश से प्रभावित दूसरे टी20 मुकाबले में 5 विकेट से पाकिस्तान को करारी शिकस्त दी। इस हार के साथ ही पाकिस्तान की टीम टी20 सीरीज में 0-2 से पिछड़ गई है। डुनेडिन के यूनिवर्सिटी ओवल में खेले गए इस मुकाबले में बारिश के कारण ओवरों की कटौती करनी पड़ी। इसके बाद 15-15 ओवर का मैच हुआ जिसमें मेजबान कीवी टीम बाजी मारने में सफल रही।

आफ्रीका के दिग्गज बल्लेबाज डिविलियर्स का मानना

कोहली को अपना स्ट्राइक रेट बढ़ाने की जरूरत नहीं

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज बल्लेबाज एबी डिविलियर्स का मानना है कि विराट कोहली को आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपना स्ट्राइक रेट बढ़ने पर ध्यान देने के बजाय स्मार्ट क्रिकेट खेल कर सूत्रधार की भूमिका निभानी चाहिए तथा शीर्ष क्रम में विस्फोटक बल्लेबाज फिल साल्ट का साथ मिलने से उन पर दबाव कम होगा। कोहली आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की तरफ से लगातार अच्छा प्रदर्शन करते रहे हैं लेकिन पिछले दो सत्र से उनका स्ट्राइक रेट चर्चा का विषय बना हुआ है। बेंगलुरु की फ्रेंचाइजी ने हालांकि आईपीएल के इस सत्र के लिए इंग्लैंड के साल्ट और लियाम लिविंगस्टोन, ऑस्ट्रेलिया के टिम डेविड और वेस्टइंडीज के रोमारियो शेफर्ड जैसे आक्रामक बल्लेबाजों को अपनी टीम में लिया है जिससे डिविलियर्स को लगता है कि कोहली अधिक स्वच्छंद होकर खेल सकते हैं। डिविलियर्स ने मंगलवार को जियोस्टार प्रेस रूम में कहा, ''ऐसा लगता है कि विराट अपने क्रिकेट का आनंद ले रहे हैं। मुझे नहीं लगता कि उन्हें फिल साल्ट के साथ बल्लेबाजी करते हुए अपनी स्ट्राइक रेट बढ़ानी होगी।

- विराट स्मार्ट क्रिकेट खेलकर सूत्रधार की भूमिका निभाए

विराट बल्लेबाजी विभाग के कप्तान बने

डिविलियर्स ने कहा , ''विराट को इस टूर्नामेंट में बल्लेबाजी विभाग का कप्तान बनने की जरूरत है। उन्हें वास्तव में सूत्रधार की भूमिका निभानी होगी और बल्लेबाजी क्रम में किसी तरह की गिरावट नहीं आए यह सुनिश्चित करने के लिए स्मार्ट क्रिकेट खेलनी होगी।''

सैमसन ऊंगली की चोट से उबरे, किया अभ्यास

जयपुर। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन ऊंगली की चोट से उबरने के बाद अब अपनी आईपीएल टीम के साथ जुड़ गए हैं। तीस वर्ष के सैमसन ने बेंगलुरू में सेंटर आफ एक्सीलैंस में उपचार पूरा किया। वह सोमवार को रॉयल्स के पहले सत्र में मौजूद थे। सैमसन को इंग्लैंड के खिलाफ भारत की पांच मैचों की टी20 श्रृंखला के दौरान जोफ्रा आर्चर का बाउंसर लगा था। चोट के बाद उन्हें सर्जरी करानी पड़ी। रॉयल्स ने एक्स पर लिखा , हवाई अड्डे से सीधे पहले अभ्यास सत्र की ओर ताकि हमेशा की तरह सभी के चेहरे पर मुस्कान ला सके। सैमसन ने रॉयल्स के बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और मुख्य कोच राहुल द्रविड़ से बात की। देखना यह है कि पूरी तरह फिट होने के बावजूद क्या वह विकेटकीपिंग कर पाते हैं। अगर नहीं तो ध्रुव जुरेल को यह जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है।

भारत का मालदीव से आज मुकाबला

एजेंसी ▶▶| शिलांग

भारत और मालदीव के बीच बुधवार को यहां जब अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल मैच खेला जाएगा तो सभी की निगाहें संन्यास से वापसी करने वाले स्टार स्ट्राइकर सुनील छेत्री पर टिकी रहेंगी। भारत के लिए यह मैच एक सप्ताह से भी कम समय में इसी स्थान पर बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले एएफसी एशियाई कप क्वालीफायर मैच के लिए ड्रेस रिहर्सल के रूप में काम करेगा।

भारत एशिया कप क्वालीफायर में अपना पहला मैच 25 मार्च को बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगा और 40 वर्षीय छेत्री ने इस प्रतियोगिता में भारत को सफलता दिलाने के लिए ही इस महीने के शुरू में संन्यास से वापसी करने की घोषणा की थी। भारतीय टीम के लिए यह अभ्यास मैच ऐतिहासिक भी है क्योंकि वह पहली बार फुटबॉल के दीवाने इस पहाड़ी शहर में मैच खेलेगी।

- छेत्री पर रहेंगी सभी की निगाहें
- इसी महीने छेत्री ने संन्यास से वापसी की घोषणा की

भारत बड़ी जीत हासिल करने के उद्देश्य से उतरेगा

फुटबॉल को विभिन्न क्षेत्रों में ले जाना भारतीय फुटबॉल के लिए बहुत अच्छी बात है। भारत इस मैच में बड़ी जीत हासिल करने के उद्देश्य से मैदान पर उतरेगा लेकिन उसे मालदीव को किसी भी तरह से कम करके नहीं आंकना होगा। भारतीय टीम को इस मैच से बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले मैच से पहले यह पता करने का मौका मिलेगा कि उसे किन क्षेत्रों में सुधार करने की जरूरत है।

तकनीकी कमी को लेकर बनी धारणा से लड़ना पड़ा

मेरे बारे में धारणाएं बनाई गई, टाइपकास्ट किया: श्रेयस

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

उन्हें तथाकथित तकनीकी कमी को लेकर बनी धारणाओं से लड़ना पड़ा, उन्हें टाइपकास्ट किया गया और विश्व कप नायक बनने के कुछ महीनों के भीतर ही उनका अनुबंध रद्द कर दिया गया लेकिन श्रेयस अय्यर इन सबके बावजूद अडिग रहे और अपनी ईमानदारी और सुलझे हुए दिमाग पर भरोसा करके आगे बढ़े। इसका फल भी उन्हें मीठा ही मिला। पिछले कुछ समय में वह चौथे नंबर पर भारत के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाज बने और कप्तान रोहित शर्मा ने कुछ दिन पहले चैम्पियंस ट्रॉफी में मिली खिताबी जीत के बाद उन्हें ' मौन नायक' करार दिया।

- विश्व कप नायक बनने के बावजूद अनुबंध रद्द किया गया

मेरी ईमानदारी ने मुझे मौका दिया

श्रेयस की कप्तानी में केकेआर ने आईपीएल जीता और फिर उन्होंने भारतीय वनडे टीम में वापसी की। इस आईपीएल सत्र से पंजाब किंग्स की कप्तानी करने जा रहे श्रेयस ने कहा ,'' मैने अपनी प्रक्रिया सरल रखी। ज्यादा सोचा नहीं और ईमानदारी से काम करता रहा। मुझे भरोसा था कि मेरी ईमानदारी और प्रदर्शन फिर मुझे मौका दिलायेगा।''

मैंने अपने कौशल पर और मेहनत की

श्रेयस ने कहा , 'इस दौर ने मुझे बहुत कुछ सिखाया। मैने अपने कौशल पर और मेहनत की। मैं नतीजे से खुश हूं क्योंकि इसके पीछे काफी मेहनत की गई है। कोच प्रवीण आमे सर से लेकर ट्रेनर सागर तक सभी ने मेहनत की। इन दोनों ने मुझे वह ताकत पैदा करने में मदद की जो अब मेरी बल्लेबाजी में दिखती है।''

तेज गेंदों से डरने की बात कह कर धारणा बनाई गई

शॉर्ट गेंद के खिलाफ उनकी कमजोरी को लेकर पूछे जाने पर श्रेयस ने इंटरव्यू में कहा ,'' शायद ऐसी धारणा बनाई गई थी या मुझे टाइपकास्ट किया गया। लेकिन मुझे हमेशा से अपनी ताकत , क्षमता पता थी और खुद पर भरोसा था।'' पिछले आठ वनडे में उन्होंने चौथे नंबर पर 53 की औसत से रन बनाये हैं।

कमर में चोट के कारण गंवाना पड़ा था अनुबंध

पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट श्रृंखला के दौरान उनकी कमर में चोट लगी और फिर उन्हें केंद्रीय अनुबंध गंवाना पड़ा चूंकि उस समय वह अपनी तत्कालीन आईपीएल टीम कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ अभ्यास कर रहे थे जबकि उन्हें रणजी ट्रॉफी खेलना था।

न्यायाधीश के रोक लगाने के बावजूद ट्रंप प्रशासन ने सैकड़ों प्रवासियों को निर्वासित किया

» वाशिंगटन, भाषा।

अमेरिका में एक संघीय न्यायाधीश द्वारा 18वीं सदी के युद्धकालीन अधिनियम के तहत निर्वासन पर अस्थाई रूप से रोक लगाने का आदेश जारी किए जाने के बावजूद देश के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने सैकड़ों प्रवासियों को अल साल्वाडोर भेज दिया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। न्यायाधीश ने अधिनियम के क्रियान्वयन पर रोक लगाने का जब आदेश दिया, प्रवासियों को ले जा रहे विमान उससे पहले ही उड़ान भर चुके थे। ट्रंप ने निर्वासन में तेजी लाने के लिए 18वीं सदी के कानून का इस्तेमाल किए जाने की घोषणा की थी। इसके कुछ ही घंटों बाद यूएस डिस्ट्रिक्ट जज जेम्स ई बोसबर्ग ने इस पर रोक लगाए जाने का शनिवार को आदेश जारी किया लेकिन वकीलों ने उन्हें बताया कि दो विमान प्रवासियों को लेकर अल साल्वाडोर और होंडुरास की ओर पहले की उड़ान भर चुके हैं।

बोसबर्ग ने विमानों को वापस लौटने का मौखिक आदेश दिया लेकिन जाहिर तौर पर ऐसा नहीं किया गया और न्यायाधीश के लिखित आदेश में भी यह निर्देश शामिल नहीं था। अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने रविवार को एक बयान में इन अटकलों का जवाब दिया कि क्या प्रशासन अदालती आदेशों का उल्लंघन कर रहा है। उन्होंने कहा, प्रशासन ने अदालती आदेश का पालन करने से इनकार नहीं किया। इस आदेश का कोई वैधानिक आधार नहीं है और यह टीडीए के विदेशी आतंकवादियों को

अमेरिकी क्षेत्र से पहले ही हटा दिए जाने के बाद जारी किया गया था। टीडीए का तात्पर्य ट्रेन डी अरागुआ गिरोह से है जिसे ट्रंप ने शनिवार को जारी घोषणा में निशाना बनाया था। ट्रंप प्रशासन ने 18वीं सदी के कानून का इस्तेमाल करने की घोषणा करते हुए शनिवार को कहा था कि वेनेजुएला का एक गिरोह अमेरिका पर आक्रमण कर रहा है और प्रशासन के पास उसके सदस्यों को देश से बाहर निकालने के लिए नई शक्तियां हैं। ट्रंप ने 1798 के एलियन एनीमीज एक्स (विदेशी शत्रु अधिनियम) को लागू करने की घोषणा करते हुए दावा किया कि वेनेजुएला का गिरोह ट्रेन डी अरागुआ अमेरिका पर आक्रमण कर रहा है। यह अधिनियम राष्ट्रपति को निर्वासन में बड़े पैमाने पर तेजी लाने के लिए नीतिगत और कार्यकारी कार्रवाईके संबंध में व्यापक छूट देता है। अमेरिकी इतिहास में इस अधिनियम का इस्तेमाल अब तक केवल तीन बार हुआ है और वह भी केवल युद्ध के दौरान किया गया। इससे पहले इसका इस्तेमाल द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान हुआ था। उस समय जर्मन और इतालवी लोगों को कैद करने के साथ-साथ जापानी-अमेरिकी नागरिकों को सामूहिक रूप से नजरबंद करने के लिए इसका इस्तेमाल किया गया था।

पुतिन से मंगलवार को बात करेंगे ट्रंप

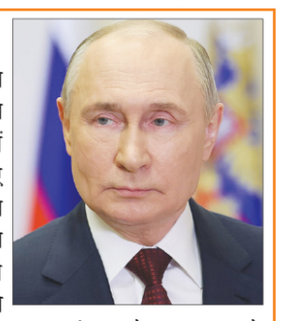

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने की कोशिश के तहत रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मंगलवार को बात करेंगे। अमेरिकी नेता ने रविवार शाम को एयरफोर्स वन (अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा इस्तेमाल किया जाने वाला विमान) के जरिए फ्लोरिडा से वाशिंगटन जाते समय पत्रकारों को इस संबंध में जानकारी दी। ट्रंप ने कहा, हम देखेंगे कि क्या हमारे पास मंगलवार तक घोषणा करने के लिए कुछ है। मैं राष्ट्रपति पुतिन से मंगलवार को बात करूंगा। उन्होंने कहा, सप्ताहांत में बहुत काम किया गया है। हम देखना चाहते हैं कि क्या हम इस युद्ध को समाप्त कर सकते हैं। रूस ने करीब तीन साल पहले यूक्रेन पर हमला किया था। ट्रंप ने कहा कि युद्ध समाप्त करने के लिए भूमि और बिजली संयंत्र बातचीत का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा, हम जमीन के बारे में बात करेंगे। हम बिजली संयंत्रों के बारे में बात करेंगे। ट्रंप ने इसे कुछ संपत्तियों को विभाजित करने के रूप में वर्णित किया। उनके विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने वार्ता को आगे बढ़ाने के लिए हाल में मॉस्को का दौरा किया था और उन्होंने रविवार को कहा था कि ट्रंप और पुतिन के बीच शीघ्र ही बातचीत हो सकती है। ट्रंप ने एयरफोर्स वन में पत्रकारों से कहा कि हाल में शेयर बाजार में उथल-पुथल और आर्थिक प्रभाव को लेकर चिंता के बावजूद वह दो अप्रैल को शुल्क लगाने की अपनी योजना को आगे बढ़ाएंगे।

ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर साझा किया प्रधानमंत्री मोदी का पॉडकास्ट

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को अपने सोशल मीडिया मंच ट्रूथ सोशल पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिका के लोकप्रिय पॉडकास्टर एवं कंप्यूटर वैज्ञानिक लेक्स फ्रीडमैन के साथ बातचीत का वीडियो लिंक साझा किया। अमेरिकी पॉडकास्टर लेक्स फ्रीडमैन के साथ रविवार को एक पॉडकास्ट में चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके बीच परस्पर विश्वास का रिश्ता है और वे बेहतर तरीके से एक-दूसरे के संपर्क में रहते हैं, क्योंकि वे हर चीज से ऊपर अपने राष्ट्रीय हितों को रखने में विश्वास करते हैं। मोदी ने कहा कि ट्रंप के साथ उनका आपसी विश्वास का रिश्ता तब भी अडिग रहा जब रिपब्लिकन पार्टी के नेता राष्ट्रपति नहीं थे। पॉडकास्ट में मोदी ने ट्रंप की प्रशंसा करते हुए उन्हें एक साहसी व्यक्ति बताया, जिसने अपने फैसले खुद किए और जो अमेरिका के प्रति अटूट रूप से समर्पित रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनका यह समर्पण उस वक्त भी दिखा जब पिछले साल चुनाव प्रचार के दौरान एक बंदूकधारी ने उन्हें गोली मार दी थी। यह पूछे जाने पर कि उन्हें ट्रंप के बारे में क्या पसंद है, मोदी ने याद दिलाया कि अपने पहले कार्यकाल के दौरान ट्रंप ने सुरक्षा प्रोटोकॉल की अनदेखी की थी और ह्यूस्टन में हाउडी मोदी कार्यक्रम की मेजबानी करने वाले स्टेडियम का एक चक्कर लगाने के उनके अनुरोध पर सहमति व्यक्त की थी। मोदी ने कहा, उनकी पूरी सुरक्षा सकते में आ गई थी। लेकिन मेरे लिए वह क्षण वास्तव में दिल को छू लेने वाला था। इससे पता चला कि इस आदमी में हिम्मत है। वह अपने फैसले खुद करते हैं, लेकिन साथ ही उन्होंने उस पल में मुझ पर और मेरे नेतृत्व पर भरोसा किया कि वह मेरे साथ भीड़ के बीच चले गए। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उन्होंने उसी लचीले और दृढ़ ट्रंप को देखा जब अमेरिकी चुनाव अभियान के दौरान उन पर गोली चलाई गई थी। उन्होंने कहा, गोली लगने के बाद भी वह अमेरिका के लिए अटूट रूप से समर्पित रहे। उनका जीवन अपने राष्ट्र के लिए है। इसने उनकी अमेरिका फर्स्ट भावना को दिखाया, जैसे मैं राष्ट्र प्रथम में विश्वास करता हूं , भारत पहले। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल में पहले की तुलना में कहीं अधिक तैयार दिखाई दे रहे हैं। मोदी ने राष्ट्रपति के तौर पर ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के बारे में कहा, उनके दिमाग में सुपरिभाषित कदमों के साथ स्पष्ट रोडमैप है, हर रोडमैप उन्हें उनके लक्ष्यों की ओर ले जाने के लिए तैयार किया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी हालिया अमेरिका यात्रा के दौरान उन्हें ट्रंप की टीम के सदस्यों से मिलने का अवसर मिला।

बातचीत के बाद भारत-चीन सीमा पर सामान्य स्थिति

चीन-भारत संबंधों पर मोदी की सकारात्मक टिप्पणी की चीन ने सराहना की

» बीजिंग, भाषा।

चीन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की भारत-चीन संबंधों पर सकारात्मक टिप्पणी की सोमवार को सराहना की, जिसमें उन्होंने मतभेद के बजाय संवाद को तरजीह दी है। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने यहां एक प्रेसवार्ता में अमेरिकी पॉडकास्टर लेक्स फ्रीडमैन के साथ बातचीत में प्रधानमंत्री मोदी की टिप्पणियों पर एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि चीन ने चीन-भारत संबंधों पर प्रधानमंत्री मोदी के हालिया सकारात्मक टिप्पणी पर ध्यान दिया है और इसकी सराहना करता है। माओ ने कहा कि अक्टूबर में रूस के कजान में प्रधानमंत्री मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच सफल बैठक ने द्विपक्षीय संबंधों के सुधार और विकास के लिए रणनीतिक मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों ने महत्वपूर्ण आम सहमतियों पर गंभीरतापूर्वक अमल किया है, आदान-प्रदान को मजबूत किया है और सकारात्मक परिणाम प्राप्त किए हैं।

उन्होंने कहा, मैं इस बात पर जोर देना चाहती हूं कि 2000 से अधिक वर्षों के आपसी संबंधों के इतिहास में दोनों देशों ने मैत्रीपूर्ण आदान-प्रदान बनाए रखा है और दोनों देशों ने सभ्यतागत उपलब्धियों और मानव प्रगति में योगदान देते हुए एक-दूसरे से सीखा है। उन्होंने कहा कि दो सबसे बड़े विकासशील देशों के रूप में, चीन और भारत ने अपने विकास और पुनरोद्धार में तेजी लाने के कार्य को साझा किया है तथा एक-दूसरे की सफलताओं को समझते हैं और उनका समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा कि यह 2.8 अरब से अधिक लोगों के मौलिक हितों की पूर्ति करता है, क्षेत्रीय देशों की साझा आकांक्षाओं की पूर्ति करता है, तथा ग्लोबल साउथ के मजबूत होने तथा विश्व शांति के लिए अनुकूल होने की ऐतिहासिक प्रवृत्ति का अनुसरण करता है। उन्होंने चीन के विदेश मंत्री वांग ई के बयान को दोहराते हुए कहा कि दोनों देशों को ऐसा साझेदार बनना चाहिए जो एक-दूसरे की सफलता में योगदान दें और हाथी (भारत) और ड्रैगन (चीन) का तालमेल बिठाकर साथ चलना ही दोनों देशों के संबंधों के लिए एकमात्र सही विकल्प है। उन्होंने कहा कि चीन दोनों नेताओं के बीच महत्वपूर्ण आम सहमति को लागू करने के लिए भारत के साथ मिलकर काम करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि चीन राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ को एक अवसर के रूप में लेगा और द्विपक्षीय संबंधों को स्थिर और सुदृढ़ विकास के पथ पर आगे बढ़ाएगा। मोदी ने अपने पॉडकास्ट में कहा कि पूर्वी लद्दाख में दोनों देशों की सेनाओं के बीच 2020 में हुई झड़पों से उत्पन्न तनाव को कम करने के लिए राष्ट्रपति शी के साथ उनकी हालिया बातचीत के बाद भारत-चीन सीमा पर सामान्य स्थिति लौट आई है। विश्व के दो सर्वाधिक जनसंख्या वाले देशों के बीच संबंधों के प्रति आशावादी रुख अपनाते हुए मोदी ने कहा कि पड़ोसियों के बीच मतभेद स्वाभाविक हैं तथा उन्होंने उनके बीच प्राचीन सांस्कृतिक संबंधों पर जोर दिया, जब दोनों सभ्यताएं एक-दूसरे से सीखती थीं तथा उनके बीच बहुत कम संघर्ष होता था।

ऑल वी इमेजिन ऐज लाइट और अभिनेत्री शहाना गोस्वामी को मिला सम्मान

» लॉस एंजिलिस, भाषा।

पायल कपाड़िया की फिल्म ऑल वी इमेजिन ऐज लाइट को सर्वश्रेष्ठ फिल्म के खिताब के साथ ही फिल्म संतोष की अभिनेत्री शहाना गोस्वामी और इसकी निर्देशक संध्या सूरी को एशियन फिल्म अवार्ड 2025 में शीर्ष सम्मानों से नवाजा गया। हांगकांग के वेस्ट कॉल्यून कल्चरल जिले के जिकू सेंटर में रविवार को 18वां पुरस्कार समारोह आयोजित किया गया। एशियन फिल्म अवार्ड ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर विजेताओं की सूची साझा की। इस कार्यक्रम में पायल कपाड़िया की ऑल वी इमेजिन ऐज लाइट को सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म का पुरस्कार मिला।

यह ब्लैक डॉग (चीन), एक्सहुमा (दक्षिण कोरिया), टेकी कॉमेथ (जापान) और ट्विलाइट ऑफ़ द वॉरियर्स (हांगकांग) के साथ प्रतिस्पर्धा में थी। इसके अलावा अभिनेत्री शहाना गोस्वामी को फिल्म संतोष में अपनी शानदार भूमिका के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के पुरस्कार से नवाजा गया और इसी फिल्म के लिए सूरी को सर्वश्रेष्ठ नवोदित निर्देशक का पुरस्कार भी मिला। फिल्म ऑल वी इमेजिन ऐज लाइट ने पिछले वर्ष कान फिल्म महोत्सव में ग्रैंड प्री पुरस्कार जीतने वाली पहली भारतीय फिल्म बनकर इतिहास रच दिया था। मलयालम-हिंदी फिल्म केरल की दो नर्सों प्रभा (कनी कुसरुति) और अनु (दिव्या प्रभा) की कहानी है। फिल्म संतोष एक नवविवाहित गृहिणी (गोस्वामी) की कहानी है, जिसे अपने दिवंगत पति की पुलिस कांस्टेबल की नौकरी मिल जाती है और वह एक लड़की की हत्या की जांच में उलझ जाती है।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका से स्व-निर्वासित भारतीय छात्रा ने कहा, माहौल बहुत अस्थिर और खतरनाक लग रहा था

» न्यूयॉर्क, भाषा।

कोलंबिया यूनिवर्सिटी से पीएचडी कर रही भारतीय छात्रा रंजनी श्रीनिवासन ने उस भयावह पल के बारे में बताया, जब संघीय आव्रजन अधिकारियों ने पहली बार विश्वविद्यालय में उसके अपार्टमेंट पर दस्तक दी थी। रंजनी ने हमास के समर्थन के आरोप में उसका छात्र वीजा रद्द किए जाने के बाद खुद अमेरिका छोड़ भारत लौटने का फैसला किया था। न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के मुताबिक, तीन आव्रजन अधिकारी रंजनी (37) की तलाश में जुटे थे। उन्होंने जब पहली बार छात्रा के अपार्टमेंट का दरवाजा खटखटाया था, तो उसने दरवाजा नहीं खोला था। खबर के अनुसार, अगली रात जब आव्रजन अधिकारी फिर से उसके अपार्टमेंट पहुंचे, तो वह वहां पर नहीं थी।

खबर में बताया गया है कि रंजनी ने अपना कुछ सामान बांधा, अपनी बिल्ली को एक दोस्त के पास छोड़ा और लागार्डिया हवाई अड्डे से कनाडा जाने वाली उड़ान में सवार हो गई। इसमें कहा गया है कि न्यायिक वारंट हासिल करने के बाद आव्रजन अधिकारी पिछले बृहस्पतिवार को तीसरी बार रंजनी के अपार्टमेंट पहुंचे और उसके कमरे में दाखिल हुए, रंजनी ने शुक्रवार को प्रकाशित एक साक्षात्कार में न्यूयॉर्क टाइम्स को बताया, माहौल बहुत अस्थिर और खतरनाक लग रहा था। इसलिए मैंने तत्काल यह फैसला लिया। न्यूयॉर्क छोड़ने के बाद यह रंजनी की पहली सार्वजनिक टिप्पणी थी। रंजनी ने एफ-1 छात्र वीजा पर शहरी नियोजन में डॉक्टरेट की छात्रा के रूप में कोलंबिया विश्वविद्यालय में दाखिला लिया था। अमेरिकी विदेश विभाग ने पांच मार्च को उसका वीजा रद्द कर दिया था। होमलैंड सुरक्षा विभाग ने कहा था कि उसे रंजनी का 11 मार्च का एक वीडियो मिला है, जिसमें वह स्व-निर्वासन के लिए सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा (सीबीपी) के स्मार्टफोन ऐप का इस्तेमाल करती नजर आ रही है।

पाकिस्तान की नेशनल असेंबली के अध्यक्ष ने बंद कमरे में बैठक बुलाई

» इस्लामाबाद, भाषा।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में आतंकी हमलों में वृद्धि के बीच सरकार ने मंगलवार को सुरक्षा से संबद्ध संसद की एक उच्च समिति की बंद कमरे में बैठक बुलाई है, जहां शीर्ष सैन्य नेतृत्व मौजूदा स्थिति पर सांसदों को जानकारी देगा। सोमवार को यह खबर सामने आई कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने नेशनल असेंबली के अध्यक्ष अयाज सादिक से मंगलवार को दोपहर डेढ़ बजे संसद में सुरक्षा संबंधी बैठक बुलाने के लिए कहा है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, सैन्य नेतृत्व राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी संसदीय समिति को सुरक्षा स्थिति के बारे में जानकारी देगा। यह बैठक पाकिस्तान के बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा प्रांतों में हाल में कई आतंकवादी हमले होने के आलोक में हो रही है। इन दोनों प्रांतों की सीमा अफगानिस्तान से सटी है।

अखबार डॉन की खबर में नेशनल असेंबली के एक सूत्र का हवाला देते हुए बताया गया कि चूंकि सुरक्षा पर कोई संसदीय समिति गठित नहीं की गई थी, इसीलिए नेशनल असेंबली के रक्षा और विदेश मामलों की स्थाई समितियों के सदस्य, संघीय कैबिनेट के सदस्य, चारों प्रांतों के मुख्यमंत्री और सभी संसदीय दलों के नेता अथवा उनके प्रतिनिधि बंद दरवाजे के भीतर होने वाली इस बैठक में भाग लेंगे। प्रधानमंत्री

शरीफ और सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर इस बैठक में शामिल होंगे। इस बीच, अखबार का कहना है कि ऐसा बताया जा रहा है कि सरकार प्रांत में बढ़ते आतंकवादी हमलों में शामिल बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) और अन्य आतंकवादी संगठनों के खिलाफ बड़े पैमाने पर अभियान चलाने की योजना बना रही है। प्रधानमंत्री के सहयोगियों में से एक, राणा अहसन अफजल ने कहा कि सरकार जल्द ही सुरक्षा स्थिति पर चर्चा करने के लिए एक बहु- दलीय सम्मेलन (एमपीसी) बुलाएगी। उन्होंने बलूचिस्तान में आतंकवादियों के खिलाफ बड़े पैमाने पर अभियान चलाने की योजना का भी खुलासा किया, लेकिन कोई विवरण नहीं दिया। खैबर-पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान प्रांतों में सुरक्षा की स्थिति अशांत लगती है, जहां तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान और बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने बार-बार सुरक्षा कर्मियों और नागरिकों पर हमला किया है। रविवार को बलूचिस्तान के नोशकी जिले में जब अर्धसैनिक बल के एक काफिले पर बीएलए आतंकवादियों द्वारा हमला किया गया था तब तीन सुरक्षा कर्मियों सहित पांच लोग मारे गए थे और 30 अन्य घायल हो गए थे। सेना द्वारा 12 मार्च को सभी 33 चरमपंथियों को मार गिराने से पहले आतंकवादियों ने 21 यात्रियों और अर्धसैनिक बलों के चार जवानों को मार डाला था। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में रविवार को पांच अलग-अलग आतंकवादी हमलों में तीन सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गई थी।

स्पीकर ने राष्ट्रीय सुरक्षा पर बुलाई बैठक

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की नेशनल असेंबली के स्पीकर अयाज सादिक ने राष्ट्रीय सुरक्षा पर संसदीय समिति की बैठक बुलाई है। पाकिस्तान के बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा प्रांतों में हाल में आतंकवादी हमलों में वृद्धि के बीच यह बैठक काफी अहम मानी जा रही है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) द्वारा जारी एक बयान के अनुसार पाकिस्तानी सेना के शीर्ष अधिकारी इस बैठक में संसदीय समिति को मौजूदा सुरक्षा स्थिति पर व्यापक जानकारी देंगे। पाकिस्तान की नेशनल असेंबली संसद का निचला सदन है। यह घटनाक्रम पड़ोसी देश अफगानिस्तान की सीमा से सटे बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा प्रांतों में हुए घातक आतंकवादी हमलों की श्रृंखला के मद्देनजर हुआ है। डॉन की रिपोर्ट में नेशनल असेंबली के एक सूत्र का हवाला देते हुए बताया गया कि चूंकि सुरक्षा पर कोई संसदीय समिति गठित नहीं की गई थी, इसीलिए नेशनल असेंबली के रक्षा और विदेश मामलों की स्थाई समितियों के सदस्य, संघीय कैबिनेट के सदस्य, चारों प्रांतों के मुख्यमंत्री और सभी संसदीय दलों के नेता अथवा उनके प्रतिनिधि बंद दरवाजे के भीतर होने वाली इस बैठक में भाग लेंगे। प्रधानमंत्री शरीफ और सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर इस बैठक में शामिल होंगे। इस बीच, अखबार ने बताया कि सरकार प्रांत में बढ़ते आतंकवादी हमलों में शामिल बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) और अन्य आतंकवादी समूहों के खिलाफ बड़े पैमाने पर अभियान की योजना बना रही है। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने 11 मार्च को गुडलार और पीरू कुनरी के पहाड़ी इलाकों के पास 440 यात्रियों को लेकर जा रही जाफर एक्सप्रेस पर घात लगाकर हमला किया था। सेना द्वारा 12 मार्च को सभी 33 आतंकवादियों को मार गिराने से पहले आतंकवादियों ने 21 यात्रियों और अर्धसैनिक बलों के चार जवानों को मार डाला था।

जेलेंस्की ने यूक्रेन के नए चीफ ऑफ जनरल स्टाफ की नियुक्ति की

» कीव, भाषा।

रूस के साथ जारी युद्ध के बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने एंड्री ह्नातोव को यूक्रेनी सशस्त्र बलों का नया चीफ ऑफ जनरल स्टाफ नियुक्त किया है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब यूक्रेन रूस के कुर्स्क क्षेत्र में डटे रहने और दोनेत्स्क में बढ़ते दबाव का सामना करने के लिए अपनी सेना में बदलाव कर रहा है और उसे मजबूत बनाने की कोशिश कर रहा है। ह्नातोव ने फरवरी 2024 से इस पद को संभाल रहे अनातोली बारहिलेविच की जगह ली। जनरल स्टाफ ने रविवार को अपने टेलीग्राम चैनल के जरिए नियुक्ति की घोषणा की।

यूक्रेन के रक्षा मंत्री रुस्तम उमेरोव ने कहा, हम यूक्रेन की सशस्त्र सेनाओं की युद्ध प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए उसमें व्यवस्थित रूप से बदलाव कर रहे हैं। बारहिलेविच अब यूक्रेन के रक्षा मंत्रालय में जनरल इंस्पेक्टर के तौर पर काम करेंगे। उमेरोव ने इस बात पर जोर दिया कि बारहिलेविच टीम का हिस्सा बने रहेंगे , सैन्य मानकों पर नजर रखेंगे और सेना में अनुशासन को मजबूत करेंगे। ओलेक्सांद्र सिर्स्की यूक्रेन के सशस्त्र बलों के कमांडर-इन-चीफ बने रहेंगे।

युद्धपोतों को निशाना बनाकर जवाब देंगे :अल-हूती | **ट्रंप ने ईरान को भी चेतावनी दी कि वह विद्रोही संगठन का समर्थन बंद करे**

यमन में हूती विद्रोहियों पर अमेरिकी हवाई हमलों में कम से कम 53 लोगों की मौत

» काहिरा, भाषा।

यमन में हूती विद्रोहियों को निशाना बनाकर अमेरिकी द्वारा किए गए हवाई हमलों में कम से कम 53 लोगों की मौत हो गई और करीब 100 लोग घायल हो गए। हूती विद्रोहियों द्वारा संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी। अमेरिका के इन हमलों ने बाद ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने भी हमलों की धमकी दी है जिससे यमन में तनाव और बढने की आशंका है। हूती विद्रोहियों द्वारा संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि अमेरिकी हमलों में पांच महिलाओं और दो बच्चों समेत कम से कम 53 लोग मारे गए हैं तथा राजधानी सना एवं सऊदी अरब की सीमा पर विद्रोहियों के गढ़ सादा समेत अन्य प्रांतों में लगभग 100 लोग घायल हो गए हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को यमन में हूती विद्रोहियों के कब्जे वाले इलाकों पर सिलसिलेवार हवाई हमलों का

आदेश दिया था। ट्रंप ने चेतावनी दी कि ईरान समर्थित हूती विद्रोही अहम समुद्री गलियारे पर आने-जाने वाले मालवाहक पोतों पर जब तक अपने हमले बंद नहीं कर देते, तब तक वह पूरी ताकत से हमले जारी रखेंगे। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा था, हमारे बहादुर सैनिक अमेरिकी जलमार्गों, वायु और नौसेना संपत्तियों की रक्षा करने तथा नौवहन की स्वतंत्रता को बहाल करने के लिए आतंकवादियों के ठिकानों, उनके आकाओं और मिसाइल रक्षा तंत्र पर हवाई हमले कर रहे हैं। उन्होंने कहा था, कोई भी आतंकी ताकत अमेरिकी वाणिज्यिक और नौसैनिक पोतों को दुनिया के जलमार्गों पर स्वतंत्र रूप से आने-जाने से नहीं रोक पाएगी। ट्रंप ने ईरान को भी चेतावनी दी कि वह विद्रोही संगठन का समर्थन बंद कर दे, अन्यथा उसे उसके कृत्यों के लिए पूरी तरह से जवाबदेह ठहराया जाएगा। हूती विद्रोहियों ने शनिवार शाम को सना और सादा में शनिवार तथा रविवार को हवाई हमले होने की सूचना दी। उन्होंने रविवार तड़के होदीदा, बायदा और मारिब प्रांतों में भी हवाई हमले होने की जानकारी दी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने रविवार को सीबीएस टीवी चैनल से कहा, हम इन लोगों को यह नियंत्रित करने नहीं देंगे कि कौन से पोत गुजर सकते हैं और कौन से नहीं। रुबियो ने कहा कि हूती विद्रोहियों के कुछ केंद्रों को नष्ट कर दिया गया है। रविवार रात प्रसारित भाषण में विद्रोहियों के नेता अब्दुल-मलिक अल-हूती ने चेतावनी देते हुए कहा, हम तनाव बढ़ाए जाने का जवाब तनाव बढ़ाकर देंगे। अल-हूती ने कहा, हम अमेरिकी दुश्मन को हमलों, मिसाइल हमलों से और उसके विमानवाहक पोतों, उसके युद्धपोतों को निशाना बनाकर जवाब देंगे। हूती मीडिया कार्यालय के उप प्रमुख नसरुद्दीन आमेर ने कहा कि हवाई हमले उन्हें रोक नहीं पाएंगे और वे अमेरिका के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करेंगे। विद्रोहियों के एक अन्य प्रवक्ता मोहम्मद अब्दुलसलाम ने एक्स पर अपने पोस्ट में ट्रंप के इस दावे को झूठा और भ्रामक बताया कि हूती अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों को खतरा पहुंचाते हैं।

अमेरिका में बवंडर, धूल भरी आंधी और जंगल में आग से कम से कम 37 लोगों की मौत

» पिडमोंट, भाषा।

अमेरिका के कई हिस्सों में बवंडर (टॉरनेडो) और तेज हवाओं के कारण मकानों समेत कई इमारतों को व्यापक नुकसान पहुंचा और कम से कम 37 लोगों की मौत हो गई। राष्ट्रीय मौसम सेवा के मौसम वैज्ञानिक कोडी स्वेल ने बताया कि कैरोलिनास, पूर्वी जॉर्जिया और उत्तरी फ्लोरिडा के कुछ हिस्सों के लिए बवंडर की चेतावनी बरकरार है। उन्होंने कहा कि मुख्य खतरा विनाशकारी हवाएं होंगी। इस तूफान को मौसम वैज्ञानिकों ने असामान्य रूप से उच्च जोखिम वाला बताया है। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि मार्च में मौसम की इस तरह की चरम स्थितियों का होना असामान्य नहीं है। डलास काउंटी के शेरिफ माइकल एल. ग्रांथम ने रविवार को बताया कि बवंडर के कारण मध्य अलबामा में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई।

मिसौरी निवासी डकोटा हेंडरसन ने बताया कि रात बवंडर से बुरी तरह प्रभावित वेन काउंटी में उन्होंने और अन्य लोगों ने मिलकर जब पड़ोसियों को बचाने का अभियान शुरू किया तो उनके रिश्तेदार के घर के बाहर मलबे में पांच शव पड़े मिले। अधिकारियों ने बताया कि मिसौरी में बवंडरों में कम से

कम 12 लोगों की मौत हो गई। मिसिसिपी के गवर्नर टेट रीव्स ने शनिवार देर रात बताया कि तीन काउंटी में छह लोगों की मौत हो गई तथा तीन अन्य लोग लापता हैं। उन्होंने बताया कि बवंडर पूर्व में अलबामा की ओर बढ़ गया है, जहां घरों को नुकसान पहुंचा है तथा सडक़ें अवरुद्ध हो गई हैं। अधिकारियों ने अर्कंसास में तीन लोगों की मौत की पुष्टि की और गवर्नर सारा हकाबी सैंडर्स ने राज्य में आपातकाल की घोषणा कर दी है। जॉर्जिया के गवर्नर ने भी राज्य में आपातकाल की घोषणा की है। राज्य में बवंडर और धूल भरी आंधी की वजह से लगभग 12 लोगों की मौत हो गई। स्टेट हाईवे पेट्रोल के अनुसार, कम से कम 50 वाहनों के टकरा जाने से कंसास राजमार्ग पर आठ लोगों की मौत हो गई।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,